

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 48] नई विस्ती, शनिवार, विसम्बर 2, 1978 (अग्रहायण 11, 1900) No. 48] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 2, 1978 (AGRAHAYANA 11, 1900)

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate peging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III--- बण्ड 1 PART III--SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं (Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 अक्तूबर 1978 सं० ए० 35017/1/75-प्रशा०-II---संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक श्रिधसूचना दिनांक 9-11-77 के प्रनुक्रम में महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व के लेखा श्रिधकारी श्री एच० श्रार० सिंह को 9-9-78 से एक वर्ष की श्रवधि के लिए या श्रागामी श्रादेशों तक जो भी पहले हो संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर, राजपत्रित श्रेणी-II लेखा श्रिधकारी के सामान्य केन्द्रीय सेवा के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन, ग्रवर सचिव, कृते सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग

केन्द्रय सतर्कता आयोग नई दिल्ली, दिनांक नवभ्बर 78

सं० 87 आर सी 28 :——केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद-दबारा श्री एच एस० राठौर, केन्द्रय सतर्कता आयोग के एक 1—356G1/78 स्थायी सहायक, को इस आयोग में 26-10-78 से 18-11-78 सक अथवा अप्रिम आदेश तक, जो भी पहिले हो, स्थानापन्न रुप से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्री निवास श्रवर सचिव **कृते** केन्द्रीय सत्तर्कमा आयुक्त

गृष्ट मंद्रालय

का० एवं प्र० रा० विभाग केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

नई विल्ली, विनांक 10 नवम्बर 1978

सं० ए०-19036/19/76-प्रणा०-5—-राजस्थान राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, राजस्थान राज्य पुलिस के प्रिष्ठिकारी एवं केन्द्रीय प्रत्येषण ब्यूरो के पुलिस उप-ग्रधीक्षक श्री एन० के० त्रिपाठी ने दिनांक 28-10-78 के श्रपराह्म से केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो में पुलिस उप-ग्रधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

जरनैल सिंह, प्रशासनिक श्रिधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

(7335)

वित्त मंत्रालय

# राजस्व विभाग

## तस्करी रोधक निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 धगस्त 1978

सं० I—इस निदेशालय के विनांक 5-6-1978 के झादेश सं० 203/1/डी०ए० एस०-1/77 के झनुसार क्रमशः इलाहाबाद तथा पटना में स्थित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समा-हर्तालयों में निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (वरीय ग्रेड) के पद पर काम कर रहे श्री भ्रो० एस० अहमद भीर के० एस० चावला ने, इस निदेशालय में निरीक्षण श्रिष्ठकारी ग्रुप ख के रूप में प्रतिनियूक्ति होने पर 13 जून, 1978 से रू०-650 30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तथा विशेष वेतन भीर संबंधित नियमों के भ्रंतर्गत स्वीकार्य सामान्य भत्तों सहित तथा भ्रगला श्रादेश होने तक उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

भारत बी० जूल्फा, निदेशक, सस्करी रोधक निदेशालय

श्रार्थिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्रणासय,

देवास, दिनांक 7 भ्रम्तुबर 1978

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—इस कार्यालय की समसंख्यक श्रिधसूचना दिनांक 30-8-78 के श्रनुकम में प्रतिनियुक्ति पर श्राए श्री एन० जी० किबे, लेखा श्रिधकारी की नियुक्ति दिनांक 1-8-78 से 31-12-78 तक बक नोट मुद्राणलय, देवास में मानक प्रतिनियुक्ति के शर्तों के श्राधार पर बढ़ाई जाती है।

मु० वै० चार उप-महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 10 नवम्बर 1978

सं० 1505-सी० ए० 1/349-69—- प्रपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने श्री एस० एन० पलसाने लेखा परीक्षा प्रधिकारी (वाणिज्यिक) को भारत सरकार गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या 25013/7/77-स्थापना (ए) दिनांक 26-8-77 के उपबन्ध के प्रधीन तारीख 23-9-1978 (श्रपराह्म) से सरकारी सेवा से स्वेच्छा पर्वक सेवा नियुत्त होने की ग्रनुमति दे दी है।

> सुशील देव भट्टाचार्य, यक्त निदेशक (वाणिज्यिक)

महालेखाकार कार्यालय जम्मू व काश्मीर श्रीनगर, दिनांक 7 नवम्बर 1978

सं० प्रशः० 1/60(60)/78-79/2801-08--महालेखा-कार जम्मू व कश्मीर ने ग्रागामी ग्रादेश तक के लिए इस कार्यालय के स्थायी ग्रनुभाग ग्रिधिकारी श्री भूती लाल धर (जन्म तिथि 17-8-1939) को 30-10-1978 पूर्वाह्म से लेखा प्रक्रिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

> एम० एम० मुबारकी, बरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन तथा प्रधिकरण)

कार्यालय महालेखाकार राजस्थान

जयपुर, दिनांक 3 नवम्बर 1978

सं० प्रशा०-II/जी० जी० ग्रधि०/940—महालेखाकार राजस्थान ने श्री एच० एस० देव ग्रनुभाग श्रधिकारी को 26-4-77 (पूर्वाह्न) से प्रोफार्मी बेसिस पर ग्रग्नतर ग्रादेश के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर नियुक्ति किया है।

र० श्र० बोरकर वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय मुख्यलखा परीक्षक, पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर, दिनांक 7 नवम्बर 1978

सं० एडमिन/18-6(2)/68—श्री कृष्ण कुमार गुप्ता, स्थानापन्न लेखा परीक्षा ग्रधिकारी का स्वर्गवास दिनांक 18 श्रक्टूब्र, 1978 की पूर्वाह्म में हो गया है।

> के० जी० महास्तिगम, उप मुख्य लेखा परीक्षक पूर्वोत्तर रेलवे

डी० जी० ग्रो० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा, महानिदेशालय, श्राडनेंस फैक्टरियां कलकता, दिनोक 1 नवम्बर 1978

सं 14/78/ए०/ई०-I--वार्धंक्य निवृत्ति भायु प्राप्त कर, श्री ग्रमरेन्द्र नाथ चौधुरी, मौलिक एवं स्थायी ए० एस० भ्रो० दिनांक 31-10-1978 (ग्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

डी० पी० चक्रवर्ती, ए० डी० जी०म्रो० एफ० प्रशासन इस्ते महानिदेशक, म्राउंनेंस फैक्टरियां

3

भारतीय शार्डनेंस एवं उपस्कर फैक्टरियां कलकत्ता, विनांक 7 नवम्बर 1978

सं० 11/78/ए०एम०---राष्ट्रपति, डा० श्रीकृष्ण महापात, सहायक चिकित्सा ग्रधिकारी, ग्रार्डनेंस फैक्टरी, भण्डारा का त्यागपत्र दिनांक 8-6-1978 (पूर्वाह्म) से स्वीकार करते हैं।

> क्रिगेडियर के० सी० सक्सेना स्वास्थ्य सेवा निदेशक क्रुते महानिदेशक, प्रार्डनेंस फैक्टरियां

भारतीय श्रार्डनेंस फैक्टरियां सेवा महानिदेशालय, श्रार्डनेंस फैक्टरियां कलकत्ता, दिनांक 28 श्रक्तूबर 1978

सं० 69/जी०/78—वार्षक्य निवृत्ति भ्रायु प्राप्त कर निम्नलिखित भ्रधिकारीगण प्रत्येक के सामने बर्गाई गयी सारीख से सेवा निवृत्त हुए:—

ऋ० नाम एवं पद

सेवा निवृत्ति तिथि

- सं०
  - 1. श्री पी० राय, स्थानापसह वरिष्ठ 30 भग्नेल, 1975 जी० ए० डी० जी० घ्रो० एफ (मौलिक एवं स्थायी जी० एडी० जी० भो० एफ)
  - 2. श्री एन० एन० सिन्हा, स्थानापभ 31 जनवरी, 1976 वरिष्ठ ग्री० ए० ग्री० (ग्रपराह्म) जी० ग्रो० एफ०) (मौलिक एवं. स्थायी ग्री० ए० श्री०जी० ग्री०एफ)
  - 3. श्री सनत कुमार रे, मौलिक एवं 31 जनवरी, 1976 स्थायी वरिष्ठ डी० ए० डी० जी० (श्रपराह्म) शो० एफ०
  - 4. श्री बो० बी० चटर्जी, स्थानापन्न 29 फरवरी, 1976 वरिष्ठ डो० ए० डी० जी० श्रो० एफ (श्रपराह्म) (मौलिक एवं स्थायी डी० ए० डी० जी०श्रो० एफ)
  - 5. श्री बी०एन०रे, मौलक एवं 29 फरवरी, 1976 स्थायी ए०डी०जी०ग्रो०एफ० (ग्रपराह्म) ग्रेड-II
  - 6. श्री वी० एम० तनेजा, मौलिक एवं 31 मार्च, 1976 स्थायी ए० डी० जी० घो० एफ० (ग्रपराह्म) ग्रेड-I
  - 7. श्री के० सी० पाल, स्थानापन्न ए०डी० 31 मार्च, 1976 जी० भ्रो० एफ० ग्रेड-II (भ्रपराह्म) (प्रपराह्म) (प्रेनिक एवं स्थायी ए० डी० जी० भ्रो० एफ)

- 8. श्रीबी० सी० नियोगी स्थानापन्न 30 सितम्बर, 1976 वरिष्ठ डी० ए० डी० जी० झो० एफ (ग्रपराह्म) (मौलिक एवं स्थायी डी० ए० ए० जी० झो० एफ०)
- 9. श्री टी० बी० चिदावम्बरम 30 सिसम्बर, 1976 मौलिक एवं स्थायी ए डी० ए० डी० (ग्रपराह्म) जी० ग्रो० एफ०)
- 10. श्री जे०पी० दास गुप्ता, स्थानापन्न 31 दिसम्बर, 1976 विरुद्ध हो० ए० झी० जी० म्रो० (भ्रपराह्म) एफ०) (मौलिक एवं स्थायी डी० ए० झी० जी० म्रो० एफ०)

#### दिनांक 4 नवम्बर 1978

सं० 75/78/जी०—वार्धक्य निवृत्ति श्रायु (58 वर्ष) प्राप्त करके श्री एस० एन० धीर, मौलिक एवं स्थायी उप-प्रबन्धक दिनांक 31-5-1978 (श्रपराह्म) से सेवा निवृत्त द्वुए।

> भी० के० मेहता सहायक महानिदेशक, भ्रार्डनेंस फैक्टरिया

## पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन ध्रनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1978

सं० प्र०-1/1(1103)/78—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटाम एतदबारा श्री जी० नन्दगा ग्रधीक्षक को दिनांक 16-10-78 के पूर्वाह्म से तथा ग्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक (धातु) वर्नेपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-11) के पव पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> सूय प्रकाश उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात श्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकत्ता-700016,दिनांक 4 नवम्बर 1978

सं० 7410बी०/2222(पी०के० एम०)/19ए०—
प्रदीप्त किमोर महन्ती को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रू० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान में, स्थानापन्न

क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 12 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 7422 बी/2222(एम० एच० पी०)/19 ए०—श्री मंथा हरि प्रसाद को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, ग्रागामी ग्रादेश होने तक 11 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

#### दिनौंक 6 नवम्बर 1978

सं० 7471 बी-०/2222(बी० के० के०)/19ए०—श्री वसन्त किशन खड्से को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, श्रागामी श्रादेश होने तक 7 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्म से नियकत किया जा रहा है।

## दिनांक 7 नवम्बर 1978

सं० 7501 बी/2222(एन० वी० वी०)/19 ए०—श्री एन० वी० वेंकटरमन को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रू० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, श्रागामी श्रादेश होने तक 31 श्रगस्त, 1978 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 7512 बी/2222(के० जी० श्रार०)/19 ए०—श्री कदावल्लूर गोपालकृष्णन राधाकृष्णन को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 ६० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, श्रागामी श्रादेश होने तक 30 श्रगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 7525 बी/2222(के०के)/19 ए०-श्री के० कुमारत को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 ६० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, ग्रागामी ग्रादेश होने तक 4 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

 होने तक 13 सितम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

> वी० एस० कृष्णस्वामी, महा निवेशक

## भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 7 नवम्बर 1978

सं० ए०-19012/103-78-स्था० ए०-श्री म्नार० के० घोणगे, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (म्रयस्क प्रसाधन) को दिनांक 16 म्रक्टूबर, 1978 के पूर्वाह्म से म्नागामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में तदर्थ म्नाधार पर स्थाना-पन्न सहायक रसायनविद् के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

सं० ए०-19012/104/78-स्था० ए० श्री ग्रार० ए० मिश्रा, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ग्रयस्क प्रसाधन) को विनांक 16 ग्रक्तूबर, 1978 के पर्वाह्न से श्रागामी ग्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न सहायक रसायनिवद् के रूप में पर्वोन्नति प्रवान की जाती है।

#### दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० ए०-19012/107/78-स्था० ए०—भारतीय खान ब्यूरो के स्थानापन्न मधीक्षक श्री के० एस० शमी को 24 मन्दूबर, 1978 के पूर्वाह्न से म्रागामी भादेश तक स्थानापन्न सहायक प्रशासन ग्रधिकारी के रूप में पदोन्नति की गई है। एस० बालागोपाल कार्यालय मध्यक्ष

# भारतीय सवक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय

## देहरादून, विनोक 4 नवम्बर 1978

सं० सी-5428/707—निम्नलिखित ग्रिप्तकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से भारतीय सर्वेक्षण विभाग में ग्रिप्तकारी सर्वेक्षक (ग्रुप 'बी' पद) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ ग्राधार पर ग्रानल्तम रूप में नियुक्त किया जाता है:—

सं० नाम तथा पद	यूनिट/कार्यालय	से लागू
1. श्री यशपाल कालरा, धैज्ञानिक सहायक सी० भेड	सं० 69 (संगणक) पार्टी (ज्यो० एवं श्रनु० शाखा) देहरादून।	12 मई 1978 (पूर्वा०)

2. श्री एन० सी० गोरे सं० 35 पार्टी (पूर्वी- 11 ध्रगस्त, 1978 सर्वेक्षण सिले० ग्रेड शरस०) गोहाटी (पूर्वाह्म)

1	2	3	4
3.	•	सं० 19पार्टी (ज्यो० एवं ग्रनु० शाखा) देहरादून	
4.	धारी वैज्ञानिक सा०	सं० 19 पार्टी (ज्यो० एवं ग्रनु० शाखा) देहरादून	
5.	•	सं० 69 (संगणक) पार्टी (ज्यो० एवं श्रनु० शाखा) देहरा- दून	22 सितम्बर 1978 (पूर्वा०)
6.		प्राक मानचित्र उत्पा- दन संयंत्र, हैदरा- बाद	25 सितम्बर 1978(पूर्वा०)
7.	श्री बलराम सिंह श्राफ्टसमैन डीवीजन सिले० ग्रेड	सं० ६ ग्रारेखण कार्यालय (उ० स०) देहरादून	3 श्रक्तूबर, 1978(पूर्वा०)

#### दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० गों० 5431/718-ए०--श्री वां खुमा, स्थानापन्न कार्यालय ग्रधीक्षक (सीनीयर स्केल) सर्वेक्षण प्रशिक्षण एवं मानचित्र उत्पादन केन्द्र को श्री एच० डी० चक्रवर्ती, स्थापना एवं लेखा ग्रधिकारी, जो 30 जून 78 (ग्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हो चुके हैं, के स्थान पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में 840/- रु० प्रति माह सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद में 1 जुलाई, 78 (पूर्वाह्न) से तदर्थ ग्राधार पर स्थानापना एवं लेखा ग्रधिकारी (सा० के० से० ग्रुप 'बी०') के पद पर स्थानापन रूप लेखा ग्रधिकारी (सा० के० से० ग्रुप 'बी०') के पद पर स्थानापन रूप ने नियुक्त किया जाता है।

के० एत० खोसला मेजर-जनरल भारत के महासर्वेक्षक

## विज्ञापन श्रौर दृश्य प्रचार निदेशालय सूचना श्रौर प्रसारण मंत्रालय नई दिल्ली-110001, दिनांक 6 नवम्बर 1978

सं० ए०-38013/1/78-स्था०—- ग्रिधिवार्षिकी श्रायु के हो जाने पर, विज्ञापन और दृष्य प्रचार निदेशालय के एच० वी० भट्टाचार्या, सहायक मुद्रण प्रबन्ध (मुद्रित प्रचार) 30 सितम्बर, 1978 के श्रपराह्म को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

ग्रार० के० देवासर उप निदेशक (प्रशासन) कृते विभापन ग्रौर दृश्य प्रचार निदेशालय

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

### नई दिल्ली, दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० ए०-31013/4/77- (ए० श्राई० श्राई० पी० एम० श्रार०)/प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री जी० टी० मत्ता को 10 श्रगस्त, 1976 से श्रिखल भारतीय भौतिक चिकित्सा तथा पुनर्वास संस्थान, बम्बई में व्यावसायिक मार्गदर्शन विभाग के चीफ के पद पर स्थाई श्रीधार पर नियुक्त किया है।

#### दिनांक 10 नवम्बर 1978

सं० ए० 12026/24/78-ए० श्राई० श्राई० एच पी० एघ० प्र०-I—राष्ट्रपति ने डा० सुशील सिंह श्रीवास्तव को भारतीय सांख्यकीय सेवा के ग्रेड-। के पव पर नियुक्त किया है तथा उन्हें 12 श्रक्टूबर, 1978 के पूर्वीह्म से श्रागामी श्रादेशों तक अखिल भारतीय स्वस्थ्य विज्ञान तथा जन-स्वास्थ्य संस्थान, कलकता में सांख्यकीय के प्रोफेसर के पद पर श्रस्थाई श्राधार पर तैनात किया है।

शाम लाल कुठियासा उप निदेशक प्रशासन

# कृषि एवं सिचाई मंत्रालय ग्रामीण विकास विभाग विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1978

सं० फा० 4-6(100)/78-प्र०-III—श्री स्रार० एम० पराटे, स्थानापन्न सहायक विपणन स्रधिकारी को विदेश सेवा की तरह भारत का राज्य व्यापार निगम, मर्यादित में उप विपणन प्रबन्धक (वर्ग-II) के पद का कार्याभार ग्रहण करने के लिए दिनांक 6-2-78 के पूर्वाह्म में इस निदेशालय में बम्बई में उन्हें पदभार से मुक्त किया गया है।

#### दिनांक 9 नवम्बर 1978

सं० ए० 19023/4/78-प्र०III—विषणन श्रिधकारी (वर्ग I) के पद पर निम्नलिखित श्रिधकारियों की श्रत्पकालीन नियुक्ति को दिनांक 31-12-78 तक या जब तक नियमित प्रवन्ध किए जाते हैं, बोनों में से जो भी पहले षटित हो, बढ़ाया गया है:—

- 1. श्री एस० बी० चक्रवर्ती
- 2. श्री एस० बी० क्रष्णमूर्ति
- 3. श्री श्रार० वी० कुरुप
- 4. श्री के० सूर्यनारायण
- 5. श्री एस० पी भसीन
- 6. श्री ए० सी० गुडन
- श्री भ्रार० नरसिम्हन
- 8. श्री एम० चक्रवर्ती।

सं० ए० 19024/5/78-प्र० III — मुख्य रसायनज्ञ के पद पर श्री चन्द्र प्रकाश की ग्रल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक 31-12-78 तक या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है।

सं० ए० 19024/9/78-प्र०Шी—मुख्य रसायनज्ञ के पद पर श्री ए० ए० एस० प्रकाश राज की श्रल्पकालीन नियुक्ति को दिनोक 31-12-78 लक, या जबलक पद नियमित श्राधार पर भरा जाता है, बोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है।

सं० ए० 19025/65/78-प्र०-III—सहायक विपणन ग्रिधिकारी (वर्ग-I) के पद पर निम्नलिखित ग्रिधिकारियों की ग्रल्पकालीन नियुक्ति को विनोक 31-12-78 तक, या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है।

- सर्व श्री:—
- 1. राम शब्द सिंह
- 2. बी० एन० के० सिन्हा
- 3. नन्दलाल सिंह
- 4. ए० एन० राव
- 5. भ्रार० वी० एस० यादव
- 6. एम० पी० सिंह
- 7. डी० पी० सिंह
- 8. एच० एन० राय
- 9. डी० एन० राव
- 10. एस० पी० शिन्दे
- 11. भार० सी० मुंशी
- 12. के० के० तिवारी
- 13. एस० के० मलिक
- 14. एस० डी० कथलकर
- 15. आर० के० पान्डे
- 16. एम० जे० मोहन राव
- 17. कें ० के ० सिरोही
- 18. श्रीमती श्रनुसूय्या शिवराजन
- 19. श्री वी० ई० इडियन
- 20. एस० पी० सक्सेना
- 21. एन० जी० शुक्ला
- 22. श्रार० सी० सिघल
- 23. एच० एन० शुक्ला
- 24. कें जी बाघ
- 25. एस० टी० रजा
- 26. के० सूर्यनारायणन मुर्ति

बी० एल० मनिहार निदेशक, प्रशासन कृते क्वांप विपणन सलाहकार

## भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 10 नवम्बर 1978

सं० एम०/881/एम० ई० डी०/स्थापना-4/10390— नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्रीमती रोशन बरजोर मिस्री, एक स्थाई सिस्टर एवं स्थानापन्न ईसहायक मेट्रन को, इसी अनुसंधान केन्द्र में दिनांक 23 श्रक्टूबर, 1978 से 22 नवस्बर, 1978 तक श्रीमती टी० श्रार० वलसंगकर मेट्रन की जगह पर जो अस्पताली श्रबन्ध के तेईसवें पाठ्य-क्रम में उपस्थित होने के लिए दिल्ली भेजी गई हैं, स्थानापन्न मेट्रन के तौर पर नियुक्त करते हैं।

> राम लाल बता उप स्थापना मधिकारी

## परमाणु कर्जा विभाग परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, विनांक 7 नवम्बर 1978

सं० प० ख० प्र०-1/10/77-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निवेशक परमाणु खनिज प्रभाग के निवेशक परमाणु खनिज प्रभाग के सहायक श्री लक्ष्मी नारायण को इसी प्रभाग में दिनांक 27-9-78 से 7-11-1978 तक के लिए श्री जें० श्रार० गुप्ता, सहायक कार्मिक ग्रीधकारी, जो कि प्रशिक्षण हेतु गए थे, के स्थान पर पूर्णतः श्रस्थायी पद पर, सहायक कार्मिक ग्रीधकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० वाई० गोखले वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा श्रिधिकारी

#### भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनक 13 नवम्बर 1978

सं भाषाप/ 1/क-9/5200—श्री मारुति मंगेश कसबेकर, भाषा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक लेखा श्रधिकारी तथा भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) के स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी II, सेवा निवृत्ति की श्रायु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 31 जुलाई, 1978 (श्रपराह्म) को सेवा निवृत्त कर विष् गए हैं।

आर० सी० कोटियनकर वरिष्ठ प्रशासन ग्रधिकारी

## ग्रन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560025 दिनांक 2 नवम्बर 1978

सं 0 10/3(44)/78-सिं ०ई०प्र०(मु०) — प्रन्ति रिक्षा में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य प्रभियन्ता सिमल-माडू सरकार के लोक निर्माण विभाग के सहायक इंजीनियर श्री ए० लक्ष्मणा राजा को श्रन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी भाग में प्रतिनियुक्ति पर इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 11 श्रगस्त, 1978 के पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेण तक नियुक्त करते हैं।

> पी० श्राई० यू० नम्बियार प्रशासनिक श्रधिकारी-II **कृते** मुख्य श्रभियन्ता

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 24 अक्तूबर 1978

सं० ए० 32013/4/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्निलिखित दो सहायक संचार श्रधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास के लिए श्रथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक जो भी पहले हो, तदर्थ श्राधार पर संचार श्रधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है तथा प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन परतैनात किया है:—

ऋ० नाम सं०	मौजूदा तैनाती स्टेशन	स्टेशन जिस पर तैनात किया गया	कार्यभार संभालने की सारीख
1. श्री म्रार० के०	वै० सं० स्टे-	वै० सं० स्टे-	22-6-78
मुखर्जी	शन, कलकत्ता	शन, कलकत्ता	(पूर्वाह्न)
2. श्री एफ० जे०	वै० सं० स्टे-		22-6-78
रोड्रिग्स	शन, मद्रास		(पूर्वाह्न)

सं० ए० 32013/14/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने महा-निदेशक नागर विमानन कार्यालय (मुख्यालय) के सहायक निदेशक संचार, श्री बी० ग्रार० चतुर्वेदी को जो तदर्थं ग्राधार पर कार्यरत हैं, दिनांक 4-9-1978 (पूर्वाह्न) से उपनिदेशक/नियंत्रक संचार के ग्रेड में नियमित ग्राधार पर नियुक्त किया है ग्रौर उन्हें उसी कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० 38012/1/77-ई० सी०---निवर्तन भ्रायु प्राप्त कर लेने पर श्री जे० एन० गंगुली, सहायक तकनीकी भ्रधिकारी, नियंद्रक संचार का कार्यालय, वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 28-2-1978 को भ्रपने पद्य का कार्यभार त्याम दिया है।

## दिनांक 25 श्रक्तूबर 1978

सं० ए० 32013/11/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एस० वेंकटेश्वरन, तकनीकी ग्रधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई को दिनांक 31-7-1978 (पूर्वाह्न) से नियमित ग्राधार पर वरिष्ठ तकनीकी श्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया है ग्रौर उन्हें क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई के कार्यालय में तैनात किया है।

सत्य देव शर्मा, इप निदेशक प्रशासन केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमाणुल्क समाहर्तालय कानपुर, दिनांक 1 नथम्बर 1978

सं० 28/78—श्री रिमन्दर सिंह, निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, प्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग-ख, वेतनमान रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200, के पद पर प्रपनी पदोन्नति के फलस्वरूप—देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 11-22-ई० टी०/78/44 दिनांक 9-1-1978 के प्रन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना ग्रादेश सं० 1/ए०/4/1978 दिनांक 9-1-1978 प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (सतर्कता) कानपुर के पद का कार्यभार दिनांक 2-2-1978 (पूर्वाह्न) ग्रहण किया।

सं० 40/78—इस कार्यालय के पत्न संख्या 11-22-स्था०/78/27369 दिनांक 1-6-78 तथा उसी संख्या के 35862 दिनांक 21-7-78 के भ्रन्तगंत निर्गत श्रादेश संख्या 1/ए०/149/78 दिनांक 1-6-78 तथा 1/ए०/212/78 दिनांक 19-7-78 के फलस्वरूप श्री सुरेन्द्र कुमार गढौक, श्रधीक्षक वर्ग 'खं ने उप समाहर्ता, मेरठ के कार्यालय का कार्यभार दिनांक 3-8-78 (ग्रपराह्न) को श्री छी० एन० भाटिया, 'ग्रधीक्षक को सौंपकर दिनांक 8-8-78 पूर्वाह्न को सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मेरठ प्रखण्ड में कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० 44/78—श्री रघुबर दयाल, स्थानापक्ष, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क ग्रधीक्षक वर्ग 'ख' एम श्रो० ग्रार० II फुरुखाबाद के पद का कार्यभार दिनांक 31-10-78 (ग्रपराह्म) को श्री पी० एस० तिवारी, ग्रधीक्षक वर्ग 'ख' फुरुखाबाद को सौंप विया श्रौर श्रधिवार्षिता की श्रायु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से दिनांक 31-8-78 (ग्रपराह्म) को सेवा निवृत्त हो गए।

सं० 45/78—श्री एच० पी० पान्डेय, स्थापना श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग 'ख' कानपुर II प्रखण्ड ने श्रधीक्षक (प्राविधिक) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रखण्ड II के पद का कार्यभार दिनांक 30-9-78 (अपराह्न) को श्री श्रार० एन० लाल, श्रधीक्षक प्रखण्ड II श्रीर श्रधिवार्षिता की स्रायु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से दिनांक 30-9-78 (श्रपराह्न) को सेवा निकृत्त हो गए।

के० एल० रेखी, समाहर्ता

## नौवहन भ्रौर परिवहन मंत्रालय नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 10 नवम्बर 1978

सं० 25-प्रशासन (1)/78—संघ लोक सेवा म्रायोग की सिफारिश पर नौबहन महानिदेशक एतद्द्वारा इसी निदेशालय के स्थानापन्न प्रधीक्षक श्री के० एस० बुटानी को तारीख 25 म्रक्तूबर, 1978 (पूर्वाह्म) से ग्रगले श्रादेशों तक कार्यकारी प्रधिकारी/फैट इन्वेस्टिगेटिंग म्रफसर के रूप में श्रस्थायी तौर पर नियुक्त करते हैं।

एस० एम० श्रोबराय, उप महानिदेशक

### केन्द्रीय जल श्रायोग

### नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1978

सं० ए०-32014/1/77-प्रशा० 5(खण्ड 2)—विभागीय पद्योन्नति समिति (श्रेणी ख) की सिफारिशों के श्राधार पर, श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग, इस समय तदर्थ श्राधार पर कार्य कर रहे निम्नलिखित सहायक इंजीनियरों को उसी ग्रेंड के ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में उनके सामने दी गई तारीख से, नियमित रूप में नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	श्रधिकारी का नाम	नियमित पदोन्नति की तारीख
1.	श्री बी० श्रीनिवासचारलू	14-1-1978
2.	श्री द्यार० के० भावल	(भ्रपराह्न) 9-6-1978 (पूर्वाह्न)

 उपर्युक्त अधिकारी उनके सामने दी गई तारीख से दो वर्ष तक की श्रवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

#### दिनांक 4 नवम्बर 1978

सं० ए०-19012/744/78-एडमि० -प्रणा०-पाच--विभागीय पदोन्नित समिति (ग्रुप बी०) की सिफारिण पर प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग, श्री मेंहबूब श्रली, श्रीभकल्प सहायक/पर्यवेक्षक को श्रतिरिक्त सहायक निदेणक/सहायक श्रीभयंता के रूप में पूर्णतया तदर्थ श्राधार पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में 25-9-78 की पूर्वाह्म से 6 महीने की श्रवधि के लिए श्रथवा जब तक यह पद नियमित श्राधार पर नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

2. श्री मेहबूब धली की नियुक्ति पूर्णतया तदर्थ एवं अस्थाई आधार पर है तथा इस प्रकार की गई सेवा के श्राधार पर वे पदोन्नति श्रथवा वरिष्ठता के दावेदार नहीं होंगे।

#### दिनांक 9 नवम्बर 1978

सं० क०-19012/4/72-प्रणा०-पांच-- सेवानिवृति की आयप्राप्त करने के फलस्वरूप श्री पी० एन० सेठी ने 31 श्रक्तुबर, 1978 के श्रपराह्म से केन्द्रीय जल श्रायोग में श्रतिरिक्त सहायक निवेशक पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

ग्रवर सचिव जे० के० साहा,

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड फरीदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1978 सं० 3-310/73-ईस्ट०(इ०)—श्री पी० एस० तहीम दिनांक 25-9-1978 (पूर्वाह्म) से सहायक प्रभियन्ता के पद पर श्रस्थाई तौर से केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड, श्रहमदाबाद में नियुक्त किया जाता है।

> ग्रजीत सिंह, मुख्य ग्रभियन्ता एवम सदस्य

## केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण

नई विल्ली, 110022, दिनांक 9 नवम्बर 1978

सं० 6/11/78-2-—ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण एतद्द्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में श्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक ग्रिभियंता के ग्रेड में उनके नामों के सामने दी गई तिथियों से ग्रन्थ ग्रादेश होने तक स्थानापन्न तौंर पर नियक्त करते हैं:---

- श्री ए० एच० कुलकर्णी—26 सितम्बर, 1978 (श्रपराह्न) ।
- श्री एम० वी० एस० राजेश्वर राव—26 सितम्बर,
   1978 (ध्रपराह्म) ।
  - श्री एम० जी० गुप्ता--4 ग्रक्तूबर, 1978 (ग्रपराह्म) ।
     संतोष विश्वास,
     श्रवर सिवय

## विधि, त्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी श्रधिनियम, 1956 ग्लोब एक्सपोर्ट प्रमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1978

सं० 1425 टी० (560) कम्पनी स्विधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के श्रवसान पर ग्लोब एक्सपोर्ट प्रमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिया जायगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जायगी।

वि० एस० राजु, कम्पनियों का रेजिस्ट्रार, म्रान्घ्र प्रदेश हैदराबाद ।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 भ्रौर जूयल चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलीर, दिनांक 7 नवम्बर 1978

सं० 1815/560/78—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जूयल चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणत

न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 और चांमुंडेश्वरी स्नाईल्स एण्ड प्रोटीनस एक्साट्राकइनस लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 7 नवम्बर 1978

सं० 2767/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर चामुंडेण्वरी आईल्स श्रंड प्रोटीन एक्साट्रकइनस लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> एस० एन० गुहा कम्पनियों का रजिस्ट्रार कर्नाटक ।

ग्रहमदाबाद 380009, दिनांक 9 नवम्बर 1978 कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 445(2) के श्राधीन सूचना :

मैसर्स ग्रमुल ट्रान्समीशन प्राईवेट लिमिटेड लाइन्स हार्डवेयरज लिमिटेड के विषय में

1303/लीक्वीडेशन कम्पनी श्ररजी नं० 53/1976 में श्रहमवाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 1-9-1978 के श्रादेश बारा मैसर्स श्रमूल ट्रान्समीशन लाइन्स हार्डवेयर प्राईवेट लिमिटेड का परिसमापन का श्रादेश दिया गया है।

> जे० गो० गाथा, प्रमंडल पंजीयक, गुजरात

कार्यालय म्रायकर श्रपील श्रधिकरण बम्बई-400020, दिनांक 6 नवम्बर 1978

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए०टी०)/78 भाग II—श्री धार० के० घोष, स्थानापन्न सहायक अधीक्षक, आयकर अपील अधिकरण, वम्बई न्यायपीठ, बम्बई जिन्हें तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, जयपुर न्यायपीठ, जयपुर में तीन महीने के लिए अर्थात् दिनांक 18-8-78 से 15-11-78 तक स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गयी थी, देखिए। इस मंत्रालय के दिनांक 22-8-1978 की अधिसूचना अभांक एफ० 48-ए० डी० (ए०टी०)/78 भाग II, को उसी क्षमता में तदर्थ आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, जयपुर न्यायपीठ, जयपुर में और तीन महीने के लिए अर्थात् 18-11-1978 से 28-2-1978 तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं 2—356 GI/78

हो जाती, जो भी शी झतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की श्रनुमति दी जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है श्रौर यह श्री श्रार० के० घोष को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा प्रदान नहीं करेगी श्रौर उनके द्वारा तदर्थ श्राधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के श्रभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायगी श्रौर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पावता ही प्रदान करेगी।

पी० डी० माथूर, ग्रध्यक्ष

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1978

#### श्रायकर

सं० जूरि०-दिल्ली/1/78-79/27580—आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 125 ए० की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर जारी पहले की श्रिधिसूचनाश्रों में आंशिक संशोधन करते हुए श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-1 निदेश देते हैं कि आयकर श्रिधकारी कम्पनी सर्किल 2० नई दिल्ली को किसी क्षेत्र या व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्गों या श्राय या आय के वर्गों या मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में प्रदान की गई या सोंपी गई किसी भी या सभी शक्तियों या कार्यों का प्रयोग या निष्पादन समयावर्ती रूप से निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, रेंज 1 ई० करेंगे।

2. ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-1, कार्य निष्पादन की सुविधा के लिए निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त रेंज-1 ई को ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 125 ए० की उपधारा (2) में ग्रिवेक्षित श्रादेशों को भी पास करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

यह श्रधिसूचना 4-11-1978 से लागू होगी।

सं० जूरि-दिल्ली/1/78-79/27711—स्प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिन्तयों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी मिन्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के सभी भ्रादेशों में संगोधन करते हुए यायकर भ्रायुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई श्रनुसूची के कलम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक भ्रायकर भ्रायकर अधिकारियों के श्राधकार क्षेत्र में श्राने वाले क्षत्रों या व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों या भ्राय या भ्राय के वर्गों का मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में उक्त भ्रधिनयम के भ्रन्तर्गत निरीक्षीय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त के सभी कार्य निष्पा-दित करेंगे :—

ग्र <b>न्</b>	ît .	1	2
<u></u> -रेंज <sub>़</sub>	—————————————————————————————————————	निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त रेंज-1-डी, नई दिल्ली	<ol> <li>कम्पनी सकिल 2, 7,</li> <li>10, 14, 15 तथा 19,</li> <li>नई दिल्ली।</li> </ol>
(1)	(2)		<ol> <li>स्पमल सर्किल 15, नई दिल्ली ।</li> </ol>
निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त रेंज 1-ए०, नई दिल्ली	1. कम्पनी सर्किल 3, 12, 13, 16 तथा 23 नई	निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायूक्त रेंज-1-ई, नई दिल्ली :	<ol> <li>कम्पनी सिकल 20, नई दिल्ली ।</li> </ol>
	दिल्ली ।	। यह श्रधिसूचना 4-11-19	3 से लागू होगी ।
	<ol> <li>चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स सर्किल, नई दिल्ली ।</li> </ol>		क० न० बूटानी, श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-1

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रोंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 सितम्बर, 1978

निदेश स० ध्र० ई० 3/1635-2/78-79:—-ध्रतः मुझे, वी० के० सुक्षामणियन,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी स० सर्वे न० 1 ए० (भाग), 21 ए है तथा जो गुन्डवली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 27-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रमीत् :— श्री प्रागजी जमनादास दोसा, 2. परमानंद जमनादास दोसा 3. श्रानदजी जमनादास दोसा, द्वारा, गोकलदास दोसा एड क०, पूर्व श्रीर पिचम इंसोरेन्स कं० विल्डिंग, श्रपोलो स्ट्रीट, बम्बई-23।

(ऋन्तरक)

2. बम्बई पैक्सवेल प्रा० लि०, मेंटलज इंडस्ट्रीज कंपाउंड सुभाष रोड़, जोगेश्वरी (पूर्व), बम्बई-60.

---यथोपरि---

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी अ्थिनतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### श्रनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, वाड़ियों पैतृक धरों व परिसरों सहित, जो माप से 6727.1 वर्गमीटर या उसके लगभग है, और इस पर डिवीजन का सी० टी० एस० नं० 73 व 217 है, जो सर्वे नं० 1-ए (श्रंण) एस० नं० 21-ए

हिस्सा नं० 3 ग्रंश ग्रौर सर्वे नं० 99-डी० ग्रंश, वाली जमीनों

के बड़े टुकड़ों या भागों में से हैं, ग्रीर ये सब गुन्डवली गांव, ग्रिधेरी (पूर्व) के हैं, जो ग्रब वृहत बबई में बम्बई नगर के रजिस्ट्री उप-जिले ग्रीर बंबई उप-नगर जिले में हैं।

> बी० के० सुक्रामणियन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण**)**, ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

सोरीखा: 18-9-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----
प्रायकर भिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष(1) के भिर्मीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धारवाड़-580004, दिनांक 23 श्रक्तूबर, 1978

निदेश स० 239/78-79/म्रर्जनः--यतः, मुझे, डि॰ सि॰ राजागोपालन,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी स० रिवेनु रिकार्डस न० 2544 है, जो रेया गांव तिसल ग्रीर जिला साकसेट गोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपबाद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मारगांव ग्रंडर डाकुमेंट नं० 355 दि० 16-3-78 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: भ्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्राधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धार्थात्:—

- श्री लिडियो निवगस्टन बेरिलो डायियादादे मेनेजर्स श्रीमति डुकसे फलीमेना डो० रोजा रयोरिंगों मेनेजस, प्रेसि मकान, तल मचला फोटेंनडास पनिज गोवा।
  - (श्रन्तरक)
- 2. श्री 1. मोरटो पुंडलिका नाईक, (2) राजन मोरटो नाईक, (3) साजन मोरटो नाईक, घर नं० 203 रेथा गांव, मारगांव तसिल।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी
श्रवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्रास्थी 'रेचो श्रम्बोर' के नाम से जाना जाता है। रेया गांव के यहां है। मारगांव-पांडा के मार्ग पर है। इसका श्राधा भाग एकत जगा एक मकान के साथ 6614 स्कोर मीटर्स है।

> डि० सि० राजगोपालन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, धारवाङ्

तारीख: 23-10-1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, लुधियाना

लखनऊ, दिनांक 7 श्रक्तूबर, 1978

भायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से भिधक है

श्रौर जिसकी स० 171/1 है तथा जो बाजार झाऊ लाल (ग्रार के० टन्डन रोड़) लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से भिष्ठक है और अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनयम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रव, उक्त मधिनियम की धारा 269-म के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

- श्री जगदीश कुमार भागवा एडवोकेट व प्रन्य। (श्रन्तरक)
- श्री मोहन लाल पाहाबा व (ग्रन्य) । (ग्रन्तरिती)
- ग्रन्तरक (फार्म 367-जी० के ग्रनुसार ।
   (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
  भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के ग्राष्ट्रयाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रार्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अमुसुची

भवन एक मजिला संख्या 171/1 बाजार झाऊ लाल (ग्रार० के० टण्डन रोड़) लखनऊ जिसमें बना हुग्रा भाग 3000 वर्ग फिट है व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेल डीड व फार्म 37-जी० में विणित है जो कि सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 28-3-78 को दर्ज है।

> श्रमर सिंह बिसेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 7−10-1978.

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1, दिल्ली -1

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर, 1978

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० ग्रार०—III/397/ मार्च-95/78—79:—म्प्रतः मुझे, जे . एस० गिल,

आपकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० ग्रौर जिसकी सं० ई०-448 है तथा जो ग्रेटर के लाण-धि, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 31-3-1978.

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, भौर धन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रम्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की सारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती मोहिनी शर्मा, पत्नी श्री बिशम्बर नाथ शर्मा, निवासी सी०-4/8, माडल टाउन, दिल्ली। लेकिन श्रब जी०-8, पौलिस लाईन्स, किंगजवै कैंम्प, दिल्ली इनके श्रटारनी श्री जगत इन्द्र प्रकाश केंद्वारा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री हरजीन्द्र सिंह सुपुत्र श्री मोहन सिंह निवासी 52/ 42, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं] वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका न ० ई०-448 है ग्रीर क्षेत्रफल 250 वर्ग गज है, निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली के बाहपुर गांव, दिल्ली नगर निगम की सीमा के श्रन्तर्गत निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व : मकान नं० ई०-446 पश्चिम : मकान नं० ई-450

उत्तर : रोड़ दक्षिण : सर्विस लेन

जे० एस० गिल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 23 भ्रम्तूबर, 1978

प्रक्ष प्राई० टी० एन • एस० — — आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रर्जन रेंज I, दिल्ली-1
नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1978

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से प्रधिक है और जिसकी सं० सी०-10 है तथा जो कनाट पलैस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृथ्यमान प्रतिफल का पख्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर बेने के भ्रम्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या मन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या घन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उम्त अधिनियम की घारा 269-ग के शनुसरण में, मैं, उनत श्रिधिनियम की घारा 269-च की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित भ्यक्तियों, प्रशीत्:—

- श्री जोगीन्द्र सिंह सन्ध् (करता तथा मैंनेजर एच० यू० एफ० के), सुपुत्र श्री श्रार० बी० एस० बक्खा, निवासी ई-10 ए, डिफैन्स कालीनी, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री श्रोम दत्त, सुपुत श्री श्रमर नाथ (2) श्री योग दत्त, सुपुत श्री श्रमर नाथ (3) श्री सुरीन्द्र कुमार, सुपुत्र श्री श्रमर नाथ, सभी निवासी श्रार-671, न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीर .--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उक्त अधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही मधं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक दुकान जिसका नं० 8 सी-1/2 (मुन्यसिपल नं० 10-सी तथा बरसाती फ्लौर जोकि प्रेम हाउस में से है), ब्लाक नं० 'सी' कनाट पलैंस, नई दिल्ली में है। इस दुकान का क्षेत्रफल 295 वर्ग गज है तथा निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्वः ग्रन्यकीजायदादः।

पश्चिम : रोड ।

उत्तर : ग्रन्य की जायदाद। दक्षिण : ग्रन्थ की जायदाद।

> जे० एस० गिल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज [, नई दिल्ली-1

तारीख: 7 नवम्बर, 1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०————— भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1978

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/ 1/एस० श्रार० –III/375/मार्च-59/78-79—श्रतः, मुझे, जे० एस० गिल,

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपय से श्रधिक है

ग्रौर जसकी सं दुकान नं ० सी-2 तथा सी-3 है तथा जो कनाट पलेंस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातः —

- 1. श्री जोगिन्द्र सिंह सन्धू (मैनेजर तथा कर्त्ता एच० यू० एफ० के), सुपुत्र श्री ग्रार० वी० एस० बसखा सिंह, निवासी ई-10ए, डिफैन्स कालीनी, नई दिल्ली।
  - (ग्रन्तरक)
- 2. मैं जगतजीत काटन टैक्सटाईल मिल्स लिं , थापर हाउस, 124, जनपथ, नई दिल्ली । इनके मैंनेजिंग डायरेक्टर श्री एम एम थापर तथा श्री पीं सीं विरमाणी के द्वारा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस ग्रष्टवाय में दिया गया है।

## अनुसूची

दो पक्की दुकानें जोकि लगभग 1392.87 वर्ग फुट क्षेत्रफल की है श्रौर नं ० सी-2 तथा सी-3 है (इसमें बरसाती फ्लौर जोकि प्रेम हाउस में से हैं), ब्लाक नं ० 'सी' है, कनाट पलैंस, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:——

पूर्व : खुलामैदान।

पश्चिम : रेडियल रोड़ नं० 4 ।

उत्तर : दुकान नं० सी०-1।

दक्षिण : सीढ़ियां।

जे० एस० गिल सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोज I, नई दिल्ली-1

तारीख: 7 नवम्बर, 1978

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०——— भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, दिल्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1978

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 48/172 है तथा जो जोर बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, श्रिषीत्:—— 3—356GI/78

- श्री राजीन्त्र कुमार ककरिया, सुपुत्र स्वर्गीय श्री लाभू राम ककरिया, निवासी 8, जैन मन्विर रोड़, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- मैं० रैंड रोज ईस्टेट्स प्रा० लि०, 12/48, मालचा मार्ग, डिपलोमैंटिक एनक्लैंब, नई दिल्ली । इनने मैंनेजिंग डाथरेक्टर श्री नरीन्द्र सिंह कोहली के द्वारा। (श्रन्तरिती)
- 3. श्रीबी० डी० तयाल तथा मै० हिन्दुस्तान ईवर लि०। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिमीग में सम्पत्ति है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रयं होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

## ्ग्र**नु**सूची

एक डब्ल स्टोरी मकान जोकि 375 वर्गगज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुन्ना है, जिसका नं० 48/172 है, जोर बाग नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : मकान नं० 4.7 ।

पश्चिम : मकान नं० 48-ए।

उत्तर : सर्विस लेन ।

दक्षिण : रोड़ ।

जे० एस० गिल, सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 7 नवम्बर, 1978

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰~

धायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 12 ग्रक्तुबर 1978

निदेश सं० ए० पी० 402/नवां शहर/78-79-यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्कात् 'उन्त अधिनियम' कहागया है), की धारा 269-ख के आधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ्ल्य 25,000/--च० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो राहों में स्थित है (ग्रौर इससे उपाब अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नवां शहर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के बृथ्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है, धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके बृथ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से धृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से धिक है घौर धन्तरक (धन्तरकों) घौर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखिस उद्देश्यों से उक्त धन्तरण कि खित में बास्तिक कप से क्यित महीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त ब्रिधिनियम, के ब्राबीन कर देने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भग्य भास्तियों की जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठितियम, या धन-कर भिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विधा आहान चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रचित्।—  श्री विशवा मिल्र पुत्र नन्द लाल बी०-15, मोहन मार्केट, पठानकोट।

(भ्रन्तरक)

 श्री विजय कुमार पुत्र सत पाल गांव राहों महल्ला सराफा राहों तहसील नवां गहर ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की शवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की शवधि, जो भी
  प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितब ह किसी मन्य व्यक्ति हारा, मधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्बों झीर पवों का, जो उक्त धिविसम के बन्धाय 20-क में परिभाषित है वही झर्ष होगा जो उस झक्ष्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

राहों गांव में 36 कनाल 17 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 4660 मार्च, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी नवां शहर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, भटिखा।

तारीख: 12 मन्यूबर, 1978

प्रकष गाई • टी • एन • एस •----

भायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भभीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1978

निदेश सं० ए० पी० 403/नवां शहर/78-79:---यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारच है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/• द० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो राहों में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नयां शहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाबार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है।

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भ्रिष्ठितयम के भ्रिष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या अससे बचने वें सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य भाकियों को, जिन्हें भारतीय साय-कर मिखनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत मिखनियम, या धन-कर मिखनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत्।——  श्री केवल कृष्ण, राज कुमार पुत्रान नन्द लाल गांव राहों तहसील नवां शहर जिला जलन्धर।

(भ्रन्तरक)

 श्री सुरेन्द्र मोहन, बिमल कुमार पुत्रान सत पाल गांव राहों महल्ला सराफा डाकखाना राहों तहसील नवां शहर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्ठिभोग में सम्पत्ति है)।

 जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में झधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सभ्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशम की तारीख से
  45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्वित में हितबद्ध
  किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखात में किए जा सकेंगे।

स्पब्डीकरण 1---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो 'उक्त श्रिष्ठितयम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रश्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

राहों गांव में 36 कनाल 17 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं॰ 4677 मार्च, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नवां शहर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 12 मक्तूबर, 1978

## प्रकप भाई • टी • एन • एस • ----

## ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के सबीन सुचना

#### मारत सरकार

## कार्यालय, सहायक पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 13 ग्रस्तुबर, 1978

निदेश सं० ए० पी० 404/ग्रबोहर/78-79:--यतः मुझै, पी० एन० मलिक,

आयकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्र बाजार मूस्य 25,000/- व॰ से ग्राधिक है,

भीर जिसकी से॰ जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भ्रबोहर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रम्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण बिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भौर/या
- (श्व) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनयम, या अन-कर अभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अता ग्रम, उक्त ग्रामित्यम की धारा 26 अन्य के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 26% म की उपधारा (1) के प्रभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- 1. श्री मोहन सिंह पुत्र संत सिंह पुत्र हरनाम सिंह गली नं० 21 गऊशाला रोड़, प्रबोहर तहसील फाजिल्का। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री देस राज पुत्र जेंटा राम पुत्र खुशीम्रा राम वासी गली नं० 4 नई माबादी मबोहर तहसील फाजिल्का। (मन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवड़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, महोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: --इसमें प्रगुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रंथ होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

#### अनुसूची

गौशाला रोड़ पर गली नं० 21 में मकान नं० 2330 जैसा कि विलेख नं० 2059 मार्च, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भ्रबोहर में लिखा है।

> पी० एत० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, भटिंडा

तारीख : 13-10-1978

प्रकप धाई • टी • एन • एस • —

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

🗸 श्चर्जन रेंज, भटिङा

भटिंडा, दिनांक 13 म्रक्तूबर 1978

निवेश सं० ए० पी० 405/कपूरथला/78-79:—यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उस्त प्रधिनियम' कहा गया है); की ब्राचा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो हमीरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत प्रधिक है, भीर यह कि प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित संदेषय से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रम्य ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवियम या धनत्कर धिवियम या धनत्कर धिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा ध्रकट नहीं किया वया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः सब उन्त समिमियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उन्त समिमियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के असीम निकासियत व्यक्तियों, सर्वात्।——  श्री चनन सिंह पुत्र रुड़ सिंह श्रौर ज्ञान सिंह पुत्र चनन सिंह वासी बस्ती इबराहिम खां जिला जलन्धर।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री म्रजीत सिंह पुत्र साधु सिंह बासी रेक जिला जलन्धर। (भन्तरिती)
- 3. जैसा कि न० 2 में है। (घह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब स है)।

को यह सूचना आरी सरके पूर्वोक्त सम्यत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जन्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, औ भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जासकेंगे।

इपद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शिश्वनियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है ।

## अनुसूची

हमीरा गांव में 44 कनाल 6 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख न० 7513 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> पी० एन० मिलक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, भटिंडा

तारीख: 13-10-1978

अंकप गाई• टी• एन• एस•----

भायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 13 अक्तूबर, 1978

निदेश स० ए० पी० 406/म्रजीहर/78-79:--यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- व्पए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है जो तथा ठींगा वाली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रबोहर में रेजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-फल के लिये प्रन्तरित की गई है प्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है धीर प्रन्तरक (ध्रन्तरकों) प्रोर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्चितियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (सा) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रंब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त ग्रंधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) निम्नलिखित न्यक्तियों, के अधीन ग्रंथीत् :—  श्री शयोकरन पुत्र श्री भानी राम वासी ठींगा वाली तहसील फाजिलका ।

(भ्रन्सरक)

 श्री मोहर चन्द पुत्र बस्ता राम वासी ठींगा वाली तहसील फाजिलका।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में हैं। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उच्त मधि-नियम के मध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं मर्ब होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ठींगा वाली गांव में 80 कनाल कृषि भूमि जैसाकि विलेख नं० 3077 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रबोहर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीखा: 13-10-1978

प्ररूप भाई० दी० एन• एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269भ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 13 ग्रक्तूबर, 1978

निदेश स० ए० पी० 407/मोगा/78-79:--यतः मुझे, पी०एन०मलिक,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोकरी-कलां में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख मार्च, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भिक्ष-नियम के भधीन कर देने के भ्रम्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

बत:, ग्रव, जबत प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269ग की जपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—  श्री मलकीयत सिंह पुत्र पाला सिंह वासी नत्थु वासा जदीद तहसील मोगा।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री मुखत्यार सिंह पुत्र कर्म सिंह श्रीर सुन्दर सिंह व चमकौर सिंह सुन्दर सिंह पुत्रान मुखत्यार सिंह वासी पुराने वाला तहसील मोगा।
- जैसा कि न० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविध्या तह्स बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिनियम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

कोकरी कलां गांव में 51 कनाल कृषि भूमि जैसा कि विलेख न० 7678 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी मोगा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, ृंसक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 13-10-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 13 प्रक्तूबर 1978

निदेश सं० ए० पी० 408/मुक्तसर/78-79-यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

ष्मायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो बरीवाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में तथा श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्स ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या श्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269—ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269—घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीस्:—  श्री जगन माथ पुत्र मन्द राम पुत्र शिव लाल वासी बरीवाला लहसील मुक्तसर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बसंत सिंह, ग्रजमेर सिंह, गुरबचन सिंह ग्रौर केसर सिंह पुत्रान राज सिंह द्वारा राज सिंह बसंत सिंह कपड़ा विकेता बरीवाला तहसील मुक्तसर।

(श्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है )।

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधौ हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं ग्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### **प्रनु**सूची

बरीवाला में दुकान नं० 406 जैसा कि विलेख नं० 2550 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी मुक्सर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भटिंडा

तारीख: 13 श्रक्तूबर, 1978।

प्ररूप आई० टी • एन • एस •-----

भायकर घिषियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के घिषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 13 श्रक्तूबर 1978

निवेण सं० ए० पी० 409/दसुद्या/78-79:—यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

श्रौर जिसकी स० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो उरमर में स्थित है (श्रौर इससे उपाद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप म वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दमुग्रा (दसुग्रा) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है।—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दा पिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/बा
- (ख) ऐसी किसी ग्राथ या किसी धन या ग्रंग्य ग्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु सरण में मैं, उका प्रधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीम, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, ग्रथाँत्:— 4—356 GI/78 (भ्रन्तरक)

 श्री बलराज सिंह, हरपाल सिंह, पुत्रान दर्शन सिंह गांव [फौजी कलीनी उरमर तहसील दसुग्रा।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग म सम्पत्ति है)।

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धाबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीख-ानयम के शब्दाय 20 — क में परिभाषित हैं, वही अर्थहोगा, जो उस शब्दाय में विमागया है।

#### अनुसूची

उरमर गांव में 41 कनाल 10 मरले कृषि भूमि जैसा कि , विलेख नं० 4269 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी [ दसुग्रामें लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम अ**धिकारी** सहायक श्रायकर श्रा**युक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज, भटिङा

तारीखा: 13 श्रक्तूबर, 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के यधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 13 ग्रक्तूबर 1978

निदेश सं० ए० पी० 410/ग्रबोहर/78-79—यतः मुझे, पी० एन० मिलकः,

ध्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो ग्रबोहर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय ग्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति कर उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है धीर प्रन्तरक (अन्तरकों) धीर प्रन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धायकी बाबत उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयात्:—

- श्री भजन सिंह उर्फ हरभजन सिंह पुत्र राम सिंह पुत्र नौरंग सिंह (2) सवर्ण कौर विधवा राम सिंह पुत्र नौरंग सिंह वासी ठानी चराग (ग्रबोहर)।
  - (भ्रन्तरक)
- 2. (1) श्री प्यारा सिंह, (2) कुन्दन सिंह (3) दारा सिंह पुतान लाभ सिंह पुत्र मुखा सिंह वासी अग्गृ बस्ती श्रवोहर तहसील फाजिल्का।

(श्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(बह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रघो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### प्रनुसूची

स्रबोहर में 64 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं० 2877 मार्च, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी स्रबोहर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, भटिंडा

तारीखः : 13 ग्रक्तूबर, 1978।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० ------

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 20 ग्रक्तूबर, 1978

निदेश सं० ए० पी० 411/गढ़ शंकर/78-79-यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इपए से श्रिषक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो दाता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गढ़शंकर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से घ्रधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) घोर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—-

- (का) श्रग्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भाधितियम; के अधीन कर देने के भन्तरक के वाधित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (बा) ऐसी किसी आये या किसी धन या अन्य झास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उनतं मधिनियमं की घारा 269-गं के अनुसरण में, में, उनतं प्रधिनियमं की घारा 269-मं की उपघारा (1) के प्रधीन; निम्नलिखित स्थिकतमें, प्रमात्:—  श्री महिन्द्र सिंह पुत्र निरंजन सिंह पुत्र ग्रमर चन्द गांव वक मुसा तहसील गढ़ शंकर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जसिवन्द्र सिंह पुत्र प्यारा सिंह गांव दाता, सरवन सिंह पुत्र रतन सिंह गांव महसोपुर जिला जलन्धर। (श्रन्तरिती)

3 जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजेंन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दाता गांव में 24 कनाल 17 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख न'० 3794 मार्च, 1978 रजिस्ट्री कर्ता प्रधिकारी गढ़गंकर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 20 श्रक्तूबर, 1978।

प्रकृप भाई। टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 20 श्रक्तूबर े 1978

निदेश सं० ए० पी० ं 412/निकोदर/78-79-श्रतः मुझे, पी० एन० मलिक,

न्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के न्नाधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो उग्गी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर पन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण निखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) घग्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त घितियम के घिति कर देने के घग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (बा) ऐसी किसी भाग या किसी धन या धम्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

धतः धव, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, एक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपकारा (1) मधीन, जिस्मीविदा व्यक्तियों, अर्थातः— 1. श्री बलबीर सिंह पुत्र राम सिंह पुत्र गहना सिंह गांव उग्गी सहसील नकोदर।

(भ्रन्तरक)

 श्री मलकीत सिंह पुन्न नरैन सिंह पुन्न सुन्दर सिंह वासी रहीम पुर।

(भ्रन्सरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है।

. (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में म्राधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्रत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा को उस घट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

उगी गांव में 28 कनाल 12 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 2929 मार्च, 1978 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नकोदर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 20 प्रक्तूबर, 1978।

प्ररूप माई०टी०एन०एस०----

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269 ख (1) के अभ्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्ते (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, विनांक 20 श्रक्तूबर 1978

निदेश सं० ए० पी० 413/फूल/78-79--यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

धायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त म्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रिधीन सक्षम प्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से म्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो रामपुरा फुल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फूल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धम्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्ह भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित स्पक्तियों, प्रशीत :---

- श्री मुरली धर पुत्र कांशी राम वासी रामपुरा पुल। (ग्रन्तरक)
- 2. पंजाब किसान श्राइत सैटर, रामपुरा फुल। (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
  भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यक्डीकरण: --इसमें प्रयुक्त गन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है !

#### अमुसूची

रामपुरा फुल में 425 गज का एक प्लाट जैसा कि विलेख नं० 3592 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फुल में लिखा है।

> पीं०एन०मलिक, सक्षम श्रिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भटिंडा

तारीख 20 ग्रक्तूबर 1978 मोहर: प्ररूप माई० टी० एन० एस●-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 20 अक्तूबर 1978

निदेश सं० ए० पी० 414/एस० पी० एल०/78-79--यतः, मुझे, पी० एन० मलिकः,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाक्षार मूल्य 25,000/— क्पये से प्रधिक है,

भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनसूची में लिखा है तथा जो कर्मजीत पुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सुलतान पुर लोधी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण जिखित में वास्तिवक्त कप से किथा नहीं किथा गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या प्रश्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रश्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, एक्स श्रिवियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, रक्त श्रिवियम की द्वारा 269-च की उपधारा (1) के श्रिवीन निक्नजिवित व्यक्तियों, अर्थात्—  सर्वश्री सुरजीत सिंह, बलदेव सिंह, सपुत्र तेहल सिंह सपुत्र श्री राजन्द्रि सिंह वासी करमजीत पुर तहसील: सुलतान पुर लोधी (कपूरथला)।

(भ्रन्तरक)

2. सर्वश्री रगबीर सिंह, नसीब सिंह, लखिवन्द्र सिंह सपुत्र श्री मनशा सिंह वासी कमराए तहसील : भुलथ (कपूरथला)।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में स्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिलाबद्ध है)।

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त मिनियम के मध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही मर्ब होगा जो उस भ्रध्याय में विया गया है।

#### अनुसुची

कर्मजीत गांव में 76 कनाल 15 है मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 2020 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सुलतान पुर लोधी में लिखा है।

पी० एन० मलिक; सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भटिंडा

तारीख: 20 ग्रन्तूबर, 1978

प्ररूप भाई• टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 20 श्रक्तूबर 1978

निदेश सं० ए० पी० 415/एम० एन० एस०/78—79:—यत:, मुझे,पी० एन० मिलक,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क्ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्रत बाजार मूल्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो संघा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरदुलगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों)भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखत उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिश्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उमत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उमत श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:—

- श्रीमती कृपाल कौर पुत्री लैहना सिंह गांव संघा।
   (ग्रन्तरक)
- श्री गज्जन सिंह पुत्र बग्गा सिंह पुत्र गुरचरण सिंह, बलजिन्द्र सिंह, पतिवन्द्र सिंह पुत्रान गज्जन सिंह वासी संघा।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोष्ट्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त शिधिनयम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

संघा गांव में 69 कनाल 9 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 1427, मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सरदुलगढ़ में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 20 ग्रक्तूबर, 1978

## प्रकृप शाई० टी • एन • एन • ⊶-----

मायकर मिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

### श्चर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 20 श्रक्तूबर 1978

निदेश सं० ए० पी० 416/कपूरथला/78-79:--यतः, मक्षे, पी० एन० मलिक,

मायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-छ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि घनसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध घनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 1,6) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की नायत उक्त प्रधि-नियम के भन्नीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या श्रनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः मन, उक्त भविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1--  श्री पंजाब सिंह पुत्र वसावा सिंह वासी नूर दोसां भ्रव अपूरथला।

(भ्रन्तरक)

 श्री महाराज उगर सैन राईस एराड एलाईड इन्डस्ट्रीज कपूरथला।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में झधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के घजँन के संबंध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की घषि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घषि अं भी घषि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीब से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
  हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

कपूरथला में 31 कनाल 5 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 3307 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर प्रायुक्त, (निरीक्षक), श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 20 ग्रक्तूबर, 1978।

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ----

थायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

का बोलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भटिका

भटिंडा, दिनांक 20 श्रक्तूबर 1978

निदेश सं० ए० पी० 417/एस० पी० एल०/78-79:—यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 265-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- द∙ से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनसूची में लिखा है तथा जो दीदु पुवाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सुलतानपुर लोधी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सिक हैं और मन्तरक (अन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत सन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबस उक्स भिक्षितम, के भ्रष्टीत कर देने के भन्तरक के दासिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी घन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भव उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ने, उपत अविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रमीन निम्नमिश्वित व्यक्तियों, स्वास् :--5-356 GI/78

के प्रधीन, तारीख मार्च 1978।

 श्री तेजा सिंह पुत्र सोहन सिंह पुत्र मीम्रां सिंह वासी गाँव तलवन जिला जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रेशम सिंह पुत्र चनन सिंह (2) शिगारा सिंह, सुरिन्द्र सिंह, पुत्रान सखन सिंह गांव दीपोबाल तहसील, सुलतानपुर लोधी।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूवना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअब किसी प्रन्य व्यक्ति क्वारा, स्घोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगें।

स्वाधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों सीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्य होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

दीपोबाल गांव में 89 कनाल 14 मरले कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 2023, मार्च 1978 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी सुलतान पुर लोधी में लिखा है।

> पी०एन०मलिक; सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 20 अक्तूबर 1978

प्रकप भाई०टी०एन०एस०-----

भायकर मितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 208-च (1) के बाबीन सूचना

भारत सरकार

## कार्याक्रय, सङ्घायक भायकर भावन्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 20 प्रक्तूबर 1978

निदेश सं० ए० पी० 418/मोगां/78-79:--वतः मझे, पी० एम० मलिकं,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की प्राच्य 269 का के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृह्य 25,000/- द० से प्रधिक है

मूर्य 25,000/- २० से भावक है मौर जिसकी सं० जैसा कि अनसूची में लिखा है तथा जो अर्फवाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जीरा में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1978

को वृबोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के सिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्षत से मधिक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) भौर भन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण सिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) सन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त धर्धिनियम, के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए भौर/या
- (चा) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रम्य प्रास्तियों को, जिन्हें घारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त धिधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं; उक्त धिधिनियम की धारा 269-व की उपभ्रारा (1) के मधीन किकालिबात व्यक्तियों, धर्वात्:---

- श्री भ्रासो श्रीर लसो पत्नी निहाल सिंह वासी गांव मलां वाली तहसील जीरा। (श्रन्तरक)
- 2. श्री गुरबचन सिंह, दलीप सिंह ग्रीर मोहिन्द्र सिंह सपुत श्री निहाल सिंह गांव मलांवाली तहसील, जीरा। (भ्रन्सरिती)
- 3 जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
   (यह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
   में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकालन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्धों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिश्वित्यम के ग्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रष्टमाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

गांव ग्रर्फवाला में 75 कनाल 6 मरले कृषि भूमि श्रौर 37 कनाल 1 मरले गांव मलां वाली जैसा कि विलेख नं ० 6025, मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जीरा में लिखा है।

पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 20 मन्त्वर 1978

## प्रकष मार्ड+ टी॰ एन+ एस+-

भायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 म (1) के ब्राधीन सूचना

#### नारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आकृत्त (निरीक्सफ)

धर्णन रेज, भटिडा

भटिंडा, दिनांक 20 ग्रक्तूबर 1978

निदेश सं० ए० पी० 419/एस० पी० एल०/78-79-यतः मुझे, पी० एन० मलिक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खा के ग्रंग्रीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो तलवण्डी

में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सुलतान पुर लोधी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन,

सारीख मार्च 1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रम्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर प्रन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण शिक्षित में बास्तविक रूप से कवित नक्कीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय भी बाबत उक्त अधिनियम, में प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविका के लिए; मौर/या
- (ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मन्सरण में, मै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की खपभारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः--

1. श्री रेहमा सपुत्र श्री बीरु वासी गांव हुसैन दुलो वाल तहसील सुलतान पुर लोधी (कपूरथला)।

(भ्रन्तरक)

 (1) श्री दलीप सिंह (2) मृरचरण सिंह और करनैल सिंह सपुत्र श्री खुशहाल सिंह वासी गांव तलवण्डी।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में) सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के आर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप। ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की **भवधि,** जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उकत घष्टिनियम के घष्ट्याय 20-क में परिभाचित हैं, बही धर्य होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

तसवण्डी गांव में 56 कनाल कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 1893 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, सुलतान पूर लोधी में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, भटिंडा

**तारीख: 20-10-1978** 

मोहरः

प्ररूप भाई० टी∙ एन० एस०--

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 20 श्रक्तूबर 1978

निदेश सं० ए० पी० 420/हुशियारपुर/78-79--यतः, मुझे,पी०एन०मलिक,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इपए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो हजाम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हुणियारपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर यह कि धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रिष्ठित्यम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के . वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या घन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—  श्री रोशन लाल पुत्र हरी जन्द पुत्र हुकमी (2) विजय कुमार, भगवान दास पुत्रान रोशन लाल गांव हजाम जिला हुशियारपुर ।

(ध्रन्तरक)

2. श्री महिन्त्र सिंह पुत्र बंता सिंह पुत्र ग्रतर सिंह गांव कंधाला जट्टा जिला हुशियारपुर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्राधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त, होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ता में हिसबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भिक्तियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### भ्रमुसूची

हजाम गांव में 48 कनाल जभीन जैसा कि विलेख नं० 4194 मार्च 1978 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हुणियारपुर में लिखा है।

> पी० एनं० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भटिंडा

तारीख: 20-10-1978

प्रकप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

## म्पर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 30 ग्रक्तूबर 1978]

निदेश सं० ए० पी० 421/ए बीएच/78-79-यतः मुझे, पी०एन०मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इपए से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फाजिल्का में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख गार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से प्रधिक है और श्रम्तरक (मन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (भग्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भग्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः प्रव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपचारा (1) के धधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्:— 1. श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री नन्द लाल फाजिल्का भीर अन्जु रानी पत्नी कृष्ण कुमार फाजिल्का।

(मन्तरक)

 श्रीमती दुर्गा देवी विधवा करतार सिंह, श्रमरजीत कौर पत्नी श्रवतार सिंह मकान नं० 530 गली संतोख सिंह कचहरी रोड़, फाजिल्का।

(भन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबद्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (आ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ भ्यक्ति द्वारा, घन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण :---इसमें अयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितियम के भव्याय 20क में परिभावित है, वही भर्ष होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

कचहरी रोड़ फाजिल्का पर मकान नं० 530 गली संतोख सिंह जैसा कि विलेख नं० 3931 मार्च 1978 में लिखा है रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फाजिल्का।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक <mark>भ्रायकर श्रायु<del>क्</del>स, (निरीक्षण)</mark> भ्रजैन रेंज, भटि<del>श</del>ा

तारीख: 30~10-1978

प्ररूप पाई• टी• एन॰ एस॰---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, विनांक 3 नवम्बर 1978

निवेश सं० ए० पी० 422/एच एस भ्रार/78--79 :----यत: मुझे, पी० एन० मलिक,

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से घधिक है

भौर जिसकी सं ० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो हुशियारपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हुशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कूट्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्डह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की वावत उक्स अखिनियम के अधीन कर देने के झक्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य भास्तियों की, जिम्हें भारतीय भायकर भिन्नित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिन्नित्यम, या धन-कर भिन्नित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रव, उत्तर ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रन्-सरण में, में, उत्तर श्रिधिनियम की घारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; नर्वात्।—— 1. श्रीमती गुरबचन कौर विधवा रुलीया राम पुत्र ईश्वर दास द्वारा डा॰ बलकार सिंह 266 हाऊसिंग कालोनी, करनाल ।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री कृष्ण गोपाल हांडा (रिटाइरड तहसीलदार) द्वारा वी० बी० हांडा एडवोकेट लाजपत राय रोड़, हुशियारपुर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में झघी-हस्ताक्षरी जानता कि है वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के ग्रर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविद्य या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहक्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं बही शर्य होगा को उस शब्दाय में दिया गया है।

## प्रमुस्ची

किशन नगर हुशियार में मकान नं० 247 जैसा कि विलेख नं० 4562 मार्च 1978 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हुशियारपुर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज, भटिंडा

तारीख: 3-11-1978

प्ररूप आई टी एन एस—

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 3 नवम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 423/हुशियारपुर/78—79——यत: मुझे,पी०एन०मलिक,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'तकत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधक है

भीर जिसकी सं जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो हुशियारपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हुशियारपुर में में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, सारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के किए प्रम्तिति की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर प्रम्तरक (प्रान्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरका के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रंग्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रश्नीन कर देने के ग्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए) भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भतः प्रवः उक्त अभिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निमानितित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री चरणजीत सिंह पुत्र दीवान सिंह 59 माडल टाऊन, हुशियारपुर ।

(भ्रन्तरक)

- श्री पृथ्वी नाथ प्रागर पुत्र अमर नाथ प्रागरपुत लक्ष्मी धन प्रागर 66 भ्रार०माडलटाउन हुणियारपुर। (भ्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में **है**।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में मधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी आर्थिप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिय या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो श्री श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

# अनुसू ची

माडल टाउन हुशियारपुर में कोठी नं० 66 ग्रार जैसा कि विलेख नं० 4387 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकरर्ता ग्रिध-कारी हुशियारपुर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 3 नवम्बर 1978

# प्रकप आई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्राय्क्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिशा

भटिंडा, विनांक 3 नवम्बर 1978

निवेश सं० ए० पी० 424/भ्रबोहर/78-79---यतः मुझे, पी०एन०मलिक,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाखार मूख्य 25,000/- ६० से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये, प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रान्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बादतिक सुप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधिक नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये ग्रीर/गा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रंब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-भ की उपचारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रचीत्:—

 श्रीमती मनकोरी विधवा खिन्नाली राम (2) ग्राणा देवी पुत्री खिन्नाली राम (3) बूज लाल पुत्र खिन्नाली राम वासी खुई खेड़ा तहसील फाजिल्का।

(ग्रन्तरक)

 श्री भगवान दास पुत्र लच्छी राम वासी गली नं० 3 मण्डी श्रवोहर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

 जो ध्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिये कार्यवाष्ट्रिया करता हं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बग्ध म कोई मी माक्षेय:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की आवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपन में प्रभागन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्फडीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

गली नं० 1 में सथित एक मकान नं० 905 जैसा कि विलेख नं० 2914 मार्च 1978 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक, सक्षम प्राघिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, भटिंडा

तारीख: 3 नवम्बर 1978।

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के भ्राधीन सूचना भारतसरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 3 नवम्बर 1978 निदेश सं०ए०पी० 425/बीटीआई/78−79:--यतः मुझे, पी०एन०मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को 15 प्रतिशत से अधि है श्रीर भन्तरिक (भन्तरिकों) और भन्तरिती (भ्रश्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित गहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त भ्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269म की उपघारा (1) के अधीन, निश्निनम्बन्धक्यियों, अर्थात् :--6- 356G1/78

 श्री दीवान चन्द पुत्र कांगी राम पुत्र हीरा लाल वासी, भटिंडा।

(म्रन्तरक)

 श्री ग्रमृत लाल पुत्र काहन चन्द पुत्र तिलक राम मकान न ० 628 नामदेव नगर, भटिंडा।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में ६चि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के भध्याय 20क में परिभा-षित ह, वही भ्रषे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

नामदेश नगर भटिंडा में एक मकान नं० 628 जैसा कि विलेख नं० 6564 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिं<mark>डा में</mark> लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: : 3 नवम्बर, 1978

प्ररूप बाई • टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम; 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रापुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 4 नवम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 426/श्रबोहर/78--79---यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकाल 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के म्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- द॰ से सिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो श्रबोहर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उपके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से यधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धारिक नियम के धाधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐनी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तिमों को जिन्हें, भारतीय भागकर मिबिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनयम, या धन-कर भिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

भ्रतः भ्रवः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त धिरियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, श्रवतः—

1. श्री मोहन सिंह पुत्र संत सिंह पुत्र हरनाम सिंह वासी गली नं० 21 गऊशाला रोड़ अबोहर तहसील फाजिल्का।

(भ्रन्तरक)

- श्री सतीण कुमार पुत्त देस राज पुत्न जेठा राम वासी गली नं० 4 नई ग्राबादी श्रवोहर तहसील, फाजिल्का। (श्रन्सरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पक्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अयिक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उनस श्रिष्टियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

गऊशाला रोड़ पर गली नं० 21 में मकान नं० 2330 का  $\frac{1}{2}$  हिस्सा जैसा कि विलेख नं० 3004 रिजस्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी ग्रबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 4 नवम्बर 1978।

प्ररूप आई०टी॰ एन० एस∙--

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 9 नवम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 427/भटिंडा/78-79--यतः मुझे, पी०एन०मलिक,

भायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रश्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूक्य 25,000/- इपये से ग्रश्चिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूहम से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तारित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूहम, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया यया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के घंधीन कर देने के घंग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मृत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिविनयम या धन-कर मिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: मन; उक्त प्रधिनियम; की धारा 269क्ष के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269क्ष की उप-प्रारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, प्रकृति;—  श्री मोहन लाल पुत्र बख्शी राम पुत्र मोलु रमल वासी भटिंडा।

(अन्सरक)

 श्री गुरचरण सिंह पुत्र ईशर सिंह वासी मकान नं० 3243 गुप्त नानक सैक्टर, भटिंडा ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस मुखना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की शविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की शबिंद,
  जो भी शबिध बाद में समाप्त होती हो, के
  भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
  द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
  में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रथं होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

गुरु नानक सैक्टर भटिंडा में मकान नं० 3012 जैसा कि विलेख नं० 6389 मार्च, 1978 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी भटिंडा में लिखा है।

पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 9 नवम्बर, 1978।

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा भिटिंडा, दिनांक 9 नवम्बर 1978

निवेश सं० ए० पी० 428/कपूरथला/78-79-यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269—ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इपए से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर भन्तरक (श्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रिष्ठीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—  श्री चरण दास पुत्र शंकर दास द्वारा चरण दास मुलख राज मंड़ी, कपूरथला ।

(भ्रन्तरक)

 श्री जसविन्द्र पाल पुत्र तिलक राज द्वारा तिलक राज मदन मोहन मंडी, कपूरथला ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20—क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

रेलवे रोड़ कपूरथला पर एक मकान कम गोदाम जैसा कि विलेख नं० 3404 मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी कपूरथला में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, भटिंडा

तारीख : 9 नवम्बर 1978।

प्रकप धाई । टी । एन । एस । -----

आयकर **मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धा**रा 269म (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 9 नवम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 429/जी० एच० एस०/78-79---यतः, मझे, पी० एन० मलिक,

आयकर ग्रिश्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिश्नियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिश्नीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ग्राजार मूल्प 25,000/- ४० से ग्रिश्मिक है और जिसकी सं० जैसा कि ग्रन्सूची में लिखा है तथा जो गुरु हरसहाए में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय गुरु हरसहाए में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति फल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त ग्रिवितयम, के ग्रिवीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त मधिनियम की धारा 269 न के सनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 व की उपवास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :—  श्री मदन लाल पुत्र संत राम द्वारा मदन लाल, शाम लाल दाना मंडी, गुरु हरसहाए ।

(भ्रन्तरक)

2. मनोहर लाल, मोहन लाल, विजै कुमार, पुतान लाला राम रक्खा मल, श्रमृत लाल पुत्र खरैती लाल द्वारा मनोहर लाल मोहन लाल दाना मंडी, गुरु हरसहाए।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कायवाहियों करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडटीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

### अमुस्ची

4 कनाल 3 मरले के एक गौलर का  $\frac{1}{3}$  हिस्सा जैसा कि विलेख नं० 1866 मार्च, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी गुरु हरसहाए में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भटिंडा

तारीख: 9 नवम्बर 1978।

प्रकप आई० टी० एन∙ एस∙---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 9 नवस्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 430/जी एच एस/ 78-79:--यतः भूक्षे, पी० एन० मलिक,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु॰ से मधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनसूची में लिखा है तथा जो गूरू हर सहाए में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), श्रौर रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गूरु हर सहाए में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है भौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी झाय की बाबत उक्त अधिनियम के झझीन कर देने के झस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उपत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की जारा 269-थ की उपवारा (1) के अधीन, विकासित व्यक्तियों, अर्थात् !---  श्री मदन लाल पुत्र संत राम द्वारा मदन लाल शाम लाल मंत्री गुरू हर सहाए ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मनोहर लाल, मोहन लाल, विजय कुमार पुलान लाला राम रक्खा मल और श्रमृत लाल पुत्र खरैती लाल द्वारा मनोहर लाल मोहन लाल दाना मंडी, गूरु हर सहाए ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिभोग सम्पत्ति है) ।

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की घर्वाच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की घर्वाच, जो भी
  भवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्धीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस धर्ध्याय में दिया गया है।

### अभुसूची

4 कनाल 3 मरले के एक गौलर का 1/3 हिस्सा जैसा कि विलेख नं० 1876 मार्च 1978 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी गूठ हर सहाए में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम श्रधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीखाः १ नवम्बर, 1978।

प्ररुप माई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 9 नवम्बर, 1978

् निदेश सं० ए० पी० 431/जीं० एच० एस०/ 78— 79:——यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना प्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनसूची में लिखा है तथा जो गूरु हरसहाए में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गूर हरसहाए में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर भन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त श्रीवित्यम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर घिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनयम या धन-कर घिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: भन, उर्गत भिवित्यम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नसिखित व्यक्तियों भर्षात:--  श्री मदन लाल पुत्र संत राम द्वारा मदन लाल शाम लाल दाना मंडी, गृरु हरसहाए ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मनोहर लाल, मोहन लाल, विजय कुमार पुत्रान लाला राम रक्खा मल, ग्रमृत लाल पुत्र खरैती लाल ढारा मनोहर लाल मोहन दाना मंडी गूरु हरसहाए।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब ब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाद्वियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड
  किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

इपड्डीकरण: --इसमें प्रयक्त शब्दों भीर पदों का, जो जक्त भिक्षितियम के प्रद्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं भ्रर्थ होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

4 कनाल 3 मरले के एक शैलर का 1/3 हिस्सा जैसा कि विलेख नं 1902 मार्च, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी गूरु हर सहाए में लिखा है।

पी० एन० मलिक, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 9 नवम्बर, 1978

प्ररूप प्राई० टी० एत० एस०----

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

घारा 269घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 नवम्बर 1978

सं० ए० पी० 432/मलोट/78-79---यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्धि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से ग्रीधक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मलोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मलोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविज्ञ रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भवि-नियम के अधीन कर देने के भक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ध की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री वाल कृष्ण, शकुन्तला देवी, चन्द्रावती द्वारा हरी चन्द, पुत दलीप सिंह वासी हांसी (हिसार) (श्रन्तरक)
- (2) गुरतेज कौर विधवा रणबीर सिंह द्वारा अर्जन मोटर्स, जी० टी० रोड, मलोट (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में
  ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
  सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
  भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के प्रष्याय 20क में परिभाषित हैं, बही भूष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

जी० टी० रोड मलोट पर एक दुकान जैसा कि विलेख नं० 2826, मार्च, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मलोट में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंडा,

तारीख: 10-11-1978.

प्ररूप भाई • टी • एन • एस ----

यायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भटिडा

भटिंडा, दिनांक 10 नवम्बर 1978

निर्देश सं०ए० पी० 433/मुक्तसर/78-79—यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

स्रामकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सिंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/• रुपए से स्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो जो मुक्तसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घ्रन्य ध्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय घ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घ्रिधिनियम, या धन-कर घ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्रे, उक्त श्रिष्ठितियम को घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त घिधितियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) अघीन निम्नलिखित अर्थात:—

7--- 356GI/78

- श्री गोकल चन्द, जगन नाथ, सोहन लाल, प्रकाशवती द्वारा जगन नाथ बीज व्योपारी बाघा मार्कट, मुक्तसर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रमर नाथ, करनैल सिंह, जीवन सिंह, उज्जल सिंह, गणेण दास द्वारा श्रमर सोप फैक्टरी टिवी साहिब रोड, मुक्तसर।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  में हितवज़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिट में किए जा सकेंगे।

स्पव्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

मुक्तसर में एक दुकान का 1/8 हिस्सा जैसा कि विलेख नं० 2517, मार्च 1978 रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी मुक्तसर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिंडा ।

तारीख: 10 नवम्बर, 1978

# प्राह्मप माई० टी॰ एन० एस॰----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायकत (निरीक्रण)

भ्रजन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 15 नवम्बर, 1978

निदेश सं० ए० पी० 434/फिरोजपुर/78-79:--यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए० से श्रिधिक है,

श्रीर जिसकी सं ० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोज-पुर छावणी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारीं के कार्यालय, फिरोज पुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रधीन, तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त श्रिष्ठि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियो को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए।

धतः अब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रधीत् :—  श्री गोपी राम पुत्र सगन चन्द वासी दाना मंडी; फिरोजपुर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द्र पुत्र श्री बनवारी लाल वासी श्रनाज मंत्री, फिरोजपुर छावनी।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की घविध या तरसंबंधी क्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मघोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम के श्रष्ट्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो, उस श्रध्याय में दिया गया है।

# **ग्र**मुची

फिरोजपुर छावनी में एक मकान का 1/2 हिस्सा जैसा कि विलख नं० 5750 मार्च, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख: 15 नवम्बर 1978

भोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

म्रायकर म्रिमिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष(1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 15 नवम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 435/फिरोजपुर/78-79:--यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित क्यक्तियों श्रर्थात्:---

- श्री गोपी राम पुत्न सगन चन्द फिरोजपुर छावनी।
   (श्रन्तरक)
- श्री राज कुमार पुत्र बनवारी लाल वासी श्रनाज मंडी, फिरोजपुर छावनी ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी म्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20—क में परिभाषित हैं, वही भ्रथे होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फिरोजपुर छावनी में एक मकान का 1/2 हिस्सा जैसा कि विलेख नं ० 5689 मार्च 1978 राजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी फिरोज-पुर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 15 नवम्बर 1978

प्ररूप भाई० टी • एन • एस • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के अधीत सूत्रता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -II श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 ग्रगस्त 1978

निदेश नं० पी० म्रार० 600/एसी क्यु० 23-1063/19-8/78-79---म्रतः मुझे, एस० सी० परीख आयक्तर मिवियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रष्टीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी सं० रे० स० नं० 136 (पैकी) है तथा जो गांव फुलपाडा, कनारगाम, फुलपाडा, सूरत म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-3-1978 को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के यूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी बाय की वाबत उक्त प्रधितियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या म्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय सायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उन्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रमुसरण में, भें, उन्त प्रधिनियम की धारा 269थ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) म० रसीक लेण्ड डेवलपमर्स एण्ड श्रागंनाईजर्स, 710, हवाडिया चकला, श्रम्बाजी रोड, सूरत।

(मन्तरक)

(2) विष्वकर्मा इन्डस्ट्रीयल को० ग्रा० सर्विस सोसायटी लि०, हवाडिया चकला, ग्रंबाजी रोड, सूरत (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी स्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति में द्वितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविश हैं, वहीं भयं होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पिलिन्थ लेवल और ग्राउन्ड फ्लोर तक कुछ बांध काम सिहत जमीन जो रे० स० नं० 136 (पैकी) गांव फुलपाडा, कतारग्राम, फुलपाडा रोड, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 6879 वर्ग गज है जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी सूरत के मार्च 1978 के रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1690 में प्रविश्तत है।

एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I हैंदराबाद।

दिनांक : 9 श्रगस्त 1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1978
नदेण नं ० पी० ग्रार० 608/एसी क्यु० 23-1065/19-8/
78-79—ग्रतः मुझे एस० सी० परीख
ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गथा है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-

६० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 4 नोध नं० 3884 ग्रीर 5220 है। तथा जो चोकी शोरी, बेगमपुरा, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 27-3-1978 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोन्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक भन्तर<del>क</del> (ग्रन्तरकों) ग्रौर (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण सं हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (च) ऐसा किसो माप या किसी धन या अन्य म्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्निधिनयम, या धनकर मिश्चित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव उक्त ग्रम्नित्यम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में उक्त ग्राधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नकिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:---

(1) श्री(1) रसिलाबेन, कंचन लाल विठलदास (2) जयबदन कंचनलाल (3) मिरीम कंचनलाल (4) विपिन चन्द्र कंचनलाल (5) ज्योतिबेन कंचनलाल (6) गीताबेन कंचनलाल (7) धनसुखलाल इम्बर

लाल (8) सुशीलाबन धनसुखलाल (9) रजनी-कान्त धनसुखलाल (10) चन्द्रेश धनसुख लाल, 1 से 6 का पता : हीरा मानके बिल्डिंग, दादीशेठ श्रागियारी बिल्डिंग, बम्बई 7 से 10 का पता : दफ्तरी रोड, खांड वाला चाल, मलाड, बम्बई

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. उत्तमराम ग्रम्बाराम मोदी,
  - 2. मंजूलाबन उत्तमराव मोदी,
  - विजयकुमार उत्तमराम महता,
  - 4. महेन्द्र कुमार उत्तम राम मेहता,
  - 5. विनायक उत्तमराम मेहता जमपा बाजार, खराडीगोरी, सूरत

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उम्त प्रमानि के यर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की मन्नधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घनिष्ठ, जो भी मनिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस अझ्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन ग्रीर मकान जो खाई नं० 4 नोंध नं० 3884 बेगमपुरा, चोकी शेरी, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 229-09-95 वर्ग मीटर है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ग्रधिकारी, सूरत के मार्च 1978 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1844 में प्रदिश्तित है।

एस० सी० परीख, समक्ष प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद ।

ं दिनांक 11 सितम्बर 1978 . मोहर : प्रका भाई० टी० एन० एस०---

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269व (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, महायक भायकर भायका (निरोक्तण) श्रर्जन रेंज-॥. श्रष्टमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1978

रु से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं घर गली नं 1 सि टी सी टी नं विश्वार जिसकी सं घर गली नं 1 सि टी सी टी ले विश्वार नं 10/3 वार्ड नं 8 क्यू नं 780 है तथा जो मोटा फालिया, दस्तूर फालिया नवसारी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 22-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मूह्य से कम के धृष्यमान श्रतिफल के लिए शन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके धृष्यमान श्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरितों (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत **उक्त अधि**-नियम, के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा **से लिए; भीर** या

**इप से कथि**त नहीं किया गण है:~--

(सा) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या श्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्दर अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए:

मतः मन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरणं में, मैं, उना अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, प्रयातः--  सोमाभाई प्रभूभाई पटेल, विनोदकुमारकुमार सोमा भाई पटेल तथा सुरेशचन्द्र सोमाभाई पटेल के कुल मुख्तार की हैंसियत में नवसारी।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) सर्वश्री भ्रब्दुल मोहम्मद बिस्मिला,
  - (2) सुलेमान मोहम्मद बिस्मिला,
  - (3) दाउद मोहम्मद विस्मिला,
  - (4) मासूम मोहम्मद बिस्मिला, ढाबेल ऊँचा मोहला, ता, नवसारी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूनता जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपति के श्रजंन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :-~

- (क) इन मूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविध या तस्सवधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपंति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शस्तों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के घड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# पहली अनुसूची

जमीत व मकान जो सी० टी० एस० टी० नं० 10/3 स० नं० 63, वार्ड नं० 8, क्यु नं० 780 मोटा फालिया, दस्तूर वाड, नवसारी में स्थित हैं जिसका कुल माप 156 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी सूरत के मार्च 1978 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1506 में प्रदिशत हैं।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-11, श्रहमदाबाद

दिनांक: 1 सितम्बर 1978

प्रकृष भाई० टी• एन• एस•---- -

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **घा**रा 269-ध(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रज-], श्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1978

ग्रीर जिसकी सं० जूनागढ़ वेरावल हाई वे रोड, पंथली, है तथा जो एस० टी० बस स्टैन्ड के सामने, वंथली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबढ़ भ्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, मानावदर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 20-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्ष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूक्ष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बार पिक कप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रधिनियम या अन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

भत: प्रव उरत भिधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्त भिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्मात्:—

- (1) मैंसर्स एम० एम० एण्ड कं० वंथली, की स्रोर से भागीदार:— पुष्पागौरी प्रभूदास राजाणी मिल प्लाट, तथा श्रन्य, केशोद, जि० जूनागढ़। (श्रन्तरक)
- (2) (1) श्री नाधोरी अब्दुल्ला दादा,
  - (2) श्री नाधोरी नूरमोहम्मद दादा,
  - (3) श्री नाधोरी कासम दादा, हाजी साहब के मस्जिद के सामने, वंथली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उमत सम्पत्ति के धार्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध शांद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रष्यं होगा, जो उस भश्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

शोपस तथा गैरेज रूम्स के साथ एक खुली जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 7826.4 वर्ग गज हैं (6543.60 वर्ग मीटर) तथा जो एस०टी० बस स्टैण्ड के सामने, वंथली में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 20-3-78 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 372 में दिया गया है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-], ग्रहमदाबाद

दिनांक: 1 सितम्बर 1978

अधिक है

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनिजम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद दिनांक 1 सितम्बर 1978

निदेश न० ए० सी० क्यू० 23-I-1604(711)/
1-1-/77-78—अतः मुझे एस० सी० परीख,
पागकर अधिनियन, 1961(1961 का 43)(जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
पश्चीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु• से

ग्रौर जिसकी सं० एफ०पी०न० 277, टी० पी० एस०-20, सर्वे न० 73/1-2, है तथा. जो कोचरव, ग्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 1978

को पूर्वोता संपत्ति के उचित बागार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिकत, निम्निजिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक का से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/णा
- (ख) ऐसी किनी झाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, म उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- (1) श्री ग्रमीत कुमार श्रम्बालाल
  - (2) रक्षाबेन श्रमीत कुमार, ''सुमेर्श्व सेन्ट जेवीयरस कालेज के पास, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एवरबेला को० ग्राप० हा० सो० लि० की ग्रोर से :---

> प्रमुखः श्री परमानन्द शकराभाई पटेल तथा सेकेटरी श्री सेवंतीलाल मफ्तलाल शाह, वाणीया वाड, लुहार शेरी, सरसपुर, श्रहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्राधिनयम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

## भ्रनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 4441 वर्ग गज है तथा जिसका एफ० पी० न०-277, सर्वे न० 73/1-2, टी० पी० एस-20 है तथा जो कोचरब स्रहमदाबाद में स्थित हैं। तथा जिसका पूर्ण वर्णन मार्च 1978 वाले विकी दस्तावेज न० 19396 में दिया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

दिनांक 1 सितम्बर 1978 मोहर :

## प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1978

सं० ए०सी० क्यू० 23-I-1621(713)/11-8/77-78—— श्रतः मुझे एस०सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 280/1, 280/2 हैं तथा जो गांव सुलतानावाड, ता० मानावदर जि० जूनागढ़ में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मानावदर में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (खा) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रज, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवीत् :—
8---356GI/78

(1) गोदाबरीक्षेत रामलाल कोटेचा मारफत: विपुल इन्डस्ट्रीज गांव: सुलतानाक्षाद ता० मानावदर जि० जुनागढ़

(श्रन्तरक)

(2) काँकरीया कोटन प्रोसेसर्स के मालिक तथा प्रेमराज कांकरीया सन्स ट्रस्ट के ट्रस्टीज मारफत: (1)श्री विनयचन्द प्रेमराज तथा श्रन्य काँक-रीया भवन, 6 महादेव नगर सोसायटी श्रहमदाबाय (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितयद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही घर्य होगा, जो उस घड़याय में दिया गया है।

## धनुसूची

श्रवल सम्पत्ति का वह समस्त भाग जिसका नं० 280/1 तथा 280/2 भ्रीर जिसका क्षेत्रफल 26204 वर्ग मीटर है जो कि गांव सुलतानाबाद ता० भानाबदर, जि० जूनागढ़ में स्थित है, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भानाबदर द्वारा किए गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 347/18-3-1978 में प्रविधित है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक 4 सितम्बर 1978 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

### म्रर्जन रेंज-। महमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1978

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रीधक है

ग्रीर जिसकी सं० मैसर्स कांकरिया कोटन प्रोसेस नाम से प्रख्यात जिनांग एन्ड प्रोसींग फैक्टरी हैं । तथा जो गांव सुलतानाबाद ता० मानावदर जिला जुनागढ़ में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मानावदर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 19-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्राधक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण जिखान से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्स श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:--

- (1) 1. श्री श्रगोक कुमार रामलाल कोटेचा
  2. श्री गोदाबरीबेन रामलाल कोटेचा,
  मेसर्स विपुल इन्डस्ट्रीज के मालीक व भागीदार
  की हैसियत में—
  गांव: सुलतानाबाद, ता० मानाबदर, जि० जुनागढ़।
  (श्रन्तरक)
- (2) मैं० कांकरीया कोटन प्रोसेसर, मालिक : प्रेमराज कांकरीया सन्स ट्रस्ट के ट्रस्टीज (1) श्री विनयचन्द प्रेमराज सथा ध्रन्य कांकरीया भवन, 6, महादेवनगर सोसायटी श्रहमदाबाद । (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

मेसर्स कांकरिया कोटन प्रोसेस नामसे प्रख्यात फेंक्टरी मकानें, गोडाउन्स, हाउसीस, जीन हाउसीस, इलेक्ट्रीक रूम, पंप रूम, स्टोर रूम तथा श्राफिस रूम वगैर जिसकी जमीन का माप 6 एकर 19 गुंठा है श्रौर जो गांव सुलतानाबाद ता० मानाबदर जि० जुनागढ़ में स्थित है, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी मानाबदर द्वारा 19-3-1978 को किए गए रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 348/ मार्च 1978 में प्रदिशत है।

एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक 4 सितम्बर 1978 मोहर: रुपए से प्रधिक है

प्ररूप प्राई• टी• एन• एस•--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 सितम्बर 1978

निदेश नं० पी० ग्रार० 613/एसीक्यू० 23-1126/3-2/78-79—ग्रतः मुझे एस० सी० परीख श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

ग्रीर जिस की सं० सिटी स० नं० 10935 (पैकी) सिटी स० शीट न० 51 ग्रीर सिटी स० नं० 10934 (पैकी) है तथा जो रेलवे गोडाउन की पश्चिमी दिशा, पालनपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पालनपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत धिक है धीर धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्त्रिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मधिनियम के मधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रिवित्यम, या धन-कर भिधित्यम, या धन-कर भिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भग्तिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त भविनियम की बारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उन्त भविनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्यात:—— (1) श्री सुप्रियभाई कांतीलाल मेहता कुल मुखतार : कान्तीलाल छोटालाल मेहता 1-ए, गीतांजली, नवरोजी गामडिया कास रोड बम्बई-26।

(भ्रन्तरक)

(2) पटेल कालीदास नर्रासहभाई रामपुरा (सावरपुर) ता० पालनपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन मैं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रध्याय 20-फ में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली अमीन जो सिटी स० नं० 10935 (पैकी) श्रौर सिटी स० शीट नं० 51 श्रौर सिटी स० नं० 10934 (पैकी) रेलवे गोडाउन की पश्चिमी दिशा, पालनपुर में स्थित है जिसका कुल माप 6570.5 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी पालनपुर द्वारा मार्च 1978 में दर्ज किए गए रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 535 में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

दिनांक: 12 सितम्बर 1978

## प्ररूप भाई० टी० एम० एस०-

आयकर मिंघिनियम, 1961 (1961 का 43) की 2.89-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद दिनांक 12 सितम्बर 1978

निदेश नं 614/एसीक्य 23-1127/3-2/78-79--स्रतः मुझे एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- ६० से मधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सिटी नं० 10935 (पैकी) सिटी सं० शीट नं 51 भीर सिटी सं नं 10934 (पैकी) है तथा जो रेलवे गोडाउन की पश्चिमी दिशा, पालनपुर में स्थित है, श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ऋधिकारी के कार्यालय, पालनपुर में रजिस्ट्री-करण भ्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति हे उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रन्तरिनियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में नास्तविक **रू**प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रि**धिनयम के ग्रधीन कर देंने के** भन्दरक के डायित्व में कमी करने या उससे **बज**ने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (बा) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या सन्य स्नास्तियों को, जिन्ह भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त म्रधिनियम' या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए-था, फिपाने में सुविधा के लिए;

भत: भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त मधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थात् :---

(1) श्री सुप्रियभाई कांतीलाल मेहता कुल मुखतार : कान्तीलाल छोटालाल मेहता 1-ए, गीतांजली, नवरोजी गामडिया कास रोड, बम्बई-26 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पटेल गिरीशचन्द्र कालीदास (सगीर) नरसिभाई रामपुरा वाली : पटेल कालीदास (सादरपुरा) ता० पालनपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बर्ध में कोई भी प्राक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की प्रविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त म्र**धि**नियम क धध्याय परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खली जमीन जो सिटी सं० नं० 10935 (पैकी) तथा सिटी सं. शीट नं० 51 और सिटी सं० नं० 10934 (पेकी) रेलवे गोडाडून की पश्चिमी दिशा, पालनपुरा में स्थित है जिसका कुल माप 6570.5 वर्गफुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी पालनपुर द्वारा मार्च 1978 में दर्ज किए गए रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 536 में प्रदर्शित है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

दिनांक 12 सितम्बर 1978 मोहर:

प्ररूप भाई• टी० एन० एस०--

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

दिनांक 12 सितम्बर 1978

निदेश नं० पी० श्रार० 615/एसीनयु० 23-1128/3-2/78-79—श्रतः मुझे एस० सी० परीख स्नायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से प्रधिक है

स्रौर जिस की सं० सिटी सं० नं० 10935 (पैकी) सिटी सं० गोट नं० 51 तथा सिटी सं० नं० 10934 (पैकी) है। तथा जो रेलवे गोडाउन की पिज्यम दिशा पालनपुर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, पालनपुर में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दृश्यमा प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अश्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंबत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचन में मृतिधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए।

जतः अब, उनत मिश्वनियम, की धारा 269-न के मनु-तरन में, मैं, उनत मिश्वनियम की धारा 269-व की वपवारा (1) के म्रधीन, निम्निमित्तक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुप्रिय भाई कान्तीलाल मेहता कुल मुखतार कान्तीलाल छोटा लाल मेहता 1-ए, गीतांजली, नवरोजी गामडिया, कास रोड, बम्बई-26।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पटेल लक्षमी चन्द नरसिंहभाई रामपुरा (सादरपुर) ता० पालनपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रष्टपाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **ध**नुसूची

खुली जमीन जो सिटी सं० नं० 10935 (पैकी) तथा सिटी सं० शीट० नं० 51 और सिटी नं० 10934 (पैकी) रेलवे गोडाउन की पश्चिमी दिशा पालनपुर में स्थित हैं जिसका कुल माप 6570.5 वर्ग फुट हैं जैसा कि रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी पालनपुर द्वारा मार्च 1978 में किए गए रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 537 में प्रदिशत हैं ।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज- भ्रहमदाबाद

दिनांक 12 सितम्बर 1978 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 सितम्बर 1978

निदेश नं० पी० श्रार० 616/एसीक्यु-23-1129/3-2/78-79--श्रतः मुझे एस० सी० परीख श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६पए से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० सिटी स० नं० 10935 (पैकी) सिटी स० शीट नं० 51 तथा सिटी सं० नं० 10934 (पैकी) हैं। तथा जो रेलवे गोडाउन की पिक्चिमी दिशा, पालनपुर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पालनपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से श्रधिक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मं वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) एसी किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः मन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, मर्यात्:—

(1) श्री सुप्रियभाई कान्तीलाल मेहता कुल मुखतार : कान्तीलाल छोटालाल मेहता 1-ए, गीतांजल्ली नवरोजी गामडिया कास रोड, बम्बई-26।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पटेल हरशद कुमार लक्षमी चन्द भाई ( ) वाली : लक्षमी चन्द नर्रीसहभाई, रामपुरा (सादरपुरा) ता० पालनपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सुवता जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से
  45 दिन की भ्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी
  ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### **प्रमुसूची**

खुली जमीन जो सिटी स० नं० 10935 (पैकी) भौर सिटी स० शीट नं० 51 श्रौर सिटी स. नं० 10934 (पैकी) कुल माप 6570.5 वर्ग फुट है तथा जो रेलवे गोडाउन की पश्चिम दिशा में पालनपुर में स्थित है जैसा कि रिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी पालनपुर द्वारा मार्च 1978 के रिजस्ट्री-कृत विलेख नं० 538 में प्रदिशत है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I<sup>I</sup> श्रहमदाबाद

तारीखाः 12-9-1978 ।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर **मधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की खारा 269-व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

दिनांक 12 सितम्बर 1978

निदेश नं० पी० श्रार० 617/एसीक्यू-23-1130/3-2/ 78-79---श्रतः मुझे एस० सी० परीख भायकर भिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त धिधनियम' कहा गया है), की 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-रुपये से ग्रौर जिसकी सं० सिटी स० नं० 10935 (पैकी) सिटी स० नं० 51 सिटी स० नं० 10934 (पकी) है। तथा जो रेलवे गोडाउन के पश्चिम दिशा में, पालनपुर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पालनपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्च 1978 सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यसे कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिध-नियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भधिनियम, या धनकर भधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः; प्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग की उपवारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री सुप्रियभाई कान्तीलाल मेहता कुल मुखताई: कान्तीलाल छोटा लाल मेहता 1-ए, गीतांजली, नथरोजी गामडिया कास रोड, बम्बई- 26

(भ्रन्तरक)

(2) पटेल श्रमृतलाल नर्रासहभाई रामपुरा (सादरपुर), ता॰ पालनपुर।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिताबक्ष किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः :--इसम प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के घड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह प्रयो होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खुली जमीन जो सिटी स० नं० 10935 (पैकी) तथा सिटी स० शीट नं० 51, श्रौर सिटी स० नं० 10934 (पैकी) रेलवे गोडाउन की पिष्चम दिशा, पालनपुर, में स्थित है जिसका कुल माप 6570. 5 वर्ग फुट है जैसा कि रजि-स्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी पालनपुर द्वारा मार्च 1978 में किए गए रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 539 में प्रदर्शित हैं।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II म्रहमदाबाद

तारीख: 12-9-1978

प्रकप माई० टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना भारत सरकाद

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 सितम्बर 1978

निदेश नं पी ग्रार 618 एसी क्यू 23-1130 3-2 78-79-- प्रतः मुझे एस० सी ० परीख भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द के से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० सिटी सर्वे नं० 10935 (पँकी) सिटी सं० शीट नं० 51 तथा सिटी सं० नं० 10934 (पैकी) है तथा जो रेलवे गोडाउन के पश्चिम दिशा, पालनपुर में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पालनपुर में रिअस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 15) के श्रीधीन, दिनांक मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण सिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत 'उक्त प्रधिनियम' के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधनियम, या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: ग्रन, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग की सपक्षारा (1) के ग्रधीन निम्निविद्यत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुप्रियभाई कान्तीलाल मेहता, कुल मुखतार:कान्तीलाल छोटालाल मेहता 1-ए, गीतांजली, नवरोजी गामडिया कास रोड, बम्बई-26।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पटेल इश्वरलाल ग्रमृतलाल (सगीर) वाली : ग्रमृतलाल नरणी भाई, रामपुरा (सादरपुर) ता० पालनपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियाँ करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाख में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध
  किसी भ्रन्य व्यक्ति क्षारा, भक्षोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्त ग्रिधिनियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रंथ होगा, जो उस ग्रह्माय में विया गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन जो सिटी सर्वे नं० 10935 (पैकी) तथा सिटी० सं० शीट नं० 51, तथा सिटी सं० नं० 10934 (पैकी) रेलवे गोडाउन की पश्चिमी तरफ, पालनपुर में स्थित है जिसका कुल माप 6570.5 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी पालनपुर द्वारा मार्च 1978 में किए गए रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 540 में प्रदिशत हैं।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राणिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, म्रहमदाबाद

दिनांक: 12 सितम्बर 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1978

निदेश नं० एसीक्यू० 23-I/1615 (717)/I-I/77-78--श्रतः मुझे एस० सी० परीख ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

श्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उत्ति बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रीधक है

ग्रौर जिस की सं० 326 (पार्ट) टी० पी० एस० 30 है तथा जो नवा ग्रसाखा, ग्रहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 29-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उनत अधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐंसी किसी भाग या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाग-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
9.—356G1/7 (1) श्रो कर्नयालाल डाह्याभाई पटेल, एच० यू० एफ० के कर्ता की हैसियत से 838, पीपलावाली बास, पुराना श्रसाखा श्रहमदावाद-16 ।

(भ्रन्तरक)

(2) सेक्रेटरी श्री भगवत कुमार ग्राई० पटेल के मारफत पर्णकुंज को० ग्रो० रा० सो० लि० उमीयामाता के मंदिर के पास, नवा ग्रसाखा ग्रहमदाबाद-16। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के भ्रज्नेन के लिए कार्यमाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन मही तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा मधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शक्वों भीर पदों का, ओ उक्त भिक्षितयम, के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भयं होगा ओ उस भ्रध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

एक खुली जमीन का प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 1162 वर्ग गज है तथा जिसका नं० 326 है, श्रीर जो असाखा श्रहमदाबाद में स्थित है, जिसका पूर्ण विवरण रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी श्रहमदाबाद के सामने किए गए 29-3-1978 वाले विकी दस्तावेज नं० 3361 में दिया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-J, ग्रहमदाबाद

दिनांकः: 14 सितम्बर 1978

मोहर.

प्रकप आई० टी० एन० एस •----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1978

भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पये से शिक्षक है

ग्रीर जिस की सं० 326 (पार्ट) टी० पी० एस-30 है तथा जो नवा ग्रसाखा, ग्रहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रित्तक के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत शिक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाग की वाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्राप्तीन कर देने के शन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (आ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधनियक, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः श्रव, उक्त श्रिविनयम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रिबीन निम्निलिखत व्यक्तियों, श्रवीतः—

- (1) श्रीमती कशमाबेन कनैयालाल पटेल 838, पीपला-वाला वास पुराना श्रसाखा श्रहमदाबाद-16। (ग्रन्तरक)
- (2) सेकेटरी श्री भगवतकुमार ग्राई० पटेल के द्वारा, पर्णकुंज को० श्रो० रा० सो० लि० उमीया माता के मंदिर के पास नया श्रसाखा ग्रहमदाबाद-16। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उनत संपत्ति के प्रज़ंन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की वारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी
  ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का जो उक्त श्रिधिनियम के भश्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक खुली जमीन बाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 2323.2 वर्ग गज है तथा जिसका नं० 326 है भीर जो ग्रसाखा, ग्रहमदाबाद में स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी श्रहमदाबाद के सामने किए गए बिकी दस्तावेज नं० 3411/78 में दिया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक : 14 सितम्बर 1978

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ध(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 श्रक्तुबर 978

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के मिधीन सम्भाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से मिधिक है।

श्रीर जिसकी सं० 247 टी० पी० एस०-30 है तथा जो असाखा, श्रहमदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रीधक है श्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्सरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यातः —

- (1) श्रीमती डारीबेन डाह्याभाई पटेल 838, पीपला वाली बास पुराना श्रसाखा श्रहमदाबाद-16। (श्रन्तरक)
- (2) श्री भगवतकुमार ग्राई० पटेल के मारफत पर्णकुंज को० श्रो० रा० सी० लि० उमीया माता के मंदिर के पास, नया श्रसाखा श्रहमदाबाद-16। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **ग्रर्जन** केलिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उनस श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1331 वर्ग गज है और जिसका नं० 247 है तथा जो असाखा श्रहमदाबाद में स्थित हैं, जिसका पूर्ण विवरण, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्रहमदाबाद के सामने किए गए बिक्री दस्तावेज नं० 3412/78 में दिया गया है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-I, ग्रहमदावाव

दिनांक: 14 सितम्बर 1978

प्ररूप धाई० टी० एत∙ एस०~~~

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, म्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 ग्रक्तूबर 1978

निदेश नं० एसीक्यु० 23-1-1599 (727)/1-1/77-78—- अतः मुझे, एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६ से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० स० नं० 440-2 है। तथा जो वेजलपुरा, जिला ग्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 9-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्क है भीर यह कि भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित न किया हो गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिधिनयम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों,
  को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922
  (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या
  धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
  गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
  स्विधा के लिए;

अतः धन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उन्त प्रधिनियम' की धारा 269-ष की उपधारा (1) के नधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथात्:—

- (1) श्री धनजी कानजी ठाकोर श्री मकाजी कानजी ठाकोर बेजलपुर, तालुका सीटी जि० भ्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जगजीवनराम पार्क को० ग्रो० हा० सो० लि० मारफत — भीखाभाई वाशरामभाई मकवाणा महेन्द्रपुरा, श्रांबावाडी श्रहमदाबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि था तत्सम्बन्धी अपिकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भविध खाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जास होंगे।

स्वरुक्त करण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा जो उस भ्रध्याय में दिया या है।

## **प्रमुस्**ची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 6655 वर्ग गज है श्रीर जिसका नं० 440-2 है श्रीर जो वेजलपुर ता० सिटी, जिला श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी श्रहमदाबाद में रजिस्टर्ड किए गए ता० 9-3-1978 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 2167 तथा 2168 में दिया गया है।

> एस० सी० परीख) सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, भ्रहमदाबाद

तारीख: 4 भ्रक्तूबर 1978

प्ररूप आई• टी॰ एन॰ एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 ग्रक्तुबर 1978

निदेश नं० एसीक्यु० 23-1/1616 (728)/1-1/77-78---ग्रतः मुझे एस० सी० परीख,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है श्रौर जिस की सं० सर्वे नं० 295 है तथा जो घौडासर, सीटी तालुका, श्रहमदाबाद में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर भन्तरक (भ्रग्तरकों)भीर भन्तरिती (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, ग्रव्त अग्नि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के भनुसरण में; में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- (1) (1) श्री नटवरलाल गोरधनदास मोदी,
  - (2) ताराबेन नटवरलाल मोदी,
  - (3) श्री सुरेन्द्र नटवरलाल मोदी,
  - (4) श्री नीलेश नटवरलाल मोदी ढालकी पोल, रसीक चाल ग्रास्टोडीया, ग्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)
- (2) शिवशक्ति को० थ्रो० हा० सो० लि०, चेयरमैन श्री ग्रम्तभाई रणछोड़भाई पटेल ग्रलीधान सोसायटी, मणीनगर, ग्रहमदाबाद
  - (2) सेकेंटरी श्री शंकरभाई धुला भाई पटेल भैरवनाथ रोड, मणीनगर, ग्रहमदाबाद-8,
  - (3) मेनेजिंग कमेटी मैम्बर—श्री नारणभाई गंगाराम पटेल, 10, प्रीतीकुंज सोसायटी, मणीनगर, ग्रहमदाबाद के मारफत

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भन्निध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भन्निध, जो भी भन्निध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा घष्टोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किये जा सकेंगे।

क्षक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिन्न-नियम के मध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

# **ग्र**मुसूची

एक खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 3388, वर्ग गज है श्रीर जिसका नं० 295 है श्रीर जो घोडासर के पिचम में तालुका सीटी, श्रहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन ता० 31-3-1978 को किये गये बिकी दस्तावेज नं० 3459 में दिया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, भ्रहमदाबाद

तारीखः: 4 ग्रन्तूबर 1978

प्ररूप भाई०टी० एन० एस०----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961का 43) की बारा 269व (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अक्तूबर 1978

निदेश नं० एसीक्यु० 23-I-1642 (7307/16-6/77-78--- ग्रतः मुझे एस० सी० परीख,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से प्रधिक है

ष्प्रौर जिस की सं० 380/2 के प्लाट नं० 65 से 71 हैं तथा जो पी० डी० मालवीया कोमर्स कालेज के पीछे गोंडल रोड, राजकोट में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मार्च 78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसो ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अशीत निम्तलिखित व्यक्तियों अर्थीत् :-- (1) श्री कान्तीलाल केशवजी कारीग्रा 4, रामकृष्ण नगर राजकोट

(अन्तरक)

(2) श्री दिलीप जेठालाल ठक्कर गीरीपेठ, नागपुर (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति. द्वारा, भक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पक्षों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल वर्ग गज 3771.30 फीट है तथा जिसका सर्वे नं० 380/2 प्लाट नं० 65 से 71 है जो पी० डी० मालवीया कोमर्स कालेज के पीछे गींडल रोड, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता प्रिधिकारी राजकोट के द्वारा रजिस्टर्ड किये गये ता० 31-3-1978 वाले बिकी दस्तावेज नं० 2541 में दिया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक : 4 श्रक्तूबर 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-ा, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अक्तूबर 1978

निदेश नं० एसीक्यु० 23-1/1641 (731)/16-6/77-78—-श्रतः मुझे एस० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है

धौर जिसकी सं० 398/2 प्लाट नं० 42, 53, 44, 51 तथा 72 से 75 है तथा जो पी० डी० मालवीया कोमर्स कालेज के पीछे, गोंडल रोड्य राजकोट में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 78 को

(1908 का 16) क श्रधान माच 78 का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्स श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनमय, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनमय, या धनकर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) निनिम्नलिखत व्यक्तियों, ग्रथित:— (1) श्री कान्तीलाल केशवजी कारीग्रा 4, रामकृष्ण नगर राजकोट

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरीण जेठालाल ठक्कर गीरीपेठ, नागपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुवना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबत अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल वर्ग गज 5762.4 फीट है तथा सर्वे नं० 398/2 के प्लाट नं० 42, 43, 44, 51 तथा 72 से 75 है, जो पी० डी० मालवीया कोमर्स कालेज के पीछे गोंडल रोड राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी राजकोट द्वारा रजिस्ट्री किये गये बिकी दस्तावेज नं० 2542 ता० 31-3-1978 में दिया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्ष्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक: 4 श्रक्तूबर 1978

प्रकप धाई • टी • एन • एस •----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, म्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 4 म्रक्तूबर 1978

निदेण नं० एसीक्यु० 23-I-1639 (733)/16-6/77-78—ग्रतः मुझे एस० सी० परीख,

भागकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वपये से ग्रधिक है ग्रौर जिस की सं० नं० 398/2 प्लाट नं० 76 से 81 है तथा जो पी० डी० मालवीया कोमर्स कालेज के पीछे, गोंडल रोड, राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धिक है भौर अन्तरिक (अन्तरिकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त धिविनयम के धिधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य भास्तियों, को जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविभा के लिए;

जतः अब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ंग के अनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की घारा 269-ंच की उपधारा (1) के मधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री कान्सीलाल केशवजी कारीश्रा, 4, रामकृष्ण नगर राजकोट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रवीण जेठालाल ठक्कर गीरीपेठ, नागपुर (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की झबिध या तस्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की झबिध, जो भी झबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### श्रमुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल वर्ग गज 4812.7 फीट जिसका सर्वे नं० 398/2 प्लाट नं० 76 से 81 है और जो पी० डी० मालवीया कोमर्स कालेज के पीछे गोंडल रोड, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता फ्रिधिकारी राजकोट के द्वारा रजिस्टर्ड किये गये ता० 31-3-78 वाले बिकी दस्तावेज नं० 2544 में दिया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज-I, स्रहमदाबाद

तारीखा: 4 ग्रक्तूबर 1978

### प्र**रूप पाई०** टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269घ(1) के मधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 प्रक्तूबर 1978

नं० एसीक्यू० 23-1-1640(732)/16-6/77-78—-श्रतः मुझे, एस० सी० परीख,

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-रु० मे ग्राधिक है

ग्रीर जिसकी सं 398/2 प्लाट नं 29 38 है तथा जो पी इिं। मालवीया कोलेज के पीछे, गोंडल रोड़, राजकोट में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिन्न नियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी चरके या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (श्व) ऐसी किसी जान या किसी बन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1924 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 10—356GI/78

- 1. श्री कान्तीलाल केणवाजी कारीम्रा 4, रामकृष्ण नगर, राजकोट । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री महेन्द्र भवानजी ठक्कर, गीरीपठ, नागपुर । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियो करता हूं।

उन्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तस्तंबधी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रथें होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

# अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल वर्ग गज 4855.2 फीट है तथा सर्वे नं 398/2 के प्लाट नं 29 से 38 है, जो पी उड़ी जमालवीया कोमर्स कालेज के पीछे गोंडल रोड राजकोट में स्थित है। जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी राजकोट द्वारा रजिस्टर्ड किये गये ता 31-3-1978 वाले बिकी दस्तावेज नं 2543 में दिया गया है।

एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 4-10-78

मोहरः

# प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म(1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षग्र) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 12 म्रक्तूबर 1978

निदेश नं ० पीग्रार 624/एसीक्यू 23-1064/19-8/78-79--ग्रतः मुझे एस० सी० परीख भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त प्रधिनियन' कहा गया है), की भारा 269-जा के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ष∙ से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 12 नोंध नं० 576 है। तथा जो रानी तलाब, युनियन हाई स्कूल के सामने, सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर घम्तरक (धम्तरकों) भीर घम्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धम्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धम्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिर्मियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कसी करने या उपये बक्ते में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी केसी भाय या किसी बन या भन्य भारितयों को. जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घव, उनत ग्राधिनियम, की प्रारा 269-ग के मनुसरण में, में, उनत ग्राधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निक्षित स्यन्तियों, प्रयातः :--

- 1. श्री (1) विमलाबेन नानुभाई देसाई (2) मुकुल नानुभाई देसाई, दीबाली बाग, ग्रठवा लाइन्स, सूरत (ग्रन्तरक)
- 2. श्री पानिमा इस्मार्डल छीवाला, कुल मुख्तार, युनुस ग्रहमद छीवाला रामपुरा, छाष्टा श्रोल सूरत (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य क्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकींगे।

स्पष्टी करण: ---इसमें प्रयुक्त शन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त भिन्न नियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रषें होगा जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

# श्रनुसूची

जमीन और मकान जो वार्ड नं० 12 नोंघ नं० 576 रानी तलाव, युनियन हाई स्कूल के सामने, सूरत में स्थित है जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी सूरत द्वारा मार्च 1978 में दर्ज किये गये रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1756 में प्रदिशित है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

तारीख: 12-10-1978

मोहरः

# प्ररूप भाई • टी • एन • एस •---

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज II, श्रहमदबााद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1978

निदेश नं० पी आर 625/एसीक्यू-23-1137/7-4/78-79---अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से अधिक है,

श्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 2 हा० नं० 289 सिटी स० नं० 289 सी० श्राई० एस० टीका नं० 6/1 स० नं० 50 है। तथा जो मालेसर, वाडी स्ट्रीट, नवसारी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई
है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से पश्चिक है और प्रन्तरक
(प्रन्तरकों) भौर ग्रन्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया

- है।---
  - (क) अम्तरण से तुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिधिनियम, के भधीन कर देने के अम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
  - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269 ग के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा, (1) के ग्रधीन निम्नलिकत व्यक्तियों, ग्रधीत् :--

- 1. होमी फिरोज्ञशाह ब्यारिया हारबर हाईट्स, एन० ए० सावंत मार्ग, कोलाबा, बम्बई-5। (ग्रन्तरक)
- (1) श्री रनजीतराय गोविंदजी दर्जी, (2) ताराबेन रंजीतराय दर्जी, गांव, सालेज तह० गणदेवी, जिला बलसाड, हाल हा० नं० 289, मालेसर वाडी स्ट्रीट, नवसारी।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन को भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त . श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन और मकान जो हा० नं० 289 सी० एस० टी० टीका नं० 6/1 स० नं० 50 मालेसर, वाडी स्ट्रीट, नवसारी में स्थित है जिसका कुल माप 210 वर्ग गज है, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी नवसारी द्वारा मार्च 1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1112 में प्रविशित है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II श्रहमदाबाद

तारीख: 12-10-78

# प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

# भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनाक 12 श्रक्तूबर 1978

निदेश र्नं पीम्रार 626/एसीक्य/23-1138/19-7/78-79 ---- प्रतः मुझे एस० सी० परीख भायकर भाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य, 25,000/- द० से प्रधिक है जिसकी सं वार्ड नं ० ६ नोंध नं ० 1276 भ्रौर 1277 है। तथा जो महीदरपुरा, भाट गोरी, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भ्रग्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उकत श्रिवित्यम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/ या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या घर्य्य प्रस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922(1922 का 11) या 'उक्त श्रिधनियम', या धन-कर श्रिधनियम', या धन-कर श्रिधनियम', या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उंक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म के अनुतरण में, मैं, उंक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्षधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) चम्पकलाल नगीनदास, (2) हसमुख लाल नगीनदास, (3) अश्ववंत लाल नगीनदास, (4) सानाबेन नगीनदास महीधरपुरा, भूत शेरी सूरत (श्रन्तरक)
- श्री पुष्पाबेन वसंतलाल महीधरपुरा, भूतशेरी, सूरत (भ्रन्तरिती)

को यह सूंचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पश्चें का, जो 'उक्त भिन्न नियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही पर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

जमीन श्रीर मकान जो वार्ड नं० 6 नोध नं० 1276 श्रीर 1277 महीधरपुरा, भूत गोरी, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 88+71-158 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी सूरत द्वारा मार्च 1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1677 श्रीर 1722 में प्रदर्शित है।

> ्एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

तारीख: 12-10-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष(1) के श्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, म्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 श्रमतूबर, 1978

निदेश नं० पी ग्रार627/एसीक्यू 23-1139/19-7/78-79----भ्रतः मुझे एस० सी० परीख

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

स्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 10/1095-ए स्रौर 1095/बी है। तथा जो लीमडी कुई, गोपीपुरा, सूरत में स्थित है (स्रौर इस उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह भ्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण म, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत:---

- श्री बाबूभाई चिमनलाल जाबेरी, स्वयं तथा एच० य० एफ० के मेनेजर अमलीरन मकुभाई मूनसफ शेरी, सूरत (श्रन्तरक)
- 2 (1) श्री भुबन चन्द्र दुलाल चन्द्र मंडल,(2)मोहन चन्द्र दुलाल चन्द्र मंडल (3) कमल चन्द्र दुलाल चन्द्र मंडल, श्रमलीरन, मक्भाई मुनसफ गोरी, सूरत । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबब
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पवों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन और मकान जो वार्ड नं० 10 नोंध नं० 1095-ए और 1095-बी लीमडी कुई, गोपीपुरा, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 149 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, सूरत दारा मार्च 1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1776 में प्रदिश्ति है ।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11 श्रहमदाबाद

तारीख : 12-10-1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269य(1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 12 श्रक्तुबर 1978

निदेश नं ० पीम्रार 628/एसीक्यू 23-1140/7-4/78-79---म्रतः मझे एस० सी० परीख

भागकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से मिधिक है ग्रीर जिसकी सं० एस० नं० 640 पैकी है। तथा जो संघ कुवा, नवसारी, जिला बलसाड में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद प्रनस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकर्रण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 14-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृग्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आंच की बाबत; उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उत्रत श्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत श्रविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रवीन। निम्निविति व्यक्तियों अर्थात !---

- (1) रमजलाल खंडभाई काशी, (2) विजय कुमार रनमणलाल वाशी,(3) किरीर कुमार रमणलाल वाशी, तीनों के कुल मुख्तार : नटवरलाल खंडभाई जुना थाना, नवसारी (श्रन्तरक)
- 2. श्री करसनीभाई नागजीभाई पटेल सरदार पटेल सोसायटी, नवसारी, जिला वलसाड (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपद्य में प्रकाशन की सारीख से 45 किन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसुधी

खली जमीन जो स० नं० 640 पैकी संघकुवा, नवसारी में स्थित है जिसका कुल माप 5522 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी नवसारी द्वारा मार्च 1978 में दर्ज किये यगये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1625 में प्रदर्शित है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 12-10-1978

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भिभित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के भधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज र श्चहमदाबाद श्चहमदाबाद, दिनांक 10 श्वन्तूबर 1978

न० एसीक्यू 23-3-1694(734)/16-5/77-78---ग्रतः मुझे एस० सी० परीख

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- सक से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नं० 1298, है। तथा जो लाटी स्ट्रीट नं० 6 मोरबी में स्थित है (श्रौर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मोरबी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-3-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रक्षिक है भीर अन्तरिक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के ध्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः ग्रन, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-म की उपवारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, श्रयीतः ---

- 1. इन्नासीम बच् 4 खाली शेरी, मोरबी
- (भ्रन्तरक)
- (1) रमणीकलाल छगनलाल पटेल खापार रोड, मोरबी
   (2) मनसुखलाल गोविंदजी धेरिया, महावीर सोसायटी,
   मोरबी, (3) श्रिभयकांत श्रम्तलाल मेहता, 10 शबती
   प्लाट, मोरबी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रद्योहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रयं होगा जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन जो स० नं० 1298 गांव बजेपुर, लाटी स्ट्रीट नं० 6 के साथ, मोरबी में स्थित है जिसका कुल माप 3 एकड 36 गृंथा है (18,876 वर्ग गज) है जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी मोरबी द्वारा 14-3-1978 को किये गये रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 286 में प्रदिशत है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 श्रहमदाबाद

तारीख: 10-10-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---ग्रायकर ग्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के ग्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1978

सं० एसीक्य् 23-<sup>[-</sup>1722(735)/16-6/77-78—श्रतः मुझे,एस०सी० परीख

स्नायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-ख के स्नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से स्नधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 33-बी 'डोली' नामक मकान है सथा जो हरीहर को० ग्रा० हा० सोसायटी लिमिटेड कलावाड रोड के दक्षिण में, राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 31-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिष्ठिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कश्यत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उन्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, म, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथींस्.—

- 1. श्री विपिन निशनु प्रसाद अंजारिया 33-बी, हरीहर को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, कलावाड रोड के दक्षिण में, राजकोट (अन्तरक)
- श्री भासकर राव कस्याणराव रिकानी 'सौरमे'' सरोजनी रोड, सांता ऋ्ज, बम्बई । (श्रग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसो अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्राध्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

'डोली' नामक मकान जो प्लाट नं० 33-बी हरिहर को० म्ना० साउसिंग सोसायटी लिमिटेड, कलावाड रोड़ की दक्षिण में राजकोट में स्थित है जिस का कुल क्षेत्रफल 306-2-0 वर्ग गज है जैसा कि राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी राजकोट द्वारा 31-3-1978 को दर्ज किये गये राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 215 में प्रविशित है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज I शहमदाबाद

तारीख: 10-10-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-I, श्रष्टमदाबाद भ्रहमदाबाद, दिनांक 10 श्रक्तुबर 1978

सं० एसीन्य 23-I-1724(736)/16-6/77-78---- प्रतः मुझे, एस० सी० परीख भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-व्पए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 451, प्लाट नं० 101 है। तथा जो मेन रोड, रेस कोर्स श्रमूपाली टाकीश तक राजकोट म स्थित है (श्रीर इससे उपाबड धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है),रजिस्ट्री-कर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत, से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मिश्रिनियम के ममीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुबिधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रिश्चित्यम की घारा 269-ग के ग्रमुसरण में, मैं, उक्त ग्रिश्चियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रिशीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:—— 11—356 GI/78

- श्री कुसुमबेन जमनादास मेहता, जगनाथ प्लाट नं० 16, राजकोट । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री छोटालाल दुरलभजी तथा श्रीमित जसवंत छोटालाल, जगनाथ, प्लाट, 21/29, राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितब के किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रथ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

# भनुसूची

खुली जमीन जो स० नं० 451 प्लाट नं० 101, भ्रमृपाली टाकीज के सामने, राजकोट में स्थित है जिसका कुल माप 251-4-0 वर्ग गज है जैसा कि राजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी राजकोट द्वारा 2-3-1978 को दर्ज किये गये राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 760 में प्रदर्शित है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1,श्रहमदनबाद

**तारीख: 1**0-10-1978

मोहरः

प्ररूप माई० टी॰ एन० एस०---

भायभर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व(1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद ग्रहसदाबाद, दिनांक 10 ग्रक्तूबर 1978

सं० एसीक्य्० 23-I-1795(737)/16-1/77-78—-श्रतः मझे. एस॰ सी० परीख

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य, 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टीका नं० 8 पैकी नं० 526 नं० 2, लेख नं० 2780 ता० 19-6-23 शीट नं० 57, नं० 495 है। तथा जो जिन मिल प्लाट लिखर्टी सिनेमा के सामने, धोराजी, जि० राजकोट में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, घोराजी में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर धन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे धन्तरक (भन्तरकों) भीर धन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे धन्तरक (भन्तरकों) भीर धन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे धन्तरक (भन्तरकों) के सम्म पामा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जन्त धन्तरण लिखित में वास्तविक स्पर्स किथत नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर वैने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या भग्य भास्तियों का, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम या घन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना जाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिये।

भतः मन, उनतं मिनियमं की धारा 269-ग के मनूसरण में, में, उनतं भिनियमं की धारा 269-मं की उपधररा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवति ——

- श्री रमणीकलाल भगवानजी पटेल तथा घ्रन्य, प्रो० धोराजी जिन मिल कम्पनी, लिबर्टी सिनेमा के सामने, घोराजी, जिला राजकोट । (ग्रन्तरक)
- 2. डा॰ मिस हेमांगिनी चंपकलाल तिवेदी तथा श्रन्य, प्रो॰ डा॰ तिवेदी मेटर्निटी एण्ड नर्रासग होम, जिन मिल प्लाट के पास, लिबर्टी सिनेमा के सामने, धोराजी, जिला राजकोट।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोका ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसनें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित ह, वही ग्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

इमारत जो डा० तिबेदी मेटर्निटी एण्ड नर्सिंग होम, धोरजी नाम से प्रख्यात है जो टीका नं० 8 पैकी नं० 526 नं० 2 लेख नं० 2780 ता० 19-6-23 (शीट नं० 57 नं० 495) धोराजी में स्थित है जिसका कुल माप 630 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी धोराजी द्वारा 6-3-1978 को दर्ज किए गए रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 326 में प्रदिशित है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख 10-10-1978 मोहर: प्रकप ग्राई० टी॰ एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I श्रहमवाबाद श्रहमदाबाद, दिनाक 21 श्रक्तूबर, 1978

नं० एसीक्य 23-I-1721 (740)/16-6/77-78—ग्रत: मुझे एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के भंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० ग्रीर जिसकी सं० रहायशी मकान, 395-6-84 वर्ग गज जमीन पर स्थापित है तथा जो लालजी पारेख स्ट्रीट, खद्मीवाड, राजकोट में स्थित है (ग्रीर इस उपबाद ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 14-3-1978 की पृथींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है घीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से इक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: --

- (क) प्रश्तरण से हुई भिसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के घंधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः घर, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निक्तिसियात अधितयों, अर्थात् !---

- श्री कनैयालाल दलपतराम भरेता स्वयं तथा श्रीमति नर्मदाबेन दासपतराम भरेता श्रीर ग्रन्य के पावर श्राफ श्रटानी की हैसियत से —
- शक्तीनगर सोसायटी मुख्य मार्ग, राजकोट (अन्रतक)
- श्री परजीया सोनी जसुभाई राठोर भाई ट्रस्ट के श्री जिवणलाल लालजी राणपुरा तथा ग्रन्य, खत्नीवाड, लघुम्मा अतारा स्ट्रीट, राजकोट (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~-

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जो सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त प्रिक्षितियम, के शब्दाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही शर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

# ग्रनुसृची

खत्नीवाड, लालजी पारेख स्ट्रीट राजकोट में, 395-6-84 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली जमीन पर स्थापित रहायणी मकन, जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी राजकोट द्वारा रजिस्ट्री किये गये बिक्री दस्सावेज नं० 893 ता० 14-3-1978 में दिया गय है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

तारीख: 21-10-1978

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • -----

भायकर मर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के घंधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमवाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 21 श्रक्तूबर 1978 नं एसीक्यू 23-I-1730(741)/18-1/77-78---- ग्रतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-छ के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नं० 2 पैकी 3, 4, 6, 7, 8, 9, 14, 34, 35, 36, 37, तथा 38, सर्वे नं० 884 में है तथा जो धांगप्रा मोरबी रोड़ की बोरीनी बोर, पुल के पास, धांगधा में स्थित है (ब्रीर इस उपाबद्ध प्रवृक्षची में ग्रीर पूर्ण रूप वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धांगधा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 23-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के पृथ्यमान प्रतिपाल के लिए श्रन्तरि**त की गई है और मु**झे यञ्च विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके कृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रत्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिन्न-नियम के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- **(वा) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य अ**स्टित्यों को, जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर घषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: मन, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनु-गरण में, मैं, उनत प्रधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- 1. (1) श्री शार चंद्रलाल कमलचंद तथा (2) श्री शार वलीचंद मगनलाल, ग्रीन चौक धांगधा, जिला सुरेन्द्रनगर (ग्रन्सरक)
- श्री जडेश्वर को० भ्रो० रा० सो० लिमिटेड, ध्रांगध्रा, प्रेसीडेन्ट श्री बी० एन० कवानी केयर भ्राफ भ्रसिस्टेन्ट कलेक्टर भ्राफिस मनमेरलुन, ध्रांगध्रा जिला सुरेन्द्रनगर के मार्फत । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना **कारी करके पूर्वीक्त** सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाह्यियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध म कोई ी ग्रीक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी व्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पवीं का, जी उक्त भ्रधिनियम के महयाय 20~क में परि-भाषित हैं वही मधै होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

### धनुषुषी

खुली जमीन का प्लाट नंबर 2 पैकी 3, 4, 6, 7, 8, 9, 14, 34, 35, 36, 37 तथा 38 सर्वे नं० 884 में जो धांगधा मोरबी रोड़ के बोरीनी घोर बाहिनी छोर पूल के पास, कासिंग, धांगधा में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी धांगधा द्वारा रजिस्टी किये बिकी दस्तावेज नं० 299 ता० 23-3-1978 में दिया गया है।

> एस० भी० परीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज-I घहमदाबाद

तारीष 21-10-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० ---

ग्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रोंज- , म्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 23 भ्रक्तुबर, 1978

निदेश सं० पीग्रार 629/एसीक्यू-23-1087/7-4/78-79----ग्रतः मुझे एस० सी० परीख

ग्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० टीका नं० 9/1 सर्वे नं० 48 पैकी है। तथा जो मालेकवाड, नवसारी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-3-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिविनियम के ग्रिवीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रत: श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-न्न की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों स्रथीत्:—

- 1. (1) वाई० खेरुनीता नसीरुद्दीन (2) नाहेरुनीसा फरीदीन (3) जमीलुनीसा राजीयुदीन (4) नजमूनीसा ग्रमीरुदीन मालेकवाड, नवसारी (ग्रन्तरक)
- 2. श्री छोटुभाई नारनजी पटेल एण्ड कम्पनी, भागीदार : छोटुभाई नारनजी भाई पटेल, 11/132, नानावन सूरत। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20−क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

जमीन श्रीर मकान जो टीका नं० 9/1 स० नं० 48 पैकी, मालेकवाड नवसारी में स्थित है जिसका कुल माप 20473 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नवसारी द्वारा मार्च, 1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1102 में पूर्वाशत है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

तारीखः 23-10-1978

# प्रस्प आई० टी० एन०एस०—

# भ्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 289घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-11 ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 अक्तूबर 1978

निदेश नं पीम्रार 630/एसीक्यू 23-1108/19-8/78-79-भ्रतः मुझे एस० सी० परीख

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- छपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी संव वार्ड नंव 5 नोंध नंव 9.33 है तथा जो जाड़ा खाड़ी, महीदरपुरा, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची) में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकृरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 20-4-1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) घीर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है म्—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उनत अधि-नियम के मधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिख में इसी करने या उससे बचने में मुबिधा के लिए; और था
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिष्टियम, 1922 (1922 का 11) या उपत घिष्टियम, या घनकर घिष्टि नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269ण की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नशिचित व्यक्तियों प्रचीत् :---

- 1. श्रीमद सुरेश्वर भगवान, श्रीमद नृसिहाचार्य, नृसिह श्राश्रम भूतडी झांपा बड़ौदा (श्रन्तरक)
- 2. श्री सूरती कंसारा पंच शुभेच्छक मंडल द्रस्टी : 1. जगजीवनदास छिवलदास 2. बाबूभाई फकीरचन्द, 3. ब्रिमोवनदास दामोदर दास 4. जेठालाल मोतीराम, 5. चिमनलाल ललुभाई 5/962, जाडा खाडी, महींदरपुरा सूरत । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

जरूत सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही प्रथं होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन ग्रौर मकान जो वार्ड नं० 5 नोंध नं० 933 जाडा खाड़ी, महीदरपुरा सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 228 वर्ग गज है जैसा कि रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी, सूरत द्वारा एप्रिल 1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2331 में प्रदर्शित है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ग्रा, श्रहमदाबाद

तारीख: 23-10-1978

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-----ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के ग्रिथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 श्रक्तूबर 1978

निदेश नं ० पी ० ग्रार० 63 1/एसी क्यू 23-1141/6-1/78-79 —--ग्रतः मुझे एस० सी० परीख

भ्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

स्रीर जिसकी सं ० न ० 532 (पैकी) प्लाट न ० 24, 25, 28, 29, 32, 33 है तथा जो सथाजी गंज, रेस कोर्स रोड़, विश्वास कालोनी बडोदा में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बडोदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन मार्च 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उग्रसे बचने में सुविधा के लिए ; श्रीर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य ग्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, श्रथीत:—

- के० ए० एम० पटेल, एण्ड कं० 205, यशकमल बिल्डिंग स्टेशन रोड, बडौदा। (अन्तरक)
- (1) श्री सर्यू सुभाशचन्द्र पटेल, 1-ए, ग्रल्कापुरी शापिंग सेन्टर, रेस कोर्स रोड, बडोदा
  - (2) सुलोचना दीनूभाई देसाई 2-ए, स्टेरिलंग एपार्ट-मेन्ट्सरेस कोर्स रोड, बडौदा-5।

(भ्रन्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लट न० 1-ए जो स० नं० 532 (पैकी) प्लाट नं० 24, 25, 28, 29, 32, 33, अल्कापुरी सापिंग सन्टर, विश्वास कालोनी रेस कोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा द्वारा मार्च, 1978 में दर्ज किये गये रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 679 में प्रदर्णित है।

एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, म्रहमदाबाद

तारीख: 24-10-1978

म'हर:

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 17th October 1978

No. A.35017/1/75-Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even number dated 9th November, 1977, Shri H. R. Singh, Accounts Officer of the office of AGCR, is appointed to officiate, on deputation basis, as Accounts Officer a gazetted class II post, General Central Service, in the office of the Union Public Service Commission for a further period of one year with effect from 9-9-78 or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN

Under Secy. for Secy.

Union Public Service Commission

#### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 4th November 1978

No. 87 RCT 28.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. S. Rathour, a permanent Assistant of the Central Vigilance Commission, as Section Officer in this Commission in an officiating capacity with effect from 26-10-78 to 18-11-78 or until further orders, whichever is earlier.

SHRI NIVAS, Under Secy.

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPTT. OF PERSONNEL & A.P.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 19th November 1978

No. A-19036/19/76-AD.V.—Consequent on his repatriation to the Rajasthan State Police, Shri N. K. Tripathi Dy. Sundt. of Police/Central Bureau of Investigation, and an Officer of the Rajasthan State Police relinquished charge of the Office of Dy. Supdt. of Police in Central Bureau of Investigation with effect from afternoon of 28-10-1978.

JARNAIL SINGH Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

### MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF REVENUE) DIRECTORATE OF ANTI-SMUGGLING

New Delhi, the 12th August 1978

No. 1.—In pursuance of this Directorate's order F. No. 203/1/DAS/77, dated the 5th June, 1978 S/Shri O. S. Ahmed & K. S. Chawla, Inspector General Excise (SG) of the Allahabad & Patna Central Excise Collectorates respectively, on their appointment as Inspecting Officer (Group B), on deputation basis, assumed charge of the said posts in this Directorate in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 plus 25% special pay with usual allowances as admissible under the Rules, in the forenoon of 13th June and until further orders.

BHARAT B. JULKA Director of Anti-Smuggling

# (DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS) BANK NOTE PRESS

Dewas, the 2nd November 1978

No. BNP/C/5/78.—In continuation to this Department's Notification of even number dated 30-8-78 the ad-hoc appointment of Shri N. G. Kibe, as Accounts Officer in Bank Note Press, Dewas is extended for a further period from 1-8-78 to 31-12-78 on the same terms and conditions.

M. V. CHAR Dy. General Manager

### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT (OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA)

New Delhi, the 10th November 1978

No. 1505-CA-1/349-69.—Additional Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has permitted Shri S. N. Palsane, Audit Officer (Commercial) to retire voluntarily from Government service under provision of Government of India, Ministry of Home Affairs O.M. No. 25013/7/77-Estt (A), dated 26-8-77 with effect from 23-9-1978 (AN).

S. D. BHATTACHARYA Joint Director (Commercial)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL JAMMU AND KASHMIR

Srinagar, the 7th November 1978

No. Adm.I/60(60)/78-79/2801-08.—The Accountant General, Jammu and Kashmir has appointed Shri Moti Lal Dhar (date of birth 17-8-1939), a permanent Section Officer of this office, to officiate as Accounts Officer w.e.f. the forenoon of 30th October, 1978 till further orders.

M. M. MUBARAKI Sr. Dy. Actt. General

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, RAJASTHAN

Jaipur, the 3rd November 1978

No. Admn. II/G-G.Notification/940.—The Accountant General is pleased to appoint Shri H. S. Dev, Section Officer of this Office as Officiating Accounts Officer until further orders w.e.f. 26-4-77(FN) on proforma basis.

(Sd.) ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General, Admn.

# OFFICE OF THE CHIFF AUDITOR, N.E. RAILWAY, GORAKHPUR

Gorakhpur, the 30th October 1978

No. Admn/18-6(2)/68.—Shri Krishna Kumar Gupta, an officiating Audit Officer of the Office of the Chief Auditor, North Eustern Railway, Gorakhpur expired in the forenoon of 18th October, 1978.

(Sd.) ILLEGIBLE Dy, Chief Auditor

### MINISTRY OF DEFENCE

D. G. O. F. HORS CIVIL SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 1st November 1978

No. 14/78/A/E—1.—On attaining the age of superannuation. Shri Amarendra Nath Chaudhurl, Subst. & Permt. A.S.O. retired from service with effect from 31.10.78 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTI ADGOF/Admin,

for Director General, Ordnance Factories.

# INDIAN ORDNANCE & ORDNANCE EQUIPMENT FACTORIES

Calcutta, the 7th November 1978

No. 11/78/A/M.—The President is pleased accept the resignation of Dr. Erikrishna Mahapatra, Asstt. Medical Officer, Ordnance Factory Bhandara w.e.f. 8-6-78(F.N.).

K. C. SAKSENA
Director of Health Services
for Director General, Ordnance Factories

# INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 28th October 1978

No. 69/G/78—On attaining the ago of superannuation the undernoted officers retired from service with effect from the date shown against each:—

Si. No.	Name and Designation		Date o	f retirement
(	Shri P. Roy, Offg. DADGOF Subst. P Permt. DADGOF)	30t	h Apr.,	1975/AN
I	Shri N. N. Sinha, Offg. Sr. DADGOF (Subst. & Permt. DADGOF)	31st	Jan.,	1976/AN
3. S	Shri Sanat Kumar Ray, Subst. Permt. Sr. DADGOF	31st	Jan.,	1976/AN
I	Shri B. B. Chatterjee, Offg. Sr. DADGOF (Subst. & Permt. DADGOF)	29th	Feb.,	1976/AN
5. S	Shri B. N. Ray, Subst. Permt. ADGOF Grade II	29th	Feb.,	1976/AN
	Shri B. M. Taneja, Subst. & Permt. ADGOF Gr. I	31st	Mar.,	1976/AN
	Shri K, C. Paul, Offg. AD OF Grade II (Subst. Permt. Sr. DADGOF)	31si	Mar.,	1976/AN
T	Shri B. C. Neogi, Offg. Sr. DADGOF (Subst. & Permt. DADGOF)	30th	Sept.,	1976/AN
	Shri T. V. Chidambaram, Subst. & Pormt. DADGOF	30th	Sept.,	1976/AN
Γ	Shri J. P. Das Gupta, Offg. Sr. DADGOF (Subst. & Permt. DADGOF)	31st	Dec.,	1976/AN

#### The 4th November 1978

No. 75/78/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. N. Dhir, Subst. & Permt. Deputy Manager retired from service w.e.f. 31-5-1978(A/N).

V. K. MEHTA

Assistant Director General, Ordnance Factories

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A—I)

New Delhi-1, the 7th November 1978

No. A—1/1(1103)/78.—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri G. Nandiga, Superintendent to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Admn.) (Grade II) in the office of the Director of Inspection(Met.), Burnpur with effect from the forenoon of the 16th October, 1978 and until further orders.

SURYA PRAKASH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

# MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 4th November 1978

No. 7410 B/2222(PKM)/19A.—Shri Pradecpta Kishore Mohanty is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 12th September. 1978, until further orders.

No. 7422B/2222(MHP)/19A.—Shri Mantha Hari Prasad is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month 12—356GI/78

in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/—in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 11th September, 1978, until further orders.

#### The 6th November 1978

No. 7471B/2222(VKK)//19A.—Shri Vasant Kisan Khadse is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 7th September, 1978, until further orders.

### The 7th November 1978

No. 7501B/2222(NVV)/19A.—Shri N. V. Venkatraman is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 31st August, 1978, until further orders.

No. 7512B/2222(KGR)/19A.—Shri Kadavallur Gopalu-Krishnan Radhakrishnan is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forence of the 30th August 1978, until further orders.

No. 7525B/2222(KK)/19A.—Shri K. Kumaran is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 4th September, 1978, until further orders.

No. 7537B/2222(AKW)19A.—Shri Ashok Kumar Wangu is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 13th September, 1978, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY Director General

# INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 7th November 1978

No. A. 19012(103) /78—Estt. A.—Shri R. K. Ghonge. Senior Technical Assistant (Ore Dressing) is promoted to officiate as Assistant Chemist (Ore Dressing) in Indian Bureau of Mines on ad hoc basis with effect from the forenoon of 16th October, 1978, until further orders.

No. A. 19012(104)/78—Estt. A.—Shri R. A. Mishra. Senior Technical Assistant (Ore Dressing) is promoted to officiate as Assistant Chemist (Ore Dressing) in Indian Bureau of Mines on ad hoc basis with effect from the forenoon of 16th October 1978, until further orders.

### The 9th November 1978

No. A-19012(107) /78--Estt. A.—Shri K. S. Shami, officiating Superintendent Indian Bureau of Mines is promoted to Officiate as Assistant Administrative Officer in Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 24th October, 1978, until further orders.

S. BALAGOPAL Head of Office Indian Bureau of Mines

# SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehradun, the 4th November 1978

No. C-5428/707—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India

in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purley on ad-hoc provisional basis:—

SI. No.	Name and Designation	Unit/Office	With effect from
1.	Shri Yashpal Kalra, Scientific Assistant, Ord, Gd,	No. 69(Computing Party (G&RB), Dehradun.	12th May 1978 (FN)
2,	Shri N.C. Ray, Surveyor Sel, Gde.	No 35 Party (NEC) Gauhati	11th August 1978 (FN)
3.	Shri A.K. Uniyal, Surveyor Sel, Gde.	No. 19 Party (G&RB) Dehra Dun.	22nd Sept., 1978 (FN)
4.	Shri K. S. Mamdhari, Scientific Assistant, Ord, Gdo,	No. 19 Party (G&RB) Dehra Dun,	22nd Sept., 1978 (FN).
5,	Shri Bhagwan Singh, Geodetic Computer, Ord, Gde.	No. 69 (Computing Party) (G&RB), Dohra Dun.	22nd Sept., 1978 (FN).
6.	Shri J.L.J. Rao, Surveyor Sel, Gde,	Pilot Map Pro- duction Plaut Hyderabad.	25th Sept., 1978 (FN)
7.	Shri Balram Singh, Draftsman Division I Sel. Gde.	No. 6 Drawing Office (NC), Dehra Dun,	3rd October 1978 (FN)

#### The 8th November 1978

No. C--5431/1718/718—A.—Shri Van Khuma, Officiating Office Superintendent (Sr. Scale), Centre for Survey Training and Map Production, is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on ad-hoc basis in Survey Training Institute. Survey of India, Hyderabad, on pay of Rs. 840/- p.m. in the scale of pay of Rs. 840—40—1000-HB—40—1200 with effect from 1st July 1978 (FN) vice Shri H. D. Chakraborty, Establishment and Accounts Officer retired on superannuation on 30th June 1978 (AN). No. C--5431/1718/718--A.-Shri Van Khuma, Officiating

K. L. KHOSLA Major-General. Surveyor General of India

# MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY DIRECTORATE

### New Delhi, the 6th November 1978

No. A. 38013/1/78—Est.—On attaining the age of superannuation, Shri H. B. Bhattacharya, Assistant Production Manager (Printed Publicity) in the Directorate of Advertising & Visual Publicity, retired from Government service on the afternoon of 30th September, 1978.

> R. DEVASAR Deputy Director (Admn.) for Director of Advertising and Visual Publicity

### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICE New Delhi, the 8th November 1978

No. A.31013/4/77(ATIPMR) Admu.L.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri G.T. Matta in a substantive capacity in the nost of Chief Vocational Guidance Department, All India Institute of Physical Medicine and Rehabilitation, Bombay, with effect from the 10th August. 1976.

### The 10th November 1978

No. A. 12026/24/78(AUUPH) Admn.I.—The President of the ISS, and to post him as Professor of Statistics at the All India Institute of Hygine and Public Health, Calcutta with effect from the forenoon of 12th October, 1978, on a temporary basis and until further orders.

> S. L. KUTHJALA Deputy Director Admn. (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

N. H. IV, Faridabad, the 8th November 1978

No. F. 4—6(100)/78—A. III.—Shri R.M. Parate, officiating Assistant Marketing Officer, has been relieved of his duties in this Directorate at Bombay with effect from 6-2-1978 (F.N.), to join the post of Deputy Marketing Manager (Grade II) in the State Trading Corporation of India Ltd on 'National' foreign service.

#### The 9th November 1978

No. A. 19023/4/78-A.III.-The short term appointment of the following officers to the posts of Marketing Officer (Group I) have been extended upto 31-12-78, or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

- 1. Shri S. B. Chakravarty
- 2. Shri S. V. Krishnamurthy
- 3. Shri R. V. Kurup
- 4. Shri K. Suryanarayana
- 5. Shri S. P. Bhasin
- 6. Shri A. C. Guin
- 7. Shri R. Narasimhan
- 8. Shri M. Chakraborty

A.19024/5/78-A.III,—The short-term of Shri Chandra Prakesh to the post of Chief Chemist has been extended upto 31-12-78, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. A. 19024/9/78—A.III.—The short-term appointment of Shri A.A.S. Prakasa Rao to the post of Chief Chemist has been extended upto 31-12-78, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. A.19025/65/78-1.III—The short term appointment of the following officers to the posts of Assistant Marketing Officer (Group I) have been extended upto 31st December, 1978, or until regular arrangements are made, whichever is earlier:—

S/Shrl	S/Shri
1. R.S. Singh	14. S.D. Kathalkar
2. B.N.K. Sinha	15. R.K. Pandey
3. Nand Lal Singh	16. M.J. Mohan Rao
4, A,N, Rao	17. K.K. Sirohi
5, R.V. S. Yadav	<ol><li>18. Mrs. Anusuya Siyarajan</li></ol>
6, M.P. Singh	19. V.E. Edwin.
7. D.P. Singh	20, S.P. Saxena
8. H.N. Rai	21. N.G. Shukla
9. D.N. Rao	22. R. C. Singhal
10, S.P. Shinde	23. H.N. Shukla
11. R.C. Munshi	24. K.G. Wagh
12, K.K. Tiwari	25. S.T. Raza
13. S.K. Mallik	26. S. Suryanarayana Murthy.

B.L. MANIHAR, Director of Administration, for Agricultural Marketing Adviser

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

### Bombay-85, the 10th November 1978

No. M/881—MED/Estt. IV/10390.—Controller, Bhabha Atomic Assearch Centre appoints Smt. Roshan Burjor Mistry, a permanent Sister and officiating Assistant Matron, to officiate as Matron, in this Research Centre from October 23, 1978 to November 22, 1978 AN vice Smt. T. R. Valsangkar, Matron, sent to attend the 23rd Course on Hospital Administration. ministration at New Delhi.

R. L. BATRA Dv. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 7th November 1978

No. AMD-1/10/77-Adm.-The Director, Minerals Division of the Department of Atomic Atomic Energy Minerals Division of the Department of Atomic Energy appoints Shri Lachhmi Narain, Assistant of Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same division in a purely temporary capacity w.e.f. 27-9-19/8 to 7-11-1978 vice Shri J. R. Gupta, Assistant Personnel Officer proceeded on training.

Sr. Administrative & Accounts Officer.

### HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 13th November 1978

No. HWPs/1/R-9/5200.—Consequent on attaining the age of superannuation, Shri Maruti Mangesh Kasbekar, Permanent Assistant Accounts Officer of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Accounts Officer II in Heavy Water Projects (Central Office) retired from service on the afternoon of July 31, 1978.

R. C. KOTIANKAR Senior Administrative Officer

### DEPARTMENT OF SPACE CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 2nd November 1978

No. 10/3(44)/78-CED(H).-- Chief Engineer, Civil Eng. Division, Department of Space is pleased to appoint Shri A Lakshmana Raja, an Assistant Engineer of the Public Works Department of the Government of Tamil Nadu, on deputation as Engineer SB in Civil Engg. Division, Department of the Government of Tamil Nadu, on deputation as Engineer SB in Civil Engg. Division, Department of the Country of the Count ment of Space in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 11, 1978 and until further orders.

> P I U NAMBIAR Administrative Officer-II for Chief Engineer

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th October 1978

No. A. 32013/4/77-EC.—The President is pleased appoint the following two Asstt. Communication Officers to the grade of Communication Officer on ad-hoc basis with effect from the date indicated against each for a period of six months and to post them at the station indicated against

- S Name Present stn. Station to Date of assue No. of posting which posted mption of charge
- 1. Shri R. K. ACS Calcutta ACS Calcutta 22-6-78 (FN) Mukheriee
- 2. Shri F. J. ACS, Madras ACS, Madras 28-6-78 (FN) Rodrigues

No. A. 32013/14/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri B. R. Chaturvedi, Asstt. Director of Communication, DGCA (HQS.) working on ad-hoc basis to the grade of Deputy Director/Controller of Communication on regular basis with effect from 4-9-78 (FN) and to post him in the same office.

No. A. 38012/1/77-EC.—Shri J. N. Ganguly, Technical Officer in the Office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Calcutta relinquished charge of his office on 28-2-1978 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

### The 25th October 1978

No. A.32013/11/77-EC.—The President is pleased appoint Shri S. Venkateswaran, Technical Officer, ACS, Bombay as Senior Technical Officer on regular basis with offect from 31-7-78 (FN) and to post him in the Office of the Regional Director, Bombay.

> S. D. SHARMA. Dy. Director of Adma-

### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Kanpur, the 1st November 1978

No. 28/78,—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/4|1978 dated 9-1-78 issued under endt. C. No. II-22-Et/78/44 Dated 9-1-78, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 Shri Raminder Singh Inspector (SG) took over the charge of Supdt. (Vig.) Central Excise Hdqrs. Office, Kanpur in the forenoon of 2-2-1978.

No. 40/78.—In pursuance of Esti. Order No. I/A/149/78 dated 1-6-78 & I/A/212/78 dated 19-7-78 issued under C. No. II-22-Et/78/27369 dated 1-6-78 and 35862 dated 21-7-78, Shri S. K. Gadhok, Superintendent, Group 'B' handed over the charge of Supdt. Group 'B' D. C. Office, Meerut to Shri D. N. Bhatia Superintendent, in the afternoon of 3-8-78 and assumed the charge of Supdt. in Control Excise. of 3-8-78 and assumed the charge of Supdt. in Central Excise Division Meerut in the forenoon of 8-8-78.

No. 44/78.—Shri Raghubar Dayal officiating Superintendent, Central Excise, Group 'B' MOR.II Farrukhabad handed over the charge of Superintendent, Central Excise, MOR. II Farrukhabad in the afternoon of 31-8-78 to Shri P. S. Tiwari Superintendent, Central Excise, Farrukhabad and retired from government service on attaining the age of superannuation in the afternoon of 31-8-78.

No. 45/78.—Shri H. P. Pandey officiating Superintendent, Central Excise, Group 'B' Kanpur-II division handed over the charge of Superintendent (Tech.) Central Excise, Kanpur-II in the afternoon of 30-9-78 to Shri R. N. Lal, Superintendent, Central Excise, Kanpur-II and retired from government service on the attaining the age of superannuation in the afternoon of 30-9-78.

K. L. REKHI Collector.

### MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400 001, the 10th November 1978

No. 25-ADMN(1)/78.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the Director General of Shipping hereby appoints Shri K. S. Butaney, Officiating Superintendent in the Directorate General of Shipping as Executive Officer/Freight Investigating Officer in a temporary capacity with effect from the 25th October, 1978 (Forenoon) until further orders.

S. M. OCHANEY, Dy. Dir. Genl. of Shipping

### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the October 1978

No. A-32014/1/77-Adm.V(Vol. II).—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers presently officiating on adhoc basis as Assistant Engineer in the Central Water Commission No. A-32014/1/77-Adm.V(Vol. mission, on a regular basis in the same grade in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the dates shown against each:—

- S. No. Date of regular promotion Name of Officer 1. Shri B. Srinivasacharlu 2 Shri R. K. Bhawal
  - 14-1-78 (A.N.) 9-6-78 (F.N.)
- 2. The above mentioned officers will be on probation in the post of Assistant Engineer for a period of two years from the dates shown against each.

### The 4th November 1978

No. A-19012/744/78-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints on promotion Shri Mchboob Ali, Design Assistant to the grade of E.A.D/AE in the Central Water Commission in the scale of pay Rs, 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from the forenoon of 25th September, 1978 upto the 24th February, 1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

### The 9th November 1978

No. A-19012/4/72-Adm.V.—Consequent upon his attaining the age of superaumoation, Shri P. N. Sethi relinquished charge of the post of Extra Assistant Director, Central Water Commission with effect from the afternoon of 31st October, 1978.

J. K. SAHA Under Secy.

#### CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 9th November 1978

No. 3-310/73-Estt.(E).—Shri P. S. Tahim is appointed as Asstt. Engineer in the Central Ground Water Board at Ahmedabad in an temporary capacity with effect from 25-9-78(FN).

AJIT SINGH, Chief Engineer & Member.

### CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY New Delhi-22, the 9th November 1978

No. 6/11/78-Adm.H.—Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints the undermentioned Technical Assistants to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) service in an officiating capacity with effect from the dates shown against their names, until further orders:—

- 1. Shri A. H. Kulkarni-26-9-78 (Forenoon).
- 2. Shri M. V. S. RajeshwarRao-26-9-78 (Forenoon)
- 3 Shri M. G. Gupta-4-10-78 (Forenoon).

S. BISWAS, Under Secy.

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

### COMPANY LAW BOARD

### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Globe Export Promoters Private Ltd.

Hyderabad-500 001, the 3rd November 1978

No. 1425/560/TA.1.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Globe Eport Promoters Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. S. RAJU Registrar of Companies, Andhra Prodesh, Hyderabad

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Jewel Chit Fund Private Ltd.

Bangalore, the 7th November 1978

No. 1815/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s, Jewel Chit Fund Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Chamundeswari Oils & Protein Extracts Ltd.

### Bangalore, the 7th November 1978

No. 2767/560/78.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Chamundeswari Oils & Protein Extracts Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. N. GUHA Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore

Notice under Section 445(2)

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Amul Transmission Lines Hardware Pvt. Ltd.

Ahmedabad-380009, the 9th November 1978

No. 1303/Liquidation.—By an order dated 1-9-1978 of the High Court of Gujarat, at Ahmedabad in company Petition No. 53 of 1976, it has been ordered to wind up M/s Amul Transmission Lines Hardware Private Ltd.

J. G. GATHA, Registrar of Companies, Gujarat

#### INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 6th November 1978

No. F.48-Ad(AT)/78-P.II.—Shri R. K. Ghosh, officiating Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Jaipur Bench, Jaipur on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of three months w.c.f. 16-8-1978 to 15-11-1978 vide this office Notification No. F.48-Ad(AT)/78-P.II dated 22-8-1978, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Jaipur Bench, Jaipur for a further period from 16-11-1978 to 28-2-1979 or till the post is filled on regular basis by appointment of a nominee of the U.P.S.C. whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri R. K. Ghosh, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to the next higher grade.

P. D. MATHUR President

# OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX DELHI-I

# New Delhi, the 4th November 1978 (INCOME-TAX)

F.No. JUR-DLI/1/78-79/27580.—In cercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 125A of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notifications issued earlier on the subject C.I.T., Delhi-I hereby directs that all or any of the powers or functions conferred on, or assigned to the Income-tax Officer, Company Circle-XX, New Delhi in respect of any area or persons or classes of persons or incomes or classes of income, or cases or classes of cases shall be exercised or performed concurrently by the I.A.C. Range-I-E.

2. For the purpose of facilitating the performance of the functions C.I.T., Delhi-I also authorises the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-I-E to pass such orders as contemplated in sub-section (2) of Section 125A of the Income-tax Act, 1961.

This notification shall take effect from 4-11-1978.

No. JUR-DLI/1/78-79/27711—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 23 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject, the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioners of Incometax mentioned in Col. 1 of the Schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax under said Act in respect of such areas or such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the ITOs of the Districts/Circles mentioned in Col. 2 of the said Schedule:—

### SCHEDULE

Range	Income-tax Distit./Circles			
1	2			
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range-I-A, New Delhi.	1, Company XII, XIII, XXIII, New	XVI and		

1	2	
	2. Chartered Acce Circles, New De	
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Range-J-D, New Delhi.	<ol> <li>Company Circle X, XIV, XV as New Deihi.</li> </ol>	
	2. Special Cir New Delhi.	rele-XV,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range-I-E, New Delhi.	1. Company Cir New Delhi.	elo-XX,

This notification shall take effect from 4-J1-1978.

K. N. BUTANI, Commissioner of Income-tax Delhi-I, New Delhi

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 23rd October 1978

Notice No. 239/78-79/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Revenue Records (Matriz)

No. 2544, situated at Raia Village, Taluka and Sub-District of Salcete, (Goa),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Margao, Under Document No. 355, on 16-3-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

 (1) (a) Shri Lidio Livingstone Berila Da Piedade Menczes, (b) Smt. Dulce Filomena Do Rosaria Rego Menczes, R/o Precy Building, Ground Floor, Fontainhas, Panaji (Goa).

(Transferor)

(2) (a) Shri Morto Pundolica Naik.
(b) Shri Rajan Morto Naik, and
(c) Shri Sajan Morto Naik.
All R/o House No. 203,
Raia Village, Margo Taluka.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thics notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The property is known as "Raicho Ambo" situated at Raia Village, Abutting Margaoponda Road, Half portion of a total area of 6614 Sq. Metres, including a house.

D. C. RAJAGOPALAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Dated: 23-10-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th October 1978

Ref. No. M-103/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

171/1, Bazar Jhao Lal (R. K. Tandon Road), situated at Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 28-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagdish Kumar Bhargava, Advocate & others. (Transferor)
- (2) Shri Mohanlal Pahwa & others.

(Transferee)

(3) Vendor as per 37-C.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property No. 171/1, Bazar Jhaolal (R. K. Tandon Road), Lucknow including land etc. and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G duly registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 28-3-1978,

A. S. BISEN.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquistion Range, Lucknow.

Dated: 7-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1978

Ref. No. JAC/Acq.I/SR.III/397/March-95/78-79.--Whereas, I. J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

E-448 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 31-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely :--

Sint. Mohini Sharma w/o. Sh. Bishambar Sharma, r/o G-8, Police Lines, Kingsway Camp-Delbi through her Attorney Sh. Jagat Parkash.

(2) Shri Harjinder Singh, s/o Shri Mohan Singh, r/o 52/42, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A free-hold plot of land measuring 250 sq. yds. bearing No. E-448, Greater Kailash-II, New Delhi within the limits of Delhi Municipal Corporation, in the Revenue Estate of Village Bahapur and bounded as under:—

East: House No. E-446. West: House No. E-450. North: Road. South: S. Lane.

J. S. GILL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquiistion Range-I, New Delhi.

Dated: 7-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1978

Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

C-10 situated at Connaught Place, New Delhi situated at Chahar Bagh/Shivaji Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---13--356GI/78

(1) Shri Joginder Singh Sandhu, (Karta & Manager of H.U.F.), s/o Shri R. B. Basakha Singh, r/o E-10A, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Dutt, s/o Shri Amar Nath (2) Shri Yog Dutt, s/o Shri Amar Nath (3) Shri Surinder Kumarm s/o Shri Amar Nath, r/o R-671, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One shop bearing No. 8C1/2 (Mupl. No. 10-C and Maznanine floor out of prem House, situated in 'C' Block, Connaught Place, New Delhi, measuring 295 sq. ft, and bounded as under :-

East: Other property. West: Road.

North: Other property. South: Other property.

> J. S. GILL. Competetn Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated: 7-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 7th November 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.JII/375/March-59/78-79.—Wherens, I, J. S. GILL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. C-2 & C-3 situated at Connaught Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Joginder Singh Sandhu (Karta and Manager H.U.F.) s/o S. Basakha Singh, r/o E-10A, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Jagatjit Cotton Textile Mills Ltd., Thapar House, 124-Janpath, New Delhi through its Managing Director Sh. M. M. Thapar & Shri P. C. Virmani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Pacca two shops bearing Municipal Nos. C-2 & C-3 and Maznanini Floors out of Prem House in Block-C, Connaught Place, New Delhi measuring approx. 1392.87 sq. ft. and bounded as under:—

East: Open space.

West: Radial Road No. 4. North: Shop No. C-1. South: Staircase.

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquiistion Range-I, New Delhi.

Dated: 7-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

New Delhi, the 7th November 1978

Ref. No. IAC/Acq.I.SR.III/347/March 17/78-79.—Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269-D of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at 48/172 situated at Jor Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Rajinder Kumar Kakaria, s/o late Shri Labhu Ram Kakaria, r/o 8-Jain Mandir Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Red Roase Estates Pvt. Ltd. 12/48, Maloha Marg, Diplomatic Enclave, New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri B. D. Tayal & M/s. Hindustan Ieyer Ltd. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Double storeyed House with a barasti, on a garage and one servant quarter on Plot No. 48/172, Jor Bagh, New Delhi and bounded as Under:—

East: House No. 47. West: House No. 48-A. North: Road and open lawn. South: Service Lane.

J. S. GILL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated: 7-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 13th October 1978

Ref. No. 402/NWS/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Rahon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shchar on March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Vishwa Mittar s/o Shri Nand Lal, V-15, Mohan Market, Pathankol.

  (Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar s/o Shri Sat Paul, Vill. Rahon, Mohalla Sarafan, Rahon, Teh. Nawan Shehar.
  (Transferce)
- \*(3) As per S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property).
- \*(4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 36 Kanals and 17 marlas in village Rahon as mentioned in sale deed No. 4660 of March, 1978 registered with the S.R. Nawan Shehar.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 12-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 12th October 1978

Ref. No. 403/NWS/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Rahon (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Nawan Shehar on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Sh. Kewal Krishan, Raj Kumar ss/o Shri Nand Lal, Vill. Rahon, Teh. Nawan Shehar, Distt. Jullundur. (Transferor)
- (2) S/Shri Surinder Mohan, Bimal Kumar ss/o Shri Ram Paul, Vill. Rahon, Mohalla Sarafan, P.O. Rahon, Teh. Nawan Shehar.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property,
  (Person whom the undersigned knows
  to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 36 Kanals and 17 marlas in village Rahon as mentioned in sale deed No. 4677 of March, 1978 registered with the S. R. Nawan Shehar.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 12-10-1978

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 13th October 1978

Rcf. No. AP-404/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Abohar

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Abohar on March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mohan Singh s/o Shri Sant Singh s/o Shri Harnam Singh, Gali No. 21, Gaushala Road, Abohar, Teh. Fazilka.
  - (Transferor)
- (2) Shri Des Raj s/o Shri Jetha Ram s/o Shri Khushia Ram, R/o Gali No. 4, Nai Rbadi, Abohur, Teh. Fazilka.
  - (Transferce)
- (3) As per S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property).
- \*(4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/2 share of a house bearing No. 2330 in Gali No. 21 on Gaushala Road, Abohar as mentioned in sale deed No. 2259 of March, 1978 registered with the S. R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 13-10-1978

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 13th October 1978

Rcf. No. AP 405/KPR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Hamira

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Kapurthala on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely;—

 S/Shri Chanan Singh s/o Shri Rur Singh & Gian Singh s/o Chanan Singh, R/o Basti Ibrahim Khan, Distt. Jullundur.

(Transferor)

- (2) Sh. Ajit Singh s/o Sh. Sadhu Singh, R/o Reru, Distt. Jullundur.

  (Transferee)
- \*(3) As per S. No. 2 above, (Person in occupation of the property).
- \*(4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 44 Kanals and 6 marlas in village Hamira as mentioned in sale deed No. 3513 of March, 1978 registered with the S. R. Kapurthala.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 13-10-1978

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 13th October 1978

Ref. No. 406/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), referred to as the 'said Act'), have (hereinafter reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Dhingan Wali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Sh. Sheo Karan s/o Sh. Bhani Ram, R/o Vill. Dhingan Wali, Teh. Fazilka.

  (Transferor)
- (2) Sh. Mohar Chand s/o Sh. Bakhta Ram, R/O Dhingan Wali, Teh. Fazilka.

  (Transferee)
- (3) As per Sl. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property,
  (Person whom the undersigned knows
  to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 80 Kanals in village Dhingan Wali as mentioned in sale deed No. 3077 of March, 1978 registered with the S. R. Abohar.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 13-10-1978

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

### OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 13th October 1978

Ref. No. AP 407/MGA/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Kokari Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moga on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fcilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
14—356GI/78

(1) Sh. Malkait Singh s/o Sh. Pala Singh, R/o Nathu Wala Jadid, Teh. Moga.

(Transferor)

- (2) Sh. Mukhtiar Singh s/o Sh. Karam Singh & Sh. Sunder Singh Sh. Chamkaur Singh, Sunder Singh ss/o Mukhtiar Singh, R/o Purane Wala, Teb. Moga. (Transferee)
- \*(3) As per S, No. 2 above.
  (Person in occupation of the property).
- \*(4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 51 Kanals in village Kokri Kalan as mentioned in sale deed No. 7678 of March, 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 13-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 13th October 1978

Ref. No. AP-408/MKT/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-- and bearing No.

As per schedule situated at Bariwala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muktsar on March 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'sald Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely;—

- (1) Shri Jagan Nath s/o Sh. Nand Ram s/o Sh. Shiv Lal, R/O Bariwala, Teh. Muktsar. (Transferor)
- (2) S/Sh. Basant Singh, Ajmer Singh, Gurbachan Singh & Kesar Singh ss/o Sh. Ram Singh through Sh. Raj Singh, Basant Singh, Cloth Sellers, Bariwala, Teh. Muktsar.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A shop bearing No. 406 in Bariwala as mentioned in sale deed No. 2550 of March, 1978 registered with the S.R. Muktsar.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 13-10-1978

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 13th October 1978

Ref. No. AP409/MSR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Urmar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dasuya on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Jagir Singh s/o Sh. Wasakha Singh, R/o Vill. Fauji Colony Urmar, Teh. Dasuya.

  (Transferor)
- (2) S/Sh. Balraj Singh, Harpal Singh ss/o Sh. Darshan Singh, Vill. Fauji Colony Urmar, Teh. Dasuya.
  (Transferee)
- \*(3) As per S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property).
- \*(4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 41 Kanals and 10 marlas in village Urmar as mentioned in sale deed No. 4269 of March, 1978 registered with the S.R. Dasuya.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 13-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 13th October 1978

Ref. No. AP410/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Abohar on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to bme disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Bhajan Singh Urf Harbhajan Singh s/o Sh. Ram Singh s/o Sh. Naurang Singh (2) Smt. Swaran Kaur wd/o Sh. Ram Singh s/o Sh. Naurang Singh, R/O Vill. Dhani Chirag (Abohar).

(Transferor)

(2) S/Sh. Piara Singh, Kundan Singh & Dara Singh ss/o Sh. Labh Singh s/o Sh. Mukha Singh, Jammu Basti, Abohar, Tch. Fazilka.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, ot the acquisition of the said property may be maed in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 64 Kanals in Abohar as mentioned in sale deed No. 2877 of March, 1978 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 13-10-78.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 20th October 1978

Ref. No. AP411/GRH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Data

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Garh Shanker on March 1978

1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 Sh. Mohinder Singh, s/o Sh. Niranjan Singh s/o Sh. Amar Chand, Vill. Chak Musa Teh. Garh Shanker.

(Transferor)

- (2) Sh. Jaswinder Singh s/o Sh. Piara Singh, Vill, Data & Sh. Sarwan Singh s/o Sh. Rattan Singh, Vill. Mahsopur, Distt. Jullundur.
  (Transferee)
- \*(3) As per S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property).
- \*(4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 Kanals and 17 marlas in village Data as mentioned in sale deed No. 3794 of March, 1978 registered with the S.R. Garh Shanker.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 20-10-1978

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 20th October 1978

Ref. No. AP412/NKD/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Uggi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Balbir Singh s/o Sh. Ram Singh s/o Sh. Gahna Singh, Village Uggi, Teh. Nakodar.

  (Transferor)
- Sh. Malkiat Singh s/o Sh. Narain Singh s/o Sh. Sunder Singh, R/O Vill. Rahimpur.
   (Transferec)
- (3) As per S. No. 2 above, (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 Kanals and 12 marlas in village Uggi as mentioned in sale deed No. 2929 of March, 1978 registered with the S.R. Nakodar.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 20-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, 20th October 1978

Ref. No. AP413/PML/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated Rampura Phool

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phool on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Murli Dhar s/o Sh. Kanshi Ram, Rampura Phool.

  (Transferor)
- (2) M/s Punjab Kissan Ahrat Centre, Rampura Phool. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot measuring 425 sq. yards in Rampura Phool as mentioned in sale deed No. 3592 of March, 1978 registered with the S.R. Phool.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 20-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-

## SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 20th October 1978

Ref. No. AP414/SPL/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at V. Karamjit Pur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur Lodhi on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :-

- (1) S/Sh. Surjit Singh, Baldev Singh ss/o Sh. Tehal Singh s/o Sh. Rajinder Singh, R/O Vill. Karamjit Pur, Teh. Sultanpur Lodhi, (Kapurthala). (Transferor)
- (2) S/Sh. Raghbir Singh, Nasib Singh, Lakhwinder Singh ss/o Sh. Munsha Singh, R/O Yill. Kamrai, Teh. Bholath, Distt. Kapurthala.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above, (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 76 Kanals and @ 151 marlas village Karamjit as mentioned in sale deed No. 2020 of March, 1978 registered with the S.R. Sultanpur Lodhi.

> P. N. MALIK, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 20-10-1978

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, 20th October 1978

Ref. No. AP415/MNS/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Sangha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sardulgarh on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
15—356GI/78

(1) Smt. Kirpal Kaur d/o Sh. Lehna Singh, Vill. Sangha, Teh. Sardulgarh.

(Transferor)

(2) Sh. Gajjan Singh s/o Sh. Bagga Singh s/o Sh. Gurcharan Singh, Sh. Baljinder Singh, Sh. Patwinder Singh ss/o Sh. Gajjan Singh, R/o Vill. Sangha, Teh. Sardulgath.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULF

Agricultural land measuring 69 Kanals and 9 marlas in village Sangha as mentioned in sale deed No. 1427 of March, 1978 registered with the S.R. Sardulgarh.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 20-10-1978

## FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 20th October 1978

Ref. No. AP416/KPR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Panjab Singh s/o Sh. Wasawa Singh, R/O Vill. Noor Dosan, at present Kapurthala. (Transferor)
- (2) Maharaj •Uggar Sain Rice & Allied Industries, Kapurthala.
- (3) As per S. No. 2 above.

  Person in occupation of the property).

  (Transferee)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 31 Kapals and 5 marlas in Kapurthala as mentioned in sale deed No. 3309 of March, 1978 registered with the S.R. Kapurthala,

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 20-10-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, 20th October 1978

Ref. No. AP417/SPL/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Deepu Wal (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur Lodhi on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Teja Singh s/o Sh. Siohn Singh s/o Sh. Mian Singh, R/O Vill. Talwan, Distt. Jullundur. (Transferor)
- (2) Sh. Resham Singh s/o Sh. Chanan Singh (2) Sh. Shingara Singh, Sh. Surinder Singh ss/o Sh. Sarwan Singh, Vill. Deepowal, Teh. Sultanpur Lodhi. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 89 Kanals and 14 marlas in village Deepowal as mentioned in sale deed No. 2023 of March, 1978 registered with the S.R. Sultanpur Lodhi.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 20-10-1978

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 20th October 1978

Ref. No. AP418/MGA/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at Vill, Arafwala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Zua on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Asso and Smt. Isso w/o Sh. Nihal Singh, R/O Vill. Mallan Wali, Teh. Zira.

(Transferor)

(2) S/Sh. Gurbachan Singh, Dalip Singh & Mohinder Singh ss/o Sh. Nihal Singh, R/O Vill. Mallan Wali Teh. Zira.

(Transferec)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 75 Kanals and 6 marlas in village Arafwala and agricultural land measuring 37 Kanals and 1 marla in village Mallan Wali as mentioned in sale deed No. 6025 of March, 1978 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 20-10-1978

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, 20th October 1978

Ref. No. AP 419/SPL/78-79.—Whereas, I. P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,300/-and bearing

As per schedule situated at Talwandi

Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) on the office of the Registering Officer at Sultanpur Lodhi on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) Sh. Rehma s/o Sh. Biru, R/o Vill. Hussain Dulo Wala, Teh. Sultanpur Lodhi (Kapurthala).

(Transferor)

(2) Sh. Dalip Singh (2) Sh. Gurcharan Singh & Sh. Karnail Singh ss/o Sh. Khushal Singh, R/o Vill, Talwandi Teh. Sultanpur Lodhi.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 56 Kanals in village Talwandi as mentioned in sale deed No. 1893 of March, 1978 registered with the S.R. Sultanpur Lodhi.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 20-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 20th October 1978

Ref. No. AP420/HSR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Hajam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on March 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Roshan Lal s/o Sh. Hari Chand s/o Sh. Hukmi and (2) Sh. Vijay Kumar, Bhagwan Dass ss/o Sh. Roshan Lal, Vill. Hajam, Distt. Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Sh. Mohinder Singh s/o Sh. Banta Singh s/o Sh. Attar Singh, Vill. Kandhala Jattan, Distt. Hoshiarpur.

  (Transferor)
- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 48 Kanals in village Hajam as mentioned in sale deed No. 4194 of March, 1978 registered with the S.R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 20-10-1978

## FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITIN RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th ctober 1978

Rcf. No. AP421/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

As per schedule situated at Fazilka

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Fazilka on Mach 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Krishan Kumar s/o Sh. Nand Lal Fazilka and Anju Rani w/o Sh. Krishan Kumar, Fazilka, (Transferor)
- (2) Smt. Durga Devi w/o Kartar Singh Amarjit Kaur w/o Avtar Singh H. No. 530 Gali Santokh Singh Kachhari Road, Fazilka.
  (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One House No. 530 in Gali Santokh Singh on the Kachhari Road, Fazilka as mentioned in the sale deed No. 3931 of March, 1978 registered with the S.R. Fazilka.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 30-10-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 3rd November 1978

Ref. No. AP 422/HSR/78-79.—Wherein, I. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Hoshiarpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
  of the transfer to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which he not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Gurbachan Kaur w/o Rulia Ram s/o Ishar Das c/o Dr. Rulkar Singh, 266 Housing Colony, Karnal. (Transferor)
- (2) Sh. Krishan Gopal Handa (Detd. Tchsildar) c/o B. B. Handa, Advocate, Lajpat Rai Road, Hoshiarpur.
  (Transferees)
- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 247 in Kishan Nagar, Hoshiarpur as mentioned in sale deed No. 4562 of March, 78' registered with the S.R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 3-11-78.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 3rd November 1978

Ref. No. AP423/MSR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Hoshiarpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

16-356GI/78

- (1) Sh. Charanjit Singh s/o Deewan Singh, 59 Model Town, Hoshiarpur, (Transferor)
- (2) Sh. Prithvi Nath Prashar s/o Amar Nath Prashar 8/o Lakshmi Dhan Prashar, 66R Model Town, Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. 66R in Model Town, Hoshiarpur as mentioned in the sale deed No. 4387 of March, 78' registered with the S.R. Hoshiarpur.

> P. N. MALIK, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 3-11-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 3rd November 1978

Ref. No. AP424/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Abohar on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Mankori wd/o Khiali Ram (2) Asha Devi d/o Khiali Ram (3) Brij Lal s/o Khiali Ram r/o Khul Khera Teh. Fazilka.
   (Transferor)
- (2) Sh. Bhagwan Das s/o Lachi Ram R/O Gali No. 3, Mandi Abohar.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2 above (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property,

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One House No. 905 in Gali No. 1 as mentioned in the sale deed No. 2914 of March, 1978 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 3-11-78

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 3rd November 1978

Ref. No. AP 425/BTI/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property  $a_3$  aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faicilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faicilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Deewan Chand s/o Kanshi Ram s/o Hira Lal, Bhatinda.

Transferor)

(2) Sh. Amrit Lal s/o Kahan Chand s/o Tilak Ram, H. No. 628, Namdev Nagar, Bhatinda,

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

A house No. 628 in Namdev Nagar, Bhatinda as mentioned in sale deed No. 6564 of March, 78' registered with the S.R. Bhatinda.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 3-11-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 4th November 1978

Ref. No. AP 426/ABN/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Mohan Singh s/o Sh. Sant Singh s/o Sh. Harnam Singh, R/O Gali No. 21, Gaushala Road, Abohar, Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Sh. Satish Kumar s/o Sh. Des Raj s/o Sh. Jetha Ram, R/O Gali No. 4, Nai Abadi, Abohar, Teh. Fazilka.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above (Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share of a house situated in Gali No. 21 and bearing No. 2330 on Gaushala Road ABOHAR as mentioned in sale deed No. 3004 of March, 1978 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 4-11-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 9th November 1978

Ref. No. AP 427/BTI/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhatinda on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Mohan Lal s/o Sh. Bakshi Ram s/o Sh. Molu Mal, R/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Sh. Gurcharan Singh s/o Sh. Ishar Singh, R/O H. No. 3243, Guru Nanak Sector, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.
(Prson in occupation of the proprty)

'(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house bearing M.C. No. 3012 in Guru Nanak Sector as mentioned in sale deed No. 6389 of March, 1978 registered with the S.R. Bhatinda.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Dated: 9-11-1978

#### FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 9th November 1978

Ref. No. AP428/KPR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Kapurthala Kapurthala on March, 1978

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

As per schedule situated at Kapurthala Kapurthaal on March 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to py tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Charan Dass s/o Sh. Shanker Dass through Sh. Charan Dass Mulkh Raj, Mandi Kapurthala.

  (Transferor)
- (2) Sh. Jaswinder Pal s/o Sh. Tilak Raj through Tilak Raj Madan Mohan, Mandi Kapurthala.

(Transferor)

- (3) As per S. No. 2 above
  [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house-cum-godown on Railway Road, Kapurthala as mentioned in sale deed No. 3404 of March, 1978 registered with the S.R. Kapurthala.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatada

Dated: 9-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 9th November 1978

Ref. No. AP 429/GHS/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at Guru Harsahia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Guru Har Sahai on March 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Madan Lal s/o Sant Ram through Sh. Madan Lal Sham Lal, Grain Mandi, Guru Har Sahai.
  - (Transferor)
- (2) S/Sh. Manohar Lal, Mohan Lal, Vijay Kumar ss/o Lala Ram Rakha Mal, Amrit Lal s/o Khraiti Lal c/o Manohar Lal Mohan Lal, Dana Mandi, Guru Har Sahai.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used -here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in a Sheller of 4 Kanals and 3 marlas at Guru Har Sahai as mentioned in sale deed No. 1866 of March, 78' registered with the S.R. Guru Har Sahai.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 9-11-1978

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 9th November 1978

Ref. No. AP 430/GHS/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK.

being the Competent Authority under Secion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Guru Har Sahai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guru Har Sahai on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Madan Lal s/o Sh. Sant Ram through Sh. Madan Lal Sham Lal, Mandi Guru Har Sahai.

(Transferor)

(2) S/Sh. Manohar Lal, Mohan Lal, Vijay Kumar ss/o Lala Ram Rakha Mal & Amrit Lal s/o Khraiti Lal through Manohar Lal, Mohan Lal, Dana Manda Guru Har Sahai,

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above (Prson in occupation of th eproprty)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in a Sheller on 4 Kanal and 3 marlas as mentioned in sale deed No. 1876 of March, 1978 registered with the S.R. Guru Har Sahal.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 9-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 10th November 1978

Ref. No. AP431/GHS/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per scheduled situated at Guru Har Sahai

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Guru Har Sahai on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

17 = 356 GI/78

(1) Sh. Madan Lal s/o Sh. Sant Ram through Sh. Madan Lal Sham Lal, Grain Market, Guru Har Sahai.

(Transferor)

(2) S/Sh. Manohar Lal, Mohan Lal, Vijay Kumar ss/o Lala Ram Rakha Mal, Amrit Lal s/o Khraiti Lal through Manohar Lal Mohan Lal, Grain Market, Guru Har Sahai Mandi.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in a sheller of 4 Kanals and 3 marlas at Guru Har Sahai as mentioned in sale deed No. 1902 of march 1978 registered with the S.R. Guru Har Sahai.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 9-11-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 10th November 1978

Ref. No. AP432/MLT/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer; and /
   or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Bal Krishan, Smt. Shakuntla Devi, Smt. Chandrawati through Sh. Hari Chand s/o Sh. Dalip Singh, R/o Hansi (Hissar).

(Transferors)

(2) Smt. Gurtej Kaur wd/o Sh. Ranbir Singh through Arjan Motors, G.T. Road, Malout.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above (Prson in occupation of theproprty)
- (4) Any other person interested in the property.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A shop on G.T. Road, Malout as mentioned in sale deed No. 2826, of March, 1978 registered with the S.R. Malout.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 10-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 10th November 1978

Rcf. No. AP433/MKT/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muktsar on March 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcresald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Sh. Gokal Chand, Jagan Nath, Sohan Lal, Smt-Parkash Wati through Sh. Jagan Nath, Seed Dealer, Bagha Market, Muktsar.

(Transferor)

(2) S/Sh. Amar Nath, Karnail Singh, Jiwan Singh, Ujjal Singh, Ganesh Dass through Amar Soap Factory Tibi Sahib Road, Muktsay.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above (Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgined—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

7/8th portion of one single storey commercial property on Tibbi Sahib Road, Muktsar as mentioned in sale deed No. 25'7 of March, 1978 registered with the S. R. Muktsar

P. N. Malik,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 10-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 15th November 1978

Ref. No. AP 434/FZR/78-79.--Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at Ferozepur Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Gopi Ram s/o Sh. Shagan Chand, R/O Dana Mandi, Ferozepur.

(Transferor)

(2) Sh. Subash Chander s/o Sh. Banwari Lal, R/O Ajan Mandi, Ferozepur Cantt.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above

(4) Any other person in occupation of the property)
(Person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share in a house situated in Ferozepur Cantt. as mentioned in sale deed No. 5750 of March, 1978 registered with the S.R. Ferozepur,

> P. N. MALIK, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 15-11-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 15th November 1978

Ref. No. AP 435/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Ferozepur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Ferozepur on March 1978

for an apparent consideration

with the object of: --

and/or

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Sh. Gopi Ram s/o Sh. Shagan Chand, Ferozepur Cantt.

(Transferor)

(2) Sh. Raj Kumar s/o Sh. Banwari Lal, R/O Anaj Mandi, Ferozepur Cantt.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 of a house situated in Ferozepur Cantt, as mentioned in sale deed No. 5689 of March, 1978 registered with the S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated: 15-11-1978

## FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-38009.

Ahmedabad-380009, the 9th August 1978

Ref. No. P.R. No. 600 Acq. 23-1063/19-8/78-79.----Whereas, I. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter re-

ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. Survey No. 136 (Paiki) Village Fulpada, Katargam, Fulpada Road. Surat

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Surat on 9-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor ot pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Rasik Land Developers and Organisers, 170, Havadia Chakla, Ambaji Road, Surat.

(Transferor)

(2) Vishwakarama Industrial Cooperative Service Society Ltd. Havadia Chakla, Ambaji Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land construction upto plinth level and some upto ground level bearing R. Survey No. 136 (Paiki) in village Fulpada, Katargam—Fulpada Road, Surat admeasuring 6879 sq. yds. as described in the sale deed registered under registration No. 1690 in the month of March, 1978 by the registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 9-8-1978

#### FORM ITNS ---- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM, HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st September 1978

Ref. No. P.R. No. 608 Acq. 23-1065/19-8/78-79,---Whereas, I. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Ward No. 4, Nondh No. 3884 and 522 situated at Choki Sheri, Begampura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 27-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) J. Rasilaben Wd/of Kanchanlal Vithaldas;
  - Jayvadan Kanchanlal;
  - Shirish Kanchanlal; 4. Bipinchandra Kanchanlal; 5. Jyotiben Kanchanlal; 6. Gitaben Kanchanlal;

  - Dhansukhlal Ishverlal; Sushilaben Dhansukhlal;
  - Rajnikant Dhansukhlal;
     Chandresh Dhansukhlal;

Address: 1 to 6: Hira Manck Bldg. Dadi Sheth Agiari Lane, Bombay.
7 to 10: Daftari Road, Khandwala Chawl. Malad.

Bombay.

## (Transferor)

- (2) 1. Uttamram Ambaram Modi;
  - Manjulaben Uttamram Modi;
     Vijaykumar Uttamram Mehta;

  - 4. Mahendrakumar Uttamram Mehta;
  - Vinayak Uttamram Mehta; All at Zampa Bazar, Kharadi Sheri,

## (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 4, Nordh No. 3884 situated at Begampura-Choki Sheri, Surat admeasuring 229-09-95 sq. mts. as described in the sale-deed registered under the sale-deed registration No. 1844 in the month of March, 1978 by the registering Officer, Surat.

> S. C. PARIKH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 1st September 1978

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st September 1978

Ref. No. P.R. No. 610 Acq. 23-1086/7-4/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Ghar Gala No. 1, City C.T. No. 10/3, Wd. No. 8, Muni No. 780, situated at Mota Falia, Dasturvad, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 22-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Somabhai Parbhubhai Patel; P.A. Holder of Shri Vinodkumar Somabhai Patel and Shri Sureschchandra Somabhai Patel; Navsari.

(Transferor)

(2) 1. Shri Abdul Mohmed Bismilla;
2. Shri Suleman Mohmed Bismilla;
3. Shri Daud Mohmed Bismilla;
4. Shri Masum Mohmed Bismilla;
At: Dabhel, Uncha Mahollo;

Tal. Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing C.T.S. T. No. 103, S. No. 63, Ward No. 8, Muni No. 780, situated at Mota Falia, Dasturvad, Navsari, admeasuring 156 sq. yds. as described in the sale-deed registered under registration No. 1506 in the month of March, 1978 by the registering Officer, Navsari.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rangell, Ahmedabad.

Dated: 1-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st September 1978

Ref. No. P.R. No. Acq.23-I-1620(710)/11-8/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Junagadh Veraval Highway Road, Vanthali situated at Opp: S.T. Bus Stand, Vanthali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Manavadar on 20-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
18—356GI/78

 M/s. M. M. & Co. of Vanthali through its partners: Pushpagauri Prabhudas Rajani Mill Plot, Keshod (Dist. Junagadh) & Others.

(Transferor)

(2) 1. Shri Nadhori Abdulla Dada,
2. Shri Nadhori Noormomad Dada,
3. Shri Nadhori Kasam Dada
Opp: Haji Saheb's Masjid, Vanthali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The shops and garage rooms standing on land admeasuring 7826.4 sq. yds. (i.e. 6543.60 sq. mts.) situated opposite to S.T. Bus Stand at Vanthali and as full described in the sale deed registered vide R. No. 372 dated 20-3-1978.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 1-9-1978

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st September 1978

Ref. No. P.R. No. Acq.23-I-1604(711)/1-1/77-78.— Whereas, I. S. C. PARJKH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

F.P. No. 277 of T.P.S. 20, S. No. 73-1 & 2, situated at Kochrab, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ahmedabad on March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object to:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

(1) 1. Amitkumar Ambalal

 Rakshaben Amitkumar both R/at "SUMERU", Nr. St. Xavier's College, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Everbela Co-Op. Housing Soc. Ltd., through: Chairman:—

through: Chairman:—
1. Shri Parmanand Shakerabhai Patel &
2. Secretary: Shri Sewantilal Mafatial Shah,

Waniyawad, Luharsheri, Sataspur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open pl. t of land adm. 4441 sq yds. bearing F.P. No. 277, S. No. 73/1-2, T.P.S. 20, situated at Kocharab, Ahmedabad duly registered by the Registering Officer, Ahmedabad as per Sale Deed No. 19396/3-1-2-1975—37-G form received in the 1st fortnight of March, 1978.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 1-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th September 1978

Ref. No. Acq.23-I-1621(713)/11-8/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 280/1 & S. No. 280/2 situated at Village:

Sultanawad, Tal. Manavadar, Dist. Junagadh.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Manavadar on 18-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability, of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Godavriben Ramlal Kotecha C/o. Vipul Industries, Sultanabad, (Tal. Manayadar) Dist. Junagadh.

(Transferois)

(2) Proprietor of Kankaria Cotton Processors & Trustees of Premraj Kankaria Sons Trust— Through: Shri Vinaychand Premraj & Others, Kankaria Bhawan, 6. Mahadeynagar, Society, Ahmedabad.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the soid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece & parcel of land bearing S. No. 280/1 & 280/2 admeasuring 26204 sq. metre situated at Sultanabad village, Tal. Manayadar, Dist. Jungadh and duly registered by the Registering Officer, Manayadar as per sale deed No. 347/18-3-1978 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 4-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th September 1978

Ref. No. Acq.23-I-1621(714)/11-8/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ginning & Pressing Factory known as M/s. Kankaria Cotton Processes situated at Village Sultanabad, Tal. Manavadar, Dist. Junagadh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Manayadar on 19-3-1978

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Ashokkumar Ramlal Kotecha.
  - Godavriben Ramlal Kotecha partners & proprietors of— M/s. Vipul Industries, Sultanabad, Tal. Manavadar, Dist., Junagadh.

(Transferor)

- (2) M/s. Kankaria Cotton Processors Proprietor: Premraj Kankaria Sons Trust through trustees:
  - Shri Viyaychand Premraj & Others, Kankaria Bhawan, 6, Mahadevnagar Society, Ahmedabad.

(Tansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory buildings, godowns, houses, Ginhouses, Electric Room, pump-room, store-room & Office room etc. known as M/s. Kankaria Cotton Processes standing on land adm. 6 Acres, 19 Gunthas, situated at Village Sultannbad, Tal. Manavadar, Dist. Junagadh, duly registered with the Registered Officer, Manavadar on 19-3-1978 as per sale-deed No. 348/March, 1978 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 4-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380-009, the 12th September 1978

Ref. No. P.R. No. 613.Acq.23-1126/3-2/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

City S. No. 10935 (Paiki) City S. Sheet No. 51 & City S. No. 10934 (Paiki) situated at Western side of Railway godown, Palanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palanpur in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

 Shri Supriyabhai Kantilal Mehta, P.A. Holder: Kantilal Chhotalal Mehta; 1-A, Gitanjali, Navroji Gamadia Cross Road, Bombay-26.

(Transferor)

(2) Patel Kalidas Narsinhbhai; Rampura (Sadarpur) Tal. Palanpur.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing City S. No. 10935 (Paiki) and City S. Sheet No. 51 and City S. No. 10934 (Paiki) admeasuring 6570.5 sq. ft. situated at Western side of Railway Godown, Palanpur, and as duly described in the sale-deed registered vide Registration No. 535 in the month of March, 1978 by the registering Officer, Palanpur.

S. C. PARIKH,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 12-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

#### АНМЕDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th September 1978

Ref. No. P.R. No. 614 Acq.23-1127/3-2/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

City S. No. 10935 (Paiki) City S. Sheet No. 51 & City S. No. 10934 (Paiki) situated at Western side of Railway godown, Palanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Palanpur in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Supriyabhai Kantilal Mehta, P.A. Holder: Kantilal Chhotalal Mehta; 1-A, Gitanjali, Navroji Gamadia Cross Road, Bombay-26.

(Transferor)

(2) Patel Girishchandra Kalidas (Minor), Guardian: Patel Kalidas Narsinhbhai; Rampura (Sadarpur) Tal. Palanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing City S. No. 10935 (Paiki) and City S. Sheet No. 51 and City S. No. 10934 (Paiki) admeasuring 6570.5 sq. ft. situated at Western side of Railway Godown, Palanpur, and as duly described in the sale-deed registered vide registration No. 536 in the month of March, 1978 by the registering Officer, Palanpur.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 12-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380-009, the 12th September 1978

Ref. No. P.R. No. 615 Acq.23-1128/3-2/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

City S. No. 10935 (Paiki) City S. Sheet No. 51 and City S. No. 10934 (Paiki) situated at Western side of Railway godown, Palanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Palanpur in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the nforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Supriyabhai Kantilal Mehta, P.A. Holder: Kantilal Chhotalal Mehta; 1-A, Gitanjali, Navroji Gamadia Cross Road,

(Transferor)

(2) Patel Laxmichand Narsinhbhai; Rampura (Sadarpur) Tal. Palanpur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing City S. No. 10935 (Paiki) and City S. Sheet No. 51 and City S. No. 10934 (Paiki) admeasuring 6570.5 sq. ft. situated at Western side of Railway Godown, Palanpur, and as duly described in the sale-deed registered vide registration No. 537 in the month of March, 1978 by registering Officer, Palanpur.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 12-9-1978

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th September 1978

Ref. No. P.R. No. 616, Acq. 23-1129/3-2/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

City S. No. 10935 (Paiki) City S. Sheet No. 51 & City S. No. 10934 (Paiki) situated at Western side of Railway Godown, Palnpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Palanpur in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Supriyabhai Kantilal Mehta, P.A. Holder: Kantilal Chhotalai Mehta; 1-A, Gitanjali, Navroji Gamadia Cross Road, Bombay-26.

(Transferor)

(2) Patel Harshadkumar Laxmichandbhai (Minor) Guardian: Laxmichand Narsinhbhai; Rampura (Sadarpur) Tal. Palanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing City S. No. 10935 (Paiki) and City S. Sheet No. 51 and City S. No. 10934 (Paiki) admeasuring 6570.5 sq. ft. situated at Western side of Railway Godown, Palanpur, and as fully described in the sale-deed registered vide registration No. 538 in the month of March, 1978 by Registering Officer, Palanpur

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 12-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 12th September 1978

Ref. No. P.R. No. 617 Acq.23-1130/3-2/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

City S. No. 10935 (Paiki) City S. Sheet No. 51 & City S. No. 10934 (Paiki) situated at Western side of Railway Godown, Palanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Palanpur in March, 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

19-356GI/78

 Shri Supriyabhai Kantilal Mehta, P.A. Holder: Kantilal Chhotalal Mehta; 1-A, Gitanjali, Navroji Gamadia Cross Road, Bombay-26.

(Transferor)

(2) Patel Amratlal Narshinbhai; Rampura (Sadarpur) Tal. Palanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing City S. No. 10935 (Paiki) and City S. Sheet No. 51 and City S. No. 10934 (Paiki) admeasuring 6570.5 sq. ft. situated at Western side of Railway Godown, Palanpur, and as fully described in the sale-deed registered vide registration No. 539 in the month of March, 1978 by the registering Officer, Palanpur.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 12-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Supriyabhai Kantilal Mehta, P.A. Holder: Kantilal Chhotalal Mehta; 1-A, Gitanjali, Navroji Gamadia Cross Road, Bombay-26.

(Transferor)

(2) Patel Iishwarlal Amratlal (Minor) Guardian: Amratlal Narshibhai; Rampura (Sadarpur) Tal. Palanpur.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th eptember 1978

Ref. No. P.R. No. 618 Acq.23-1131/3-2/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

City S. No. 10935 (Paiki) City S. Sheet No. 51 & City S. No. 10934 (Paiki) situated at Western side of Railway godown, Palanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Palanpur in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to the disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing City S. No. 10935 (Paiki) and City S. Sheet No. 51 and City S. No. 10934 (Paiki) admeasuring 6570.5 sq. ft. situated at Western side of Railway Godown, Palanpur, and as fully described in the sale-deed registered vide registering No. 540 in the month of March, 1978 by the registering Officer, Palanpur.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 12-9-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th September 1978

Ref. No. ACQ.23-I/1615(717)/I-I/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 326 (part) T.P.S. 30 situated at New Asarwa, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Kanaiyalal Dahyabhai Patel, Karta of H.U.F., 838, Piplawalowas, Old Asarwa, Ahmedabad-16.

(Transferor)

 Parnakunj Co-Op. H. Soc. Ltd., through: Secretary Shri Bhagwatkumar, I. Patel, Near Umiya Mata's Mandir, New Asarwa, Ahmedabad-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open piece & parcel of land admeasuring 1162 sq. yds. bearing S. No. 326 situated at Asarwa, Ahmedabad on duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide Sale-deed No. 3361/29-3-1978 and as fully described in the sald saledeed.

> S. C. PARIKH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 14-9-1978

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-J, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th September 1978

Ref. No. Acq.23-I-1615(718)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 326 (part) T.P.S. 30 situated at New Aswara, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in March 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kshmaben Kanaiyalal Patel, 838, Piplawalawas. Old Asarwa, Ahmedabad-16.

(Transferor)

 Parnakunj Co-Op. H. Soc. Ltd., through: Secretary Shri Bhagwatkumar, I. Patel, Near Umiya Mata's Mandir, New Asarwa, Ahmedabad-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

An open piece & parcel of land admeasuring land 232.2 sq bearing S. No. 326 situated at Asarwa, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide Sale-deed No. 3411/78 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 14-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th September 1978

Ref. No. P.R. No. Acq.23-I-1615(719)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing S. No. 247—T.P.S. 30 situated at

Asarwa, Abmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in March 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Dahiben Dahyabhai Patel. 838, Piplawalowas, Old Asarwa, Ahmedabad-16.

(Transferor)

(2) Parnakunj Co-Op. H. Soc. Ltd., through: Bhagwatkumar, I. Patel, Near Umiya Mata's Mandir, New Asarwa, Ahmedabad-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land adm. land 1331 sq. yds. bearing S. No. 247 situated at Asarwa, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide Sale-deed No. 3412/78 and as fully described in the said sale-deed.

> S. C. PARIKH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 14-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th October 1978

Ref. No. P.R. No. Acq.23-I-1599(727)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 440-2 situated at Vejalpur, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dhanaji Kanaji Thakore, Shri Maphaji Kanaji Thakore Vejalpur, Taluka City, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Jagjivanrampark Co-Op. Hous. Society Ltd., C/o Bhikhabhai Vashrambhai Makwana, Mahendarpura, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 6655 sq. yds. bearing S. No. 440-2 situated at Vejalpur, City Taluka, Dist, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R. Nos. 2167 and 2168 dated 9-3-1978 by registering Officer, Ahmedabad.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 4-10-1978

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th October 1978

Ref. No. Acq.23-I-1616(728)/1-1/77-78.—Whereas, I, C. PARIKH being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 295, situated at Godasar, City Taluka, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 31-3-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely:--

- (1) 1. Shri Natverlal Gordhandas Modi,

  - Taraben Natverlal Modi
     Shri Surendra Natverlal Modi
     Shri Nilesh Natverlal Modi Dhal's Pole, Rasik Chawls, Astodia, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Shivshakti Co-Op-Hous. Soc. Ltd., Through: Chairman, Shri Amritbhal Ranchhodbhai Patel, Abhidhan Society, Maninagar, Ahmedabad.
  - Secretary Shri Shankerbhai Dhulabhai Patel, Bhairavnath Road,
  - Maninagar, Ahmedabad-8.
    3. Managing Committee Member: Shri Naranbhal Gangaram Patel 10, Pritikunj Society, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

an open plot of land admeasuring 3388 sq. Yds. bearing S. No. 295 on eastern side situated at Godasar, City Taluka Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered by Regn. No. 3459 dated 31-3-1978.

> S. C. PARIKH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 4-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri Kantilal Keshavil Karia, 4, Ramkrishnanagar, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Dilip Jethalal Thakker, Giripeth, Nagpur.

(Transferec)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th October 1978

Ref. No. Acq.23-I-1642(730)/16-6/77-78.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 380/2 of Plots Nos. 65 to 71, situated at
Behind P.D. Malaviya Commerce College, Gondal Road,
Rajkot (and more fully described in the
schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Rajkot on March 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land adm. 3771-30 feet of plots Nos. 65 to 71 of S. No. 380/2, situated behind P.D. Malaviya Commerce College, Gondal Road, Rajkot, duly registered by Registering Officer at Rajkot vide sale-deed No. 2541/31-3-1978 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rnge-I, Ahmedabad.

Date: 4-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

## SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th October 1978

Ref. No. Acq.23-I-1641(731)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 398/2 of Plots Nos. 42, 43, 44, 51 & 72 to 75 situated at

Behind P.D. Malaviya Commerce College, Gondal Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Raikot on March 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

20—356GI/78

(1) Shri Kantilal Keshavji Karia, 4. Ramkrishnanagar, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Harish Jethalal Thakker, Giripeth, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

## THE SCHEDULE

Open land admeasuring sq. yds. 5762.4 feet of Plot Nos. 42, 43, 44, 51 and 72 to 75 of Survey No. 398/2, situated behind P.D. Malaviya Commerce College, Gondal Road, Rajkot and duly registered by Registering Officer at Rajkot vide Sale-deed No. 2542/31-3-1978 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 4-10-1978

(1) Shri Kantilal Keshavji Karia, 4, Ramkrishnanagar, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Pravin Jethalal Thakker, Giripeth, Nagpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th October 1978

Ref. No. Acq.23-I-1639(733)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 398/2 Plot No. 76 to 81 situated at Behind P.D. Malaviya Commerce College, Gondal Road, Rajkot (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on March 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land admeasuring sq. yd. 4812-7 feet of plots Nos. 76 to 81 of Survey No. 398/2 situated behind P.D. Malviya Commerce College, Gondal Road, Rajkot duly registered by Registering Officer at Rajkot vide sale-deed No. 2544/31-3-78 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 4-10-1978

## FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th October 1978

Ref. No. Acq.23-I-1640(732)/16-6/77-78.—Wheras, I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 398/2, of Plots No. 29 to 38 situated at Behind P.D. Malaviya Commerce College, Gondal Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on March 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Kantilal Keshavji Karia,
 Ramkrishnanagar, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Mahendra Bhavanji Thakkar, Giripeth, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Open land admeasuring sq. yds. 4855-2 feet of plots Nos. 29 to 38 of Survey No. 398/2, situated behind P.D. Malviya Commerce College, Gondal Road, Rajkot, duly registered by Registering Officer at Rajkot vide sale-deed No. 2543/31-3-1978 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 4-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th October 1978

Ref. No. P.R. No. 624 Acq.23-1064/19-8/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 12, Nondh No. 576 situated at Rani Talav, Opp. Union High School, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Surat in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Vimlaben Nanubhai Desai;
 Mukul Nanubhai Desai;
 Both at Diwali Baugh, Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

(2) Fatima Ismail Gheewala; P.A. Holder: Shri Yunus Ahmed Gheewala, Rampura, Chhada Ole,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 12, Nondh No. 576 situated at Rani Talay, Opp. Union High Schools, Surat as described in the sale-deed registered under registration No. 1756 in the month of March, 1978 by the registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 12-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

## SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 12th October 1978

Ref. No. P.R. No. 625 Acq.23-1137/7-4/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Ward No. 2, H. No. 289, City S. No. 289, CIS Tika No. 6/1 S. No. 50 situated at Malesar, Wadi Street, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Home Phirozshah Baria, Harbar Hights, N.A. Savant Marg, Colaba, Bombay-5.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ranjitral Govindji Darji,

2. Taraben Ranjitrai Darji,
Village: Salej, Tal. Gandevi Dist. Valsad
At present: H. No. 289, Malesar,
Wadi Street, Navsari,

('Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing H. No. 289 C.S.T. Tika No. 6/1, S. No. 50, situated at Malesar, Wadi Street, Navsari, admeasuring 210 sq. yds. as described in the sale-deed registered under registration No. 1112 in the month of March, 1978 by the registering Officer, Navsari.

> S. C. PAREKH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Dated: 10-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 12th October 1978

Ref. No. P.R. No. 626 Acq.23-1138/19-7/78-79.---Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Ward No. 6, Nond No. 1276 & 1277 situated at

Mahidharpura, Bhat Sheri, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) 1. Shri Champaklal Nagindas.
  - 2. Shri Hasmukhlal Nagindas,
  - 3. Shri Jashvantial Nagindas,
  - 4. Smt. Sanaben Nagindas; All at Mahidharpura, Bhut Sheri, Surat

(Transferor)

(2) Smt. Pushpaben Vasantlal, Mahidharpura, Bhut Sheri, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 6, Nondh No. 1276 and 1277 situated at Mahidharpura, Bhut Sheri Surat admeasuring 88+71=158 sq. yds. as described in the sale deed registered under registration No. 1677 and 1722 in the month of March, 1978 by the registering Officer, Surat,

> S. C. PARIKH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range II. Ahmedabad.

Date: 12-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 12th October 1978

Ref. No. P.R. No. 627 Acq.23-1139/19-7/78-79.— Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 10/1095-A and 1098-B situated at Limdi Kul, Gopipura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely;—

 Shri Babubhai Chimanlal Zaveri, Self and as Manager of HUF, Amliran, Makubhai Munsaf Sheri, Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Bhubanchandra Dulalchandra Mandal,
  - 2. Shri Mohanchandra Dulalchandra Mandal,
  - Shri Kamalchandra Dulalchandra Mandal, Amliran, Makubhai Munsaf Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Wd. No. 10, Nondh No. 1095-A and 1095-B situated at Limdikui, Gopipura, Surat admeasuring 149 sq. yds. as described in the sale-deed registered under registration No. 1776 in the month of March, 1978 by the registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 12-10-1978

Soal ;

## FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 12th October 1978

Ref. No. P.R. No. 628 Acq23-1140/7-4/78-79.---Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 640 paiki situated at Sandhkuva, Navsari, Dist. Valsad (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on 14-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Ramanlal Khandubhai Vashi,
  - 2. Shri Vijaykumar Ramanlal Vashi,
  - Shri Kiritkumar Ramanlal Vashi, P. A. Holder of above three Shri Natverlal Khandubhai Juna Thana, Navsari.

(Transferor)

(2) Shri Karsanbhai Nagjibhai Patel, Sardar Patel Society, Navsari, Dist. Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall 1 in that Chap

## THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 640 palki situated at Sandhkuva, Navsari admeasuring 5522 sq. ft as described in the sale deed registered under registration No. 1625 in the month of March 1978 by the registering Officer, Navsarl.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 12-10-1978

FORM TINS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME--TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th October 1978

Ref. No. Acq.23-1-1694(734)/16-5/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovatble property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 1298 situated at Lati Street No. 6 at Morvi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Morvi on 14-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

21-356GI/78

(1) Shri Ibrahim Bhachu, Pakhali Sheri, Могvi

(Transferor)

(2) 1. Shri Ramniklal Chhaganlal Patel, Ravapar Road, Morvi.

Shri Mansukhlal Govindji Ghetiya Mahavir Society, Morvi.
 Shri Abhayakant Amritlal Mehta,

10, Shakti Plot, Morvi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 3 acres and 36 gunthas 18876 sq. yds.) bearing S. No. 1298 of village Vajepur, abuting Lati Street No. 6, at Morvi, and as fully described in the sale-deed registered vide No. 286 dated 14-3-1978.

S. C. PARIKH. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 12-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSF, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 10th October 1978

Ref. No. Acq.23-I-1722(735)/16-6/77-78.—Whereas, J, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 33-B, building known as 'Doli', situated at Harihar Co-Op. H. Soc. Ltd., on south of Kolawad Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 31-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Bipin Vishnuprasad Anjaria,
 33-B, Harihar Co-Op. H. Soc. Ltd., south of Kolawad Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Bhaskerrao Kalyanrao Rinkani, "Saurabh", Sarojini Road, Santacruz., Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Building known as 'Doli' standing on land adm. 306-2-0 sq. yd. bearing Plot No. 33-B in Harihar Co-Op. Hous. Soc. Ltd., towards south Kolawad Road, Rajkot, duly registered by Registering Office vide Sale-deed No. 215/31-3-1978 and as fully described in the said sale deed.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 10-12-1978

Scal:

#### 7497

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 10th October 1978

Ref. No. Acq.23-I-1724(736)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule

S. No. 451, Plot No. 101 situated at Main road from Race Course to Amrapali Talkies, Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on March 1978

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kusumben Jamnadas Mehta, Jagnath Plot, No. 16, Raikot.

(Transferor)

(2) Shri Chhotalal Durlabhji & Smt. Jaswant Chhotalal, Jagnath Plot, 21/29, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 451, Plot No. 101, land adm. 251-4-0 sq. yd. situated opp: Amrapali Talkies, Rajkot duly registered by the Registering Officer, Rajkot as per sale-deed No. 760/2-3-1978 and as full described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 10-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 10th October 1978

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-1795 (737)/16-1/77-78.----Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tika No. 8, Paiki No. 526, No. 2, Lekh No. 2780 dt. 19-6-23 (Sheet No. 57 No. 495) situated at Near Gin Mill Plot, Opp: Liberty Cinema, Dhorji, Dist. Rajkot,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dhoraji in March 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

(1) Shri Ramniklal Bhagwanji Patel, & Others, Prop: Dhoraji Gin Mill Company,

Opp: Liberty Cinema Dhoraji, Dist. Rajkot.

(Transferor)

(2) Dr. Miss Hemangani Champaklal Trivedi & Others, Sole Proprietor of Dr. Trivedi's Maternity & Nursing Home, near Gin Mill Plot. Opp: Liberty Cinema, Dhoraji, Dist. Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building known as "Dr. Trivedi's Maternity and Nursing Home Dhoraji" standing on land adm. 620 sq. yds. bearing Tika No. 8, Paiki No. 526, No. 2, Lekh No. 2780, dt. 19-6-23, (Sheet No. 57, No. 495) duly registered by Registering Officer. Dhoraji, vide sale deed No. 326/6-3-1978 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 10-12-1978

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 21st October 1978

Ref. No. Acq.23-I-1721(740)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Residential building standing on land 395-6-84 sq. yds situated at Lalji Parekh's street, Khatriwad, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on 14-3-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Kanaiyalal Dalpatram Mehta himself & Power of Attorney holder of Shrimati Narmadaben Dalpatram Mehta & Others, at Bhaktinagar Society main Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Jivanlal Lalji Ranpura & Others of Pragiya Soni Jasubhai Rathodbhai Trust, Khatriwad, Ladhubha Utara Street, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential building standing on land adm. sq. yds. 395-6-84 situated at Khatriwad Lalji Parekh Street, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 893/14-3-1978 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 21-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 21st October 1978

Ref. No. Acq.23-I-1730(741)/18-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nos. 2 Paik 3, 4, 6, 7, 8, 9, 14, 34, 35, 36, 37 & 38 in S. No. 884 situated at left side of Dhrangadhra Morvi Road, near Bridge, Dhrangadhra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Dhrangadhara on 23-3-1978

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Shah Chandulal Kasalchand &
  - Shri Shah Dalichand Maganlal, Green Chowk, Dhrangadhara, Dist. Surendranagar.
- (2) Shri Jadeshwar Co-op. Housing Society, Dhrangadhara—through: President Shri B. N. Kabani, C/o Assistant Collector's Office, Man-Mehelet, Dhrangadhara, Dist. Surendranagar.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Nos. 2, Paiki 3, 4, 6, 7, 8, 9, 14, 34, 35, 36, 37 & 38 in S. No. 884 locatel on the left hand side of Dhrangadhara Morbi Road, near Bridge, Crossing, Dhrangadhara registered duly by registering Officer at Dhrangadhara vide sale-deed No. 299/23-3-1978 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 21-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380,009, the 23rd October 1978

Ref. No. P.R. No. 629 Acq.23-1987/7-4/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Tika No. 9/1, Sur. No. 48 paiki situated at Malekwad, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on 2-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Bai Kherunisa Nasiruddin,
  - 2. Taherunnisa Fariddin,
  - 3. Jamilunnisa Rajiyudin,
  - 4. Najamunnisa Amiruddin, All at Malekvad, Navsari.

(Transferor)

(2) Chhotubhai Naranji Patel & Co. Partner: Shri Chhotubhai Naranjibhai Patel, 11/32. Nanavat, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Tika No. 9/1, S. No. 48, paiki situated at Malckvad, Navsari admeasuring 20473 sq. ft. as described in the sale deed registered under registration No. 1102 registered in the month of March, 1978 by the registering Officer, Navsari.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 23-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380,009, the 23rd October 1978

Ref. No. P.R. No. 630 Acq.23-1108/19-8/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 5, Nondh No. 933 situated at Jada Khali, Mahidherpura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 20-4-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimad Sureshwar Bhagwan, Shrimad Nrusinhacharya, Nrusinha Ashram, Bhutdi Zampa, Baroda.

(Transferor)

- (2) Shree Surati Kansara Panch Subhechak Mandal, Trustees:
  - 1. Shri Jagjivandas Chhabildas;
  - 2. Shri Babubhai Fakirchand,
  - 3. Shri Tribhovandas Damodardas:
  - 4. Shri Jethalal Motiram,
  - Shri Chimanlal Lallubhai, 5/962, Jada Khadi, Mahidharpura, Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 5, Nondh No. 933, situated at Jada Khadi, Mahidharpura, Surat admeasuring 228 sq. yds. as described in the sale-deed registered under registration No. 2331 in the month of April, 1978 by the registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date 23-10-1978 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380009, the 24th October 1978

Ref. No. P.R. No. 631 Λcq.23-1141/6-1/78-79.— Whereas, 1, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 532 (Paiki) Plot No. 24, 25, 28, 29, 32, 33 situated at Sayaji Ganj, Race Course Road, Vishvas Colony, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Baroda in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other acts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. A. M. Patel & Co., 205, Yashkamal Building, Station Foad, Baroda.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Saryu Subhashchandra Patel, 1-A, Alkapuri Shopping Centre, Race Course Road, Baroda-5.
  - Smt. Sulochana Dinubhai Desai,
     A, Sterling Appartment,
     Race Course Road, Baroda-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned----

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Immovable property being Flat 1-A, situated at Alkapuri Shopping Centre Vishwas Colony, Race Course, Road Baroda at S. No. 532 (Paiki), Plot No. 24, 25, 28, 29, 32, 33 and as described in the sale deed registered under registration No. 679 in the month of March, 1978 by the registering Officer, Baroda.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 24-10-1978

FORM ITNS----

(1) Pragji Jamnadas Dossa, Parmanand Jamnadas Dossa and Anandji Jamnadas Dossa, C/O Gokaldas Dossa & Co., East & West Insce. Co. Bldg., Apollo St., Bombay-23.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th September 1978

Ref. No. A.R. III/1635/2/78-79.—Whereas, I, V. K. SUBRAMANIAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 1A-pt-21A/3, 99-D situated at Gundavli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-3-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) façilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Bombay Paxwell Pvt. Ltd. Mctalage Industries Compound Subhas Road, Jogeshwari (East) Bombay-60.

(Transferce)

(3) Bombay Poxwell Pvt. Ltd. Metalage Industries Compound Subhas Road, Jogeshwar (East) Bombay-60

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaic versons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground together with the messuages, hereditaments and premises, admeasuring 6727.1 sq. metres or thereabout, bearing C.T.S. No. 73 and 217 of Division, out of the larger pieces or parcels of land bearing part of lands bearing the undermentioned numbers viz. Survey No. 1A(part) S. No. 21-A/1 Hissa No. 3 part and Survey No. 99-D-1 part, all of Gundavli village, Andheri (East), now in Greater Bombay in the Registration Sub-District and District of Bombay city and Bombay Suburban.

V. K. SUBRAMANIAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range-III, Bombay.

Dated: 18-9-1978

Scal